Sharma Hardware
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 106 | गुवाहाटी | बुधवार, 9 नवंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

नई पेंशन नीति के विरुद्ध कर्मचारियों का जोरदार प्रदर्शन — पेज 3
मध्य प्रदेश में 2003 में फिर खिलेगा कमल : सिंधिया — पेज 4
ननकाना साहिब में पर्व मनाने की स्वतंत्रता नहीं होने पर विचार करना चाहिए... — पेज 5
विधायकों की पसंद पर 75 प्रशासनिक अधिकारी के तबादले — पेज 8

5,000 मीट्रिक टन कोल्ड-स्टोरेज का उद्घाटन

चावल के एमएसपी को 2,006 रुपए करने के लिए प्रतिबद्ध हूं : मुख्यमंत्री

कामरूप (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कामरूप (ग्रामीण) जिला के छयगांव में 5,000 मीट्रिक टन क्षमता वाले कोल्ड-स्टोरेज सुविधा और सतबाड़ी में फूड प्रोसेसिंग पार्क में फल प्रसंस्करण केंद्र का उद्घाटन किया। असम राज्य कृषि विपणन बोर्ड द्वारा 24.75 करोड़ रुपए की लागत से 5,000-मैट्रिक-टन कोल्ड-स्टोरेज सुविधा का निर्माण किया गया है। इस सुविधा के *चिलर* और *फ्रीजर* कमरे, जिससे कामरूप (मेट्रो), कामरूप (ग्रामीण), ग्वालपाड़ा, नलबाड़ी और बरपेटा जिलों के किसानों को लाभ होने की संभावना है। इसकी भंडारण क्षमता क्रमश: 550 मीट्रिक टन और 575 मीट्रिक टन है। जबकि चिलर कमरे कृषि वस्तुओं जैसे आलू, फल और अन्य सब्जियों के भंडारण के लिए होंगे, फ्रीजर कमरा दूध और दूध-उत्पादों के भंडारण के लिए उपयोग किया जाएगा। दूसरी ओर, फल-प्रसंस्करण इकाई को 2.89 करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि यह फल प्रसंस्करण इकाई राज्य में अपनी तरह की पहली इकाई है। छयगांव कॉलेज खेल मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने राज्य के युवाओं से कृषि उत्पादों और वस्तुओं के प्रसंस्करण और पैकेजिंग पर ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि अदरक, काली मिर्च, नींबू, जोहा चावल जैसी राज्य की उपज की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बहुत मांग है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन वस्तुओं के किसान अपनी उपज के लिए पारिश्रमिक मूल्य तभी प्राप्त कर पाएंगे जब उनकी उपज आगे संसाधित और पैक हो, जो उनके मूल्यवर्धन में वृद्धि करेगा। उन्होंने कहा कि इससे राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की चल रही प्रक्रिया पर व्यापक सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। राज्य सरकार की पहल के कारण, पिछले कुछ वर्षों में बागवानी उत्पादों का वार्षिक निर्यात 200 करोड़ रुपए हुआ है। मुख्यमंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

गलत पोस्टमार्टम रिपोर्ट देने के मामले में तीन डॉक्टर व वरिष्ठ पुलिस अधिकारी गिरफ्तार

दरंग (हि.स.)। गलत पोस्टमार्टम रिपोर्ट देने के आरोप में तीन डॉक्टर और एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया गया है। चिकित्सकों पर फर्जी पोस्टमार्टम रिपोर्ट तैयार करने का आरोप है। जबकि पुलिस अधिकारी पर हत्याकांड पर पर्दा डालने का आरोप है। सीआईडी की तरफ से मंगलवार को जारी की गई जानकारी के मुताबिक हत्या के एक मामले में गलत पोस्टमार्टम रिपोर्ट देने के आरोप में डॉ. अरुण चंद्र डेका, डॉ. अजंता बरदलै और डॉ. अनुपम शर्मा को गिरफ्तार किया गया है। धूला पुलिस थाना में केस नंबर 114/2022 की धारा 354/354 (ए)/201/511, 376 और पास्को एक्ट की धारा 9(पी)/10 दर्ज प्राथमिकी के आधार पर तीनों को गिरफ्तार किया गया। एक शव के पोस्टमॉर्टम के दौरान आरोपित चिकित्सकों द्वारा की गई कई विसंगतियों की जांच कर रहे सीआईडी अधिकारियों को अहम तथ्य मिले हैं। जांचकर्ताओं को इस बात के सबूत मिले हैं कि आरोपित डॉक्टरों ने फर्जी पोस्टमार्टम रिपोर्ट सौंपी थी। अदालत की अनुमति पर शव को कब्र से निकालकर गुवाहाटी मेडिकल कालेज एंड अस्पताल (जीएमसीएच) में दूसरी बार पोस्टमार्टम कराया गया, जिसमें खोपड़ी व गर्दन पर स्पष्ट रूप से हमले के तथ्य पाए गए। पहली बार किए गए पोस्टमार्टम में इसका उल्लेख नहीं किया गया था। इसके अलावा एम्स, नेग्रिम्स और जीएमसीएच (गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल) के फॉरेंसिक मेडिसिन विशेषज्ञों ने स्पष्ट रूप से निष्कर्ष निकाला है कि चोटों से गला घोंटने का खतरा अधिक है। शरीर पर चोट के निशान भारी हथियारों की चपेट में आने और गला दबाकर हत्या करने के कारण हैं। संबंधित व्यक्ति ने आत्महत्या नहीं की। पहले पोस्टमार्टम के दौरान आरोपित डॉक्टरों ने पोस्टमार्टम के दौरान वीडियोग्राफी -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा में भाजपा ने पूरे नहीं किए अपने वादे : माणिक सरकार

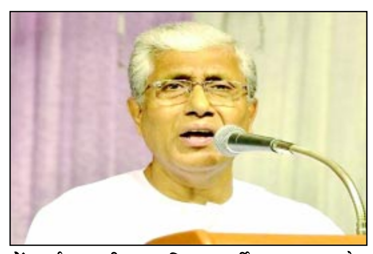

अगरतला। त्रिपुरा में विपक्ष के नेता माणिक सरकार ने मंगलवार को कहा कि चुनावी वादों को पूरा नहीं करने के कारण राज्य के लोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को आगामी चुनाव में सत्ता से बेदखल कर देंगे। रवींद्र भवन में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे माणिक सरकार ने राज्य में सातवें वेतन आयोग को लागू करने में विफल रहने के लिए भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर भी निशाना साधा। माकपा नेता का यह बयान ऐसे समय में आया है जब एक दिन पहले ही असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने भाजपा के एक -शेष पृष्ठ दो पर

असम में डेंगू : सात दिनों में 427 लोग संक्रमित

गुवाहाटी (हि.स.)। असम में डेंगू के मामलों में लगातार इजाफा हो रहा है। 01 से 07 नवंबर तक इस बीमारी से संक्रमित लोगों की कुल संख्या 427 हो गयी। आंकड़ों के अनुसार कार्बी आंग्लांग जिला में डेंगू के सबसे अधिक 400, कामरूप (मेट्रो) जिला में 11, नलबाड़ी, शिवसागर और डिमा हसाउ जिला में दो-दो मामले हैं। इस बीच दरंग, डिब्रूगढ़, कामरूप (ग्रामीण), नगांव, होजाई, शोणितपुर, तिनसुकिया, उदालगुड़ी, करीमगंज जिलों में -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

ट्यूशन फीस हमेशा होनी चाहिए सस्ती : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि शिक्षा लाभ कमाने का व्यवसाय नहीं है और ट्यूशन फीस हमेशा सस्ती होनी चाहिए। बता दें कि आंध्र प्रदेश सरकार ने फीस 24 लाख रुपए प्रति वर्ष बढ़ाने का निर्णय किया था, जो निर्धारित फीस से सात गुना अधिक थी। इसको बाद में हाई कोर्ट ने रद्द कर दिया। जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस सुधांशु धूलिया की बेंच ने सोमवार को आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखते हुए यह टिप्पणी की। आंध्र प्रदेश सरकार ने 6 सितंबर, 2017 को अपने सरकारी आदेश में एमबीबीएस छात्रों की ट्यूशन फीस में वृद्धि की थी। अदालत ने कहा कि हमारी राय है कि हाई कोर्ट ने 6 सितंबर, 2017 के उस सरकारी आदेश को रद्द करने में कोई गलती नहीं की है, जोकि 2017-2020 के लिए ट्यूशन फीस बढ़ाने से जुड़ा हुआ है। कोर्ट ने कहा कि फीस को बढ़ाकर 24 लाख रुपए सालाना करना यानी पहले तय फीस से सात गुना ज्यादा करना बिल्कुल भी -शेष पृष्ठ दो पर

जी20 के लिए वन अर्थ, वन फैमली, वन फ्यूचर : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारत की जी20 अध्यक्षता के लोगो और वेबसाइट लांच करते हुए कहा कि इस लोगो और थीम के जरिए हमने दुनिया को एक संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि मैं भारत की जी20 अध्यक्षता के ऐतिहासिक अवसर पर देशवासियों को बधाई देता हूं। वसुधैव कुटुंबकम विश्व के प्रति भारत की करुणा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जी20 लोगो में कमल का प्रतीक आशा का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने कहा कि भारत ने वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड के मंत्र के साथ विश्व में अक्षय ऊर्जा क्रांति का आह्वान किया है। भारत ने वन अर्थ, वन हेल्थ के मंत्र के साथ वैश्विक स्वास्थ्य को मजबूत करने का अभियान शुरू किया है। मालूम हो कि जी20 में भारत का मंत्र वन अर्थ, वन फैमली, वन फ्यूचर है। पीएम मोदी ने कहा कि जी20 ऐसे देशों का समूह है, जिनका आर्थिक सामर्थ्य, विश्व की 85 फीसदी जीडीपी का प्रतिनिधित्व करता है। जी20 उन 20 देशों का समूह है, जो विश्व के 75 फीसदी व्यापार का प्रतिनिधित्व करता है और भारत अब इस जी20 समूह का नेतृत्व करने जा रहा है, इसकी अध्यक्षता करने जा रहा है। उन्होंने कहा कि आप कल्पना कर सकते हैं कि आजादी के इस अमृतकाल में देश के सामने ये कितना बड़ा अवसर आया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज जो ये लोगो का लांच हुआ है, उसके निर्माण में भी देशवासियों की बहुत बड़ी भूमिका रही है। हमने लोगो के -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

शिंदे और 39 विधायक फिर आएंगे असम के दौरे पर

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और 39 विधायक एक बार फिर असम का दौरा करने वाले हैं। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाविकास अघाड़ी सरकार को गिराए जाने के बाद यह पहला विजिट है। इससे पहले उद्धव सरकार में बगावत करके एकनाथ और शिवसेना के बागी विधायकों ने असम में ही शरण ली थी। इस बार एकनाथ की प्लानिंग क्या है... जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे -शेष पृष्ठ दो पर

भारत जोड़ो यात्रा में चलीं गोलियां डॉ. गोविंद सिंह बाल-बाल बचे

ग्वालियर। मध्य प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉक्टर गोविंद सिंह की सुरक्षा में बड़ी चूक सामने आई है। ग्वालियर के सीमा क्षेत्र लक्ष्मणगढ़ पर एक युवक ने उनकी यात्रा में घुसकर हवाई फायरिंग की है। आरोपित को मौके पर ही भीड़ ने दबोच लिया और उसकी पिटाई कर दी है। पास खड़े गोविंद सिंह के समर्थकों ने हमलावर के हाथ से कट्टा छिन लिया था। सुरक्षा में लापरवाही को लेकर नेता प्रतिपक्ष ने नाराजगी जाहिर की है। दरअसल भिंड से भी कांग्रेस की एक भारत जोड़ो यात्रा निकाल रही है। जिसमे तमाम कांग्रेसी नेता यात्रा कर रहे हैं। मध्य प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉक्टर गोविंद सिंह मंगलवार को इस यात्रा का हिस्सा बने। शाम करीब 5 बजे उनकी यात्रा ग्वालियर में प्रवेश कर गई। इस दौरान उनकी सुरक्षा में भारी चूक देखने -शेष पृष्ठ दो पर

राज्यपाल का पत्रकारों ने किया विरोध, राजभवन तक मार्च

तिरुवनंतपुरम। केरल यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स (केयूडबल्यूजे) के तत्वावधान में सैकड़ों पत्रकारों ने मंगलवार को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के विरोध में राजभवन तक मार्च किया, जिन्होंने दो पत्रकारों को अपनी प्रेस कांफ्रेंस से बाहर कर दिया था। शहर के कनककुन्नू से शुरू हुआ और राजभवन के मुख्य द्वार के आगे समाप्त हुए विरोध मार्च का उद्घाटन विपक्ष के नेता और वरिष्ठ कांग्रेस नेता वी डी सतीसन ने किया था। राज्य के पूर्व वित्त मंत्री और वामपंथी नेता टी एम थॉमस इसाक, सीटू नेता अनाथालवट्टम आनंदन, वाम नेता और सांसद जॉन ब्रिटास ने भी विरोध मार्च में भाग लिया। केरल के राज्यपाल ने सोमवार को कैराली न्यूज और मीडियावन टेलीविजन चैनलों का प्रतिनिधित्व करने वाले पत्रकारों को अपनी प्रेस कांफ्रेंस से बाहर निकलने का आदेश दिया था और कहा था कि वह उनसे बात नहीं करेंगे। केरल यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स ने कहा कि हम केरल राजभवन की ओर से पत्रकारों की स्वतंत्रता और स्वतंत्र -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

संधि करने वालों में तेज ही संधि का होता है।

– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

चंद्रग्रहण देखा गया कई देशों में

नई दिल्ली। साल का अंतिम चंद्र ग्रहण समाप्त हो चुका है। इस चंद्र ग्रहण को कई देशों में देखा गया है। भारत के भी कई राज्यों में चंद्र ग्रहण को प्रत्यक्ष रूप से देखा गया। कुछ हिस्सों में पूर्ण चंद्र ग्रहण दिखाई दिया तो कई हिस्सों में आंशिक चंद्र ग्रहण दिखाई दिया है। धार्मिक दृष्टिकोण से यह चंद्र बहुत महत्वपूर्ण था। कार्तिक पूर्णिमा के दिन इस चंद्र ग्रहण के कारण इसका महत्व और अधिक बढ़ गया था। ज्योतिषाचार्य बता रहे हैं कि साल के आखिरी चंद्र ग्रहण पर 200 साल बाद अंतरिक्ष में विजय योग बना था। आइए जानते हैं भारत समेत कहां-कहां देखा गया साल का आखिरी चंद्र ग्रहण। -शेष पृष्ठ दो पर

आरएसएस कार्यकर्ता की हत्या की जांच कर रहे अधिकारी को धमकी

पलक्कड़। केरल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) कार्यकर्ता की हत्या की जांच कर रहे एक पुलिस अधिकारी को जान से मारने की धमकी मिली है। आरएसएस के कार्यकर्ता श्रीनिवासन की कथित हत्या के मामले की जांच कर रहे एक अधिकारी ने दावा किया कि उन्हें धमकी भरे फोन आ रहे हैं। पुलिस ने कहा कि जांच अधिकारी द्वारा दायर शिकायत के अनुसार, फोन करने वाले का कहना है कि उसे इस जांच के दिक्कत हो रही है। उसने फोन पर धमकी दी कि पलक्कड़ छोड़ने से पहले उसे (जांच अधिकारी को) परिणाम भुगतने होंगे। -शेष पृष्ठ दो पर

रूस से तेल खरीद फायदेमंद, आगे भी रहेगी जारी : विदेश मंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि रूस से कच्चे तेल की खरीद भारत के लिए बहुत लाभप्रद रही है। भारत के हित में लाभप्रद को हर कार्य को हम निश्चित रूप से जारी रखेंगे। एस जयशंकर ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ मंगलवार को द्विपक्षीय वार्ता की। इस दौरान एक साझा प्रेसवार्ता में विदेश मंत्री ने कहा कि दुनिया के तेल बाजार में दवाब की स्थिति कायम है। इसके लिए अनेक कारण जिम्मेदार हैं। जहां तक रूस से तेल खरीद की खरीद का सवाल है, यह भारत के लिए लाभप्रद रहा है। उन्होंने कहा कि भारत कच्चे तेल और गैस का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है। हमारा मूलभूत दायित्व है कि देश के उपभोक्ताओं को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सबसे बेहतर कीमतों पर तेल की खरीद कर लोगों को उपलब्ध करायें। भारतीय उपभोक्ताओं की अपेक्षाकृत कम आय को देखते हुए यह और भी अधिक जरूरी है। प्रेसवार्ता में एस जयशंकर से पूछा गया था कि रूस से तेल खरीद पर अमेरिका सहित पश्चिमी देशों की चेतावनी और दामबंदी करने के प्रयास के संबंध में भारत का क्या रूख है। उन्होंने कहा कि भारत-रूस के मैत्रीपूर्ण संबंधों के बारे में काफी कुछ कहा जा सकता है। भारत इन संबंधों को कितना महत्व देता है यह इसी बात से स्पष्ट है कि संबंधों की समीक्षा करने और इन्हें स्थाई आधार देने के उद्देश्य वे एक बड़े प्रतिनिधिमंडल के साथ मास्को आए हैं। उन्होंने कहा कि रूस भारत का एक स्थाई और -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

NAME CHANGE

I, Jagdale Ujjwala Ashok spouse of CHM Jamdade Raghunath Mahadev resident of 4 CSR, C/o 99 APO have changed my Name from Jagdale Ujjwala Ashok to Jamdade Ujjwala Raghunath vide Affidavit before the Notary Sonitpur, Tezpur, Assam, on 07/11/2022

NAME CHANGE

I, No 15666617A CHM Jamdade Raghunath Mahadev resident of 4 CSR, C/o 99 APO have changed my daughter's Name as per given below: I have Changed my daughter's Name from Rushika Raghunath to Jamdade Rushika Raghunath & Changed my other daughter's name from from Siddhi to Jamdade Siddhi Raghunath vide affidavit before the Notary Sonitpur, Tezpur, Assam, on 7/11/2022.

दुनिया को तबाह करने पर तुले चीन-पाकिस्तान

बना रहे कोरोना से भी ज्यादा घातक वायरस

रावलपिंडी। पाकिस्तान और चीन की दोस्ती दुनियाभर के देशों से छिपी हुई नहीं है। चीन कई बार पाकिस्तान की आर्थिक मदद कर चुका है। वहीं, पाकिस्तान भी चीन के काले कारनामों का समर्थन करने से भी नहीं चूकता है। दोनों की दोस्ती अब और खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। दोनों मिलकर दुनिया को तबाह करने पर तुले हुए हैं। रिपोर्ट्स हैं कि चीन और पाकिस्तान मिलकर कोरोना वायरस से भी अधिक घातक वायरस बना रहे हैं। दोनों ही देश रावलपिंडी की रिसर्च लैब में इस वायरस को विकसित करने के लिए पार्टनरशिप में काम कर रहे हैं। एक रिपोर्ट में जियो-पॉलिटिक के हवाले से कहा गया है कि वुहान इंस्टीट्यूट और डिफेंस साइंस एंड टेक्नोलॉजी ऑर्गनाइजेशन (डीएसटीओ) द्वारा इस विशेष प्रोजेक्ट को अंजाम दिया जा रहा है। बता दें कि डीटीएसओ पाकिस्तानी सेना द्वारा चलाया जाता है। हालांकि, पाकिस्तान ने साल 2020 में किसी विशेष परियोजना को अंजाम दिए जाने की खबरों का खंडन किया था। जियो-पॉलिटिक की रिपोर्ट के मुताबिक, रिपोर्ट में बताए गए पाकिस्तान की जैव सुरक्षा स्तर-3 (बीएसएल-3) प्रयोगशाला के बारे में कुछ भी रहस्य नहीं है। यह प्रयोगशाला रावलपिंडी में चाकलाला छावनी में स्थित है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि यह एक अत्यधिक सुरक्षित क्षेत्र है और इसका नेतृत्व टू स्टार जनरल करते हैं। कई मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि चीन वास्तव में ऐसे रोगजनकों को विकसित करने पर काम कर रहा है जिनमें कोविड से कहीं अधिक नुकसान करने की क्षमता है। साल 2020 से दुनियाभर में कहर बरपाने वाले कोरोना वायरस के बारे में चीन पर गंभीर आरोप लगते रहे हैं। दुनिया में अब तक कोरोना से लाखों लोगों की जान जा चुकी है। जब से कोविड का दौर शुरू हुआ, तभी से चीन को शक की निगाह से देखा जाता रहा है। हाल ही में अमेरिका की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कोविड-19 चीन के ही लैब से निकला था। यह रिपोर्ट अमेरिका सीनेट कमेटी ने जारी की है। इस रिपोर्ट का शीर्षक है कि कोविड-19 महामारी की उत्पत्ति का विश्लेषण। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि हो सकता है जानबूझकर वायरस को जन्म न दिया गया हो, लेकिन यह मानवीय भूल, मशीनी खराबी, किसी जानवर पर प्रयोग का परिणाम हो सकता है। वहीं, दूसरी ओर अब कोरोना वायरस चीन के लिए ही कहर बन चुका है। कई इलाकों में लॉकडाउन लागू किया जा चुका है, जबकि दुनिया की सबसे बड़ी आईफोन फैक्ट्री के आसपास के क्षेत्र को भी बंद कर दिया गया।

सिंगर फरमानी नाज का परिवार निकला लुटेरा, भाई गिरफ्तार तो पिता हुए फरार

नई दिल्ली। इस साल का सबसे चर्चित गाना *हर-हर शंभू* गाकर सुर्खियां बटौरने वाली सिंगर फरमानी नाज का परिवार एक बड़े विवाद में फंसता दिखाई दे रहा है। दरअसल, नाज का पूरा परिवार ही लुटेरा निकला। सरधना थाने के पुलिस ने फरमानी के भाई जीजा समेत 8 लोगों को निर्माणाधीन टंकी से सरिया लूट के मामले में गिरफ्तार किया है। वहीं जांच में इस गिरोह का सरगना फरमानी नाज का पिता निकला। जोकि अभी फरार है। कोतवाल जितेंद्र सिंह के मुताबिक एक महीने पहले टेहरकी गांव में निर्माणाधीन टंकी में कुछ बदमाशों ने लूटपाट की थी। जिसके बाद जांच की गई तो फरमानी नाज का परिवार इस में संलिप्त पाया गया। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान अनुज, शाकिर, मोनू निवासी पाबली खास, मोनू, इरशाद निवासी द्वारिकापुरी कंकरखेड़ा, फिरोज पुत्र सादिक निवासी टेहरकी, शारुक पुत्र लियाकत अली निवासी जिटौली व अरमान पुत्र आरिफ निवासी मोहम्मदपुर लोहड्डा के रूप में हुई है। वहीं अब इस गिरफ्तारी के बाद फरमानी विवादों में आ गई है। सोशल मीडिया पर लोग उन्हें ट्रोल कर रहे है। एक ट्वीटर यूजर ने लिखा है कि भजन गाने से महादेव का आशिर्वाद नहीं मिलता है, कर्म भी अच्छे करने पड़ते हैं। गौरतलब है कि मुस्लिम परिवार से ताल्लुक रखने वाली फरमानी नाज ने जब हर-हर शंभू गीत गाया तब उस समय कई कट्टरपंथी संस्थाओं ने उसका जमकर विरोध किया। यहां तक कि उसके खिलाफ फतवा भी जारी कर दिया था।

डीएसी चुनाव : 22 परिषद क्षेत्रों में मतदान सुबह 8 बजे से जारी

गुवाहाटी (हिंस)। देउरी स्वायत्तशासी परिषद (डीएसी) चुनाव के लिए मंगलवार सुबह 8 बजे से मतदान जारी है। राज्य में सात जिलों में फैली कुल 22 परिषद सीटों पर मतदान चल रहा है। मतदान सुबह आठ बजे से शाम 4 बजे तक होगा। परिणाम 10 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। भाजपा, कांग्रेस, अगप, आप, जेपीपी और निर्दलीय उम्मीदवार इस बार चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव में इस बार कुल 71 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें से भाजपा के 18, अगप के 4, कांग्रेस के 14 और जेपीपी के 18 और शेष अन्य एवं निर्दलीय उम्मीदवार मैदान में हैं। डीएसी में निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या इस बार बढ़ाकर 22 कर दी गई है। पिछली बार यह संख्या 20 थी। इनमें से तीन निर्वाचन क्षेत्र पिसला, बनगरा और श्रीपानी महिला आदिवासी उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं।

मेडिकल की पढ़ाई में आतंक पीड़ितों को मिलेगा आरक्षण

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से पीड़ित परिवारों को राहत देते हुए गृह मंत्रालय ने बड़ा फैसला लिया है। अब केंद्र शासित प्रदेश के सरकारी कॉलेजों में एमबीबीएस और बीडीएस जैसे मेडिकल कोर्सेज में एडमिशन के लिए आतंकवाद से पीड़ित परिवारों के बच्चों को आरक्षण दिया जाएगा। यह फैसला फिलहाल अकादमिक वर्ष 2022-23 के लिए लागू रहेगा। यह आगे भी लागू रहेगा या नहीं, इस पर भविष्य में फैसला लिया जाएगा। होम मिनिस्ट्री के फैसले के मुताबिक आतंकवाद से पीड़ित लोगों के पति अथवा पत्नियों या फिर बच्चों को आरक्षण दिया जाएगा। होम मिनिस्ट्री की ओर से जारी किए गए नोटिफिकेशन को एलजी मनोज सिन्हा की अध्यक्षता वाली सरकार ने भी मंजूरी दे दी है। गृह मंत्रालय की ओर से जारी नोटिफिकेशन में कहा गया है कि उन बच्चों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिन्होंने आतंकी हमलों में अपने दोनों पैरेंट्स को खो दिया हो। यदि किसी परिवार के इकलौते कमाने वाले शख्स की आतंकवादी हमले में मौत हुई है या फिर वह दिव्यांग हो गया है तो उसके परिजनों को भी यह कोटा मिलेगा। यह कोटा उन लोगों को मिलेगा, जो जम्मू-कश्मीर के स्थायी निवासी होंगे। इसके वाला केंद्र शासित प्रदेश में रहने वाले राज्य और केंद्र सरकार के कर्मचारियों एवं अन्य विभागों के एंप्लॉयीज के परिजनों को भी यह कोटा मिलेगा। सरकार की ओर से इस कोटे के लाभ के लिए न्यूनतम योग्यता भी तय की गई है। नोटिफिकेशन में कहा गया है कि फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी या बायो टेक्नोलॉजी जैसे विषयों में कम से कम 50 फीसदी अंक हासिल करने वाले लोगों को ही यह आरक्षण मिलेगा। बता दें कि एससी, एसटी, ओबीसी के लिए 40 फीसदी अंकों की सीमा तय की गई है। वहीं दिव्यांग वर्ग के लिए 45 फीसदी अंक होना जरूरी है। एमबीबीएस और बीडीएस कोर्सेज में एडमिशन के लिए नीट परीक्षा की मेरिट के आधार पर फैसला लिया जाएगा।

हिंदू पर बवाल : बयान से पीछे हटने को नहीं तैयार जरकीहोली

बेंगलुरु। हिंदू शब्द को लेकर कर्नाटक कांग्रेस के कार्यकारी राज्य अध्यक्ष सतीश जरकीहोली के बयान से उठा विवाद थमता नहीं दिख रहा है। इस बयान के बाद जहां उनकी पार्टी ने सतीश जरकीहोली से किनारा कर लिया है। वहीं, भारतीय जनता पार्टी और अन्य हिंदू संगठन उन पर लगातार निशाना साध रहे हैं। इस बीच, कर्नाटक कांग्रेस के कार्यकारी राज्य अध्यक्ष सतीश जरकीहोली अपने बयान से पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने मंगलवार को एक बार फिर कहा कि उन्होंने कहा कि मैं अपने बयान के लिए माफी नहीं मांगूंगा। मैं अगर गलत हूं तो इसे साबित किया जाए। उन्होने तो यहां तक कहा कि अगर मैं गलत साबित होता हूं तो मैं अपने विधायक पद से इस्तीफा दे दूंगा। कर्नाटक कांग्रेस के नेता के इस बयान के बाद राज्य में बयानबाजी शुरू हो गई है। भाजपा इसे लेकर लगातार कांग्रेस और सतीश जरकीहोली को टारगेट कर रही है। भाजपा नेता और राज्य के सीएम बसवराज बोम्मई ने इस मामले में आज यानी मंगलवार को उन्हें आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि वे आधे ज्ञान के साथ एक समुदाय के मतदाताओं को खुश करने के लिए बयान देते हैं और अल्पसंख्यक वोट पाने का सपना देखते हैं। इस दौरान सीएम बोम्मई ने यह भी कहा कि ये बयान और सतीश जरकीहोली राष्ट्र विरोधी है और सभी को इसकी निंदा करनी चाहिए।

भारी मात्रा में सरकारी चावल जब्त

नगांव (हिंस)। नगांव जिलांतर्गत जुरिया के बालूगुसिया इलाके से पुलिस ने अभियान चलाकर भारी मात्रा में सरकारी चावल जब्त किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर जुरिया थाना क्षेत्र के बालूगुसिया इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान खैरुल इस्लाम नामक व्यक्ति के घर से कई क्विंटल सरकारी चावल जब्त किया गया। जब्त किए गए सरकारी चावल को सुल्भ मूल्य की दुकान से लाकर जमा किया गया था। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पानी का मीटर चुराने के आरोप में एक चोर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के चांदमारी पुलिस ने पानी के मीटर चोरी के मामले में एक चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान चांदमारी थाना की एक टीम ने शीतलबाड़ी निवासी चोर मोहम्मद निजाम अली उर्फ साहिल अली को एईआई फील्ड इलाके से पानी के मीटर चोरी करने के मामले में गिरफ्तार किया है। तकनीकी विश्लेषण के बाद, उसके अपराध की पुष्टि हुई और उसके कब्जे से चोरी के मीटर को बरामद किए गए।

पृष्ठ एक का शेष

चावल के एमएसपी ...

ने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले दिनों में यह आंकड़ा आसानी से 1,000 करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर सकता है। उन्होंने कृषि विभाग से इस संबंध में आवश्यक कदम उठाने की अपील की। यह कहते हुए कि राज्य की अर्थव्यवस्था अभी भी कृषि पर अत्यधिक निर्भर है, मुख्यमंत्री ने कृषि क्षेत्र में आधुनिकीकरण की दिशा में राज्य सरकार की पहल, कृषि उपज के लिए बाजार का विस्तार और युवाओं को इस क्षेत्र की ओर आकर्षित करने के बारे में बताया। उन्होंने राज्य के 220 स्थानों पर चावल-मिलों और 110 स्थानों पर धान-भंडारण सुविधाओं की पहल के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि उद्यमी और उद्योगपति इन चावल मिलों और धान भंडारण इकाइयों पर 50 प्रतिशत तक सब्सिडी हासिल करने में सफल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की जनता से भी आगे आकर अगरवुड, सागौन-लकड़ी की खेती आदि में शामिल होकर आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्वतंत्रता के पथ पर आगे बढ़ने की अपील की। मुख्यमंत्री ने असम सरकार की कई नई पहलों को भी साझा किया। उन्होंने कहा कि सरकार इस समय से यह सुनिश्चित करेगी कि चावल का न्यूनतम समर्थन मूल्य कम से कम 2,006 रुपए किया जाए। इसी प्रकार अगले माह से 9 लाख नए हितग्राहियों को अरुणोदय योजना में जोड़ा जायेगा। मुख्यमंत्री गे कहा कि आगामी जनवरी से, राज्य की लगभग 52 लाख आबादी को राशन कार्ड प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि लोगों के इसके जरिए प्रति वर्ष 5 लाख रुपए के मुफ्त स्वास्थ्य कवरेज का हकदार बनाएगा। उन्होंने कहा कि अगले साल से 25 नए कॉलेजों का निर्माण भी शुरू किया जाएगा। आज के कार्यक्रमों में कैबिनेट मंत्री चंद्रमोहन पटवारी, अतुल बोरा, सांसद क्वीन ओझा, विधायक रेकिबुद्दीन अहमद, हेमांगा ठाकुरिया, सुमन हरिप्रिया, नंदिता दास, राभा हाजोंग स्वायत्तशासी परिषद के प्रमुख टंकेश्वर राभा, कामरूप (ग्रामीण) जिला उपायुक्त कीर्ति जाल्ली सहित अन्य लोग शामिल हुए।

गलत पोस्टमार्टम रिपोर्ट ...

नहीं की और पोस्टमार्टम के उचित तरीकों का पालन नहीं किया। सीआईडी सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि दरंग जिला के निलंबित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रूपम फुकन को इस मामले में गिरफ्तार किया गया है। आरती तुरी हत्याकांड पर पर्दा डालने के आरोप में रूपम फुकन को लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया है। इसी मामले में कुछ दिन पहले थाना प्रभारी उत्पल बोरा को गिरफ्तार किया गया था। उत्पल बोरा धूला थाना के प्रभारी अधिकारी थे। सीआईडी सूत्रों ने बताया है कि तत्कालीन थाना प्रभारी उत्पल बोरा 5 लाख रुपए में मैनेज हुए थे। उत्पल बोरा के कबूलनामे के आधार पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रूपम फुकन से पूछताछ की गई।

त्रिपुरा में भाजपा ...

अभियान की शुरुआत करते हुए कहा था कि आगामी विधानसभा चुनावों में पार्टी एक बार फिर सत्ता हासिल करेगी। त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री माणिक सरकार ने कहा कि असम के एक सज्जन व्यक्ति ने 2018 के विधानसभा चुनावों में भाजपा के लिए बड़े पैमाने पर प्रचार किया था। उन्होंने भाजपा के सत्ता में आने पर पहले साल में 50,000 नौकरियों का वादा किया था। भाजपा नेता ने यह भी आश्वासन दिया कि नए मंत्रिमंडल की पहली बैठक में सातवां वेतन आयोग लागू किया जाएगा। लेकिन, सवाल यह है कि क्या भाजपा ने कोई वादा पूरा किया है। हेमंत शर्मा ने सोमवार को भाजपा के *बूथ विजय अभियान* (बूथ जीतने का अभियान) की शुरुआत की। शर्मा ने दावा किया कि त्रिपुरा में भाजपा सरकार ने चुनाव घोषणा पत्र में जो वादा किया था, उससे कहीं अधिक किया है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी त्रिपुरा की 60 में से 55 सीटों पर जीत हासिल करेगी।

असम में डेंगू : सात ...

डेंगू का एक-एक मामला सामने आया है। डेंगू के सबसे अधिक मामले को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीम कार्बी आंग्लांग में डेरा डाले हुए है। जिला में संक्रमण को देखते हुए पिछले दिनों जिला प्रशासन ने स्कूलों में छुट्टी का भी एलान किया था। गुवाहाटी में भी डेंगू के पहले मरीज की मौत हुई है। बताया जा रहा है कि 43 वर्षीय मरीज अन्य बीमारियों से पीड़ित था। ज्ञात हो कि डेंगू से कुल तीन मरीजों की मौत हुई है। जिसमें एक मरीज की नवंबर तथा दो मरीजों की मौत अक्तूबर में हुई थी। उल्लेखनीय है कि इसी साल जनवरी में कार्बी आंग्लांग में डेंगू का प्रकोप हुआ था। आमतौर पर पहले गुवाहाटी में राज्य का 70-90 फीसदी हिस्सा डेंगू से प्रभावित होता है, लेकिन इस बार आश्चर्यजनक रूप से 93 फीसदी मरीज कार्बी आंग्लांग जिला में सामने आए हैं।

ट्यूशन फीस हमेशा...

जायज नहीं था। शिक्षा लाभ कमाने का धंधा नहीं है। ट्यूशन फीस हमेशा सस्ती होनी चाहिए। कोर्ट ने आगे कहा कि ट्यूशन फीस का निर्धारण/ समीक्षा करते समय कुछ कारकों पर प्रवेश और शुल्क नियामक समिति (एएफआरसी) द्वारा विचार किया जाना आवश्यक है। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने 6 सितंबर, 2017 के सरकारी आदेश के तहत ट्यूशन फीस की राशि वापस करने के निर्देश जारी करने में कोई गलती नहीं की है। इसलिए, हाई कोर्ट का सरकार के फैसले को रद्द करना बिल्कुल उचित है। कोर्ट ने बताया कि प्रबंधन को अवैध सरकारी आदेश दिनांक 06.09.2017 के अनुसार बरामद/एकत्र की गई राशि को बनाए रखने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। अदालत ने कहा, जैसा कि उसने नोट किया कि मेडिकल कॉलेजों ने कई वर्षों तक राशि का उपयोग किया है और कई वर्षों तक अपने पास रखा है। वहीं, दूसरी ओर छात्रों ने वित्तीय संस्थानों और बैंकों से कर्ज प्राप्त करने के बाद ज्यादा ट्यूशन फीस का भुगतान किया है और उच्च ब्याज दर दी। अदालत ने कहा कि इसलिए, हाई कोर्ट द्वारा जारी किए गए निर्देशों के अनुसार 6 सितंबर, 2017 के सरकारी आदेश के तहत एकत्र की गई ट्यूशन फीस की राशि वापस करने के लिए पहले के निर्धारण के अनुसार देय राशि को समायोजित करने के बाद भी हस्तक्षेप करने की आवश्यकता नहीं है। इन टिप्पणियों के साथ, सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ मेडिकल कॉलेज द्वारा दायर अपील को खारिज कर दिया।

जी20 के लिए वन ...

लिए देशवासियों से उनके बहुमूल्य सुझाव मांगे थे। आज वो सुझाव इतने बड़े वैश्विक आयोजन का चेहरा बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस लोगो और थीम के जरिए हमने एक संदेश दिया है। हमने युद्ध के लिए बुद्ध का संदेश दिया है। हिंसा के प्रतिरोध में महात्मा गांधी के जो समाधान हैं, उसका संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि जी20 के जरिए भारत उनकी वैश्विक प्रतिष्ठा को नई ऊर्जा दे रहा है। पीएम ने भारतीय लोकतंत्र के बारे में कहा कि भारत विश्व का समृद्ध और सजीव लोकतंत्र है। हमारे पास लोकतंत्र के संस्कार भी हैं। साथ ही मदर ऑफ डेमोक्रेसी के रूप में गौरवशाली परंपरा भी है। उन्होंने कहा कि आज जब भारत जी-20 की अध्यक्षता करने जा रहा है, तो ये आयोजन हमारे लिए 130 करोड़ भारतीयों की शक्ति और सामर्थ्य प्रतिनिधित्व है।

शिंदे और 39...

और उनकी पार्टी के 39 विधायक गुवाहाटी के प्रसिद्ध कामाख्या देवी मंदिर में मत्था टेकेंगे और महाराष्ट्र में एक नई सरकार के गठन के लिए आभार व्यक्त करेंगे। शिंदे खेमे के एक पदाधिकारी ने इसे शिंदे-फडणवीस सरकार की स्थापना से पहले की गई *वचन पूर्ति (एक वादा पूरा करना)* के रूप में वर्णित किया है। दरअसल, ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार से समर्थन वापस लेने के बाद शिंदे और बागी विधायकों ने इस साल जून में गुवाहाटी में डेरा डाला था। बाद में उन्होंने भाजपा के साथ गठबंधन किया और जुलाई में सत्ता संभाली थी। शिंदे खेमे के सूत्रों ने बताया कि गुवाहाटी के बाद विधायक अयोध्या में राम मंदिर भी जाएंगे, लेकिन अयोध्या यात्रा की तारीख अभी तय नहीं हुई है। गुवाहाटी में व्यवस्थाओं की जांच करने और सीएम और विधायकों के लिए एक यात्रा कार्यक्रम तैयार करने के लिए वरिष्ठ पदाधिकारियों की एक टीम पहले ही निकल चुकी है। विधायकों के परिवार के सदस्यों के भी यात्रा पर जाने की संभावना है। शिंदे के असम के राज्यपाल प्रोफेसर जगदीश मुखी और असम के पुलिस महानिदेशक भास्कर ज्योति महंत से मिलने की उम्मीद है।

भारत जोड़ो यात्रा...

को मिली। बताया जा रहा है कि यात्रा के दौरान जब नेता प्रतिपक्ष एक समर्थक के घर के बाहर पानी पीने के लिए रुके इसी दौरान एक युवक द्वारा वहां पांच हवाई फायरिंग की गई। समर्थकों ने युवक से कट्टा छीन लिया। नेता प्रतिपक्ष डॉक्टर गोविंद सिंह ने बताया कि भिंड की सीमा पार कर जाने के बाद ग्वालियर अंतर्गत बरेठा टोल प्लाजा पर गुजर रही यात्रा के बीच मुरैना निवासी जीतू गुर्जर नाम का एक युवक यात्रा में शामिल हुआ। उसका कुछ युवकों से विवाद हो गया था, हालांकि कुछ देर बाद यात्रा आगे बढ़ कर महाराजपुरा थाना क्षेत्र के लक्ष्मणगढ़ पहुंची जहां कांग्रेस नेता और सरपंच दशरथ गुर्जर के घर पानी पीने के लिए रुके थे। लोगों के बीच बातचीत चल ही रही थी कि अचानक आरोपी जीतू कार्यकर्ताओं के बीच से होता हुआ वहां आया और सीधा पार्षद बलबीर सिंह के बेटे छोटू पर अवैध देसी कट्टे से उसने फायरिंग कर दी। हालांकि वहां उनके साथ में ही नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह भी खड़े हुए थे। लेकिन वो इस फायरिंग में बाल-बाल बच गये। कट्टे की छीना-झपटी में आरोपी युवक के भी हाथ में गंभीर चोट आ गई है। वहीं अन्य कार्यकर्ता भी उसे पीटने के लिए दौड़े लेकिन हालात बिगड़ते देख नेता प्रतिपक्ष डॉक्टर गोविंद सिंह ने युवक को अलग कराया।

राज्यपाल का पत्रकारों ...

कामकाज में हस्तक्षेप करने और पत्रकारिता की पहुंच से चुनिंदा इनकार करने के सभी प्रयासों की निंदा करते हैं। राज्यपाल को संबोधित एक पत्र में संगठन ने राज्यपाल से कुछ मीडिया घरानों के खिलाफ पूर्वाग्रहों पर पुनर्विचार करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि पेशे की स्वतंत्रता का पालन करने का अधिकार सभी पत्रकारों को मिले। पत्र में कहा गया है कि केरल यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट राजभवन में कुछ मीडिया घरानों के खिलाफ असहिष्णुता को लेकर काफी चिंतित हैं। हम एर्नाकुलम गेस्ट हाउस और दिल्ली केरल हाउस में हुई घटनाओं की कड़ी निंदा करते हैं, जहां राज्यपाल ने पत्रकारों को बेदखल कर दिया। केयूडब्ल्यूजे ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अत्यधिक सम्मानजनक संवैधानिक पद पर आसीन होने के बावजूद राज्यपाल ने मीडिया के प्रति घोर असहिष्णुता दिखाई और बार-बार कैराली और मीडिया वन चैनलों के पत्रकारों का अपमान किया, जो केवल अपने आधिकारिक कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे थे। पत्रकारों को संबोधित करते हुए सतीसन ने कहा कि राज्यपाल का कदम अलोकतांत्रिक है और लोकतांत्रिक देश में इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता।

आरएसएस कार्यकर्ता की...

पुलिस ने कहा कि धमकी देने वालों ने जांच अधिकारी से एक ताबूत तैयार रखने को कहा है। अधिकारी के बयान के आधार पर पलक्कड़-टाउन साउथ थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। गौरतलब है कि आरएसएस कार्यकर्ता की हत्या के मामले में अब तक 34 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है और ये सभी पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से जुड़े हुए हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यकर्ता श्रीनिवासन की 16 अप्रैल को (पीएफआई) नेता सुबैर की केरल के पलक्कड़ जिले में उसके पिता के सामने हत्या के एक दिन बाद हत्या कर दी गई थी। सुबैर एक लोकप्रिय पीएफआई वर्कर था, जिसकी 15 अप्रैल को एलुपल्ली पलक्कड़ जिले में हत्या कर दी गई थी। इसी हत्या के प्रतिशोध के रूप में, एक पूर्व आरएसएस कार्यकर्ता श्रीनिवासन की 16 अप्रैल को हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने दो मामलों की जांच के लिए विशेष जांच दल का गठन किया था और एडीजीपी कानून व्यवस्था टीमों का नेतृत्व कर रहे हैं। गौरतलब है कि हाल ही में केंद्र सरकार ने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पर 5 साल का प्रतिबंध लगाया था।

रूस से तेल खरीद...

समय की कसौटी पर सही साबित हुआ मित्र देश है। पिछले कई दशकों के दौरान द्विपक्षीय संबंधों का यदि आकलन किया जाए तो यह स्पष्ट है कि यह दोनों देशों के लिए फायदेमंद साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि जो चीज भारत के लिए लाभदायक सिद्ध हुई उसे जारी रखना और मजबूत बनाना उनकी जिम्मेदारी है। एशिया में चीन के बढ़ते हुए प्रभाव की ओर की ओर इशारा करते हुए जयशंकर ने कहा कि दुनिया बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रही है तथा यह जरूरी है कि एशिया भी बहुध्रुवीय बने। विदेश मंत्री ने कहा कि लावरोव के साथ उनकी वार्ता में विश्व घटनाक्रम के प्रमुख मुद्दे के रूप में यूक्रेन संघर्ष पर भी विशेष रूप से चर्चा हुई। उन्होंने इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कहे गए इस कथन की चर्चा की कि वर्तमान दौर युद्ध का नहीं है।

चंद्रग्रहण देखा ...

भारत में कोलकाता, पटना, रांची, गुवाहाटी, कोहिमा और उत्तर प्रदेश के वाराणसी में 4 से 5:30 बजे के बीच में चंद्र ग्रहण दिखाई दिया था। वहीं इन सबमें भारत में चंद्र ग्रहण अरुणाचल प्रदेश के इटानगर में सबसे पहले नजर आया था। वहीं बता दें कि इस साल का अंतिम चंद्र ग्रहण 6 बजकर 19 मिनट पर समाप्त हो गया है। इसी के साथ सूतक काल भी समाप्त हो गया है। इस साल के आखिरी चंद्र ग्रहण को अमेरिका के न्यूयार्क शहर में देखा गया था। साथ ही इस अद्भुत खगोलीय घटना को ऑस्ट्रेलिया के सिडनी और पर्थ में में भी देखा गया। इसके साथ इस चंद्र ग्रहण को जापान और चीन में भी देखा गया था। बता दें कि चंद्र ग्रहण के दौरान सूतक काल लग जाता है। इस दौरान सभी मंदिरों के कपाट बंद कर दिए जाते हैं और पूजा-पाठ पर पाबंदी लग जाती है। अब जब चंद्र ग्रहण खत्म हो गया है तो मंत्रोचारण और विधि-विधान से देवालयों का शुद्धिकरण किया गया है। साथ ही उनके कपाट खोले गए हैं। इसके साथ यह भी बता दें कि आज कार्तिक पूर्णिमा पर्व भी मनाया जा रहा है।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **चतुर्थ अध्याय**

(ज्ञान)

ज्ञेय ज्ञान ज्ञाता सकल, तीन तत्व यह जान।
लक्षण लक्ष्य सलक्षित, लिंग जाति तत्वज्ञा॥ 01॥

शब्दार्थ : (ज्ञेय) जानने योग्य (ज्ञान) ज्ञेय को जानने का साधन, विवेक (ज्ञाता) जानने वाला (लक्षण) चिह्न (लक्ष्य) जिसका लक्षण होता है, ध्येय वस्तु (सलक्षित) लक्षण किया हुआ (लिंग) चिह्न, लक्षण (जाति) आकृति से जिनका ज्ञान हो (तत्वज्ञान) बोध।

भाष्य : जानने योग्य वस्तु को ज्ञेय कहते हैं। बिना ज्ञेय के जाने, उसकी प्राप्ति के लिए प्रयत्न करना व्यर्थ है, इसलिए ज्ञेय वस्तु का ज्ञान होना आवश्यक है। ज्ञेय को जाने का नाम ज्ञान है और ज्ञेय को जानने का साधन जानना भी आवश्यक हे। इन दोनों को जानने वाला इनसे भिन्न है, जिसे ज्ञाता कहते हैं। परब्रह्म, उसकी प्राप्ति का साधन ब्रह्मविद्या विहंगम योग और परब्रह्म को जानने वाला ज्ञाता जीवात्मा इन तीनों का बोध होना चाहिए। ब्रह्मविद्या विहंगम योग द्वारा ही ज्ञेय का ज्ञान होता है। तत्वों के लक्षण और आकृति द्वारा विवेक होता है। लक्ष्य, लक्षण के द्वारा लक्षित होता है। लक्षण चिह्न से वस्तु का बोध होता है। जड़-चेतन समस्त तत्वों का लक्षण है, जिनके द्वारा वे पदार्थ जाने जाते हैं।

जाति ग्रहण आकृति से, गुण स्वभावमय कर्म।
लक्षण लक्षित रूप है, कारण कारज धर्म॥ 02॥

शब्दार्थ : (आकृति) आकार (जाति) प्रकट पदार्थ (लक्षित) लक्षण से सिद्ध किया हुआ (कारण) द्रव्य मूल पदार्थ (कारज) गुण का प्राकट्य।

भाष्य : आकृति द्वारा जाति का ग्रहण होता है और उसके कर्म, गुण एवं स्वभाव होते हैं। लक्षणों द्वारा ही सत्ता के स्वरूप का निरूपण होता है। कार्य द्वारा कारण, तत्व का ज्ञान होता है। जो गुण कारण के होते हैं, वे गुण कार्य में प्रकट होते हैं। इन लक्षणों से ज्ञेय समस्त तत्वों का बोध होता है।

नई पेंशन नीति के विरुद्ध कर्मचारियों का जोरदार प्रदर्शन

गुवाहाटी (हिंस)। ऑल असम सरकारी एनपीएस कर्मचारी संस्था ने नई पेंशन नीति के विरुद्ध मंगलवार को प्रदर्शन किया। एनपीएस कर्मचारी संस्था के आह्वान पर पुरानी पेंशन व्यवस्था को बनाए रखने की मांग को लेकर आज हजारों कर्मचारियों ने गुवाहाटी में प्रदर्शन किया। सरकार के खिलाफ आंदोलन कर रहे सरकारी कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन व्यवस्था को फिर से लागू करने, नई पेंशन व्यवस्था खत्म करने के समर्थन में नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। गुवाहाटी के खानापाड़ा स्थित वेटरनरी कॉलेज मैदान में कर्मचारी संस्था के व्यापक विरोध आंदोलन में कई शीर्ष नेता भी शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि देश में 1 जनवरी 2004 से नई पेंशन प्रणाली लागू की गई है। असम में फरवरी 2005 में सेवानिवृत्त के बाद पेंशन सिस्टम खत्म कर दिया गया। इसके बाद 2018 में असम में लगभग तीन लाख पेंशन से वंचित कर्मचारियों ने

ऑल असम सरकारी एनपीएस कर्मचारी संस्था का गठन किया। अच्युत हजारिका के नेतृत्व में राज्य के कई मंत्रियों के साथ हुई वार्ता बेनतीजा होने पर संस्था ने मंगलवार को खानापाड़ा के वेटनरी कॉलेज मैदान में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया। वरिष्ठ अधिवक्ता और असम कर्मचारी परिषद के पूर्व सचिव चरण डेका ने भी आंदोलन में हिस्सा लिया। उल्लेखनीय है कि एनपीएस कर्मचारी संस्था के प्रदर्शनकारियों को प्रशासन ने आज मार्च करने की अनुमति नहीं दी थी। वहीं सरकार के प्रतिनिधि के रूप में गुवाहाटी के आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। आंदोलनकारियों ने कहा कि अगर सरकार ने जल्द कोई प्रभावी निर्णय नहीं लिया तो कर्मचारी बड़े पैमाने पर आंदोलन करेंगे।

मृत अवस्था में मिला जंगली हाथी

नगांव (हिंस)। नगांव जिला के कोलियाबर इलाके में मंगलवार की सुबह मृत अवस्था में एक जंगली हाथी का शव बरामद किया गया है। वन विभाग ने बताया कि 11 हजार वोल्ट की उच्च क्षमता वाले तार की चपेट में आने से कोलियाबर के हाथीमुरा तापहोला इलाके में एक जंगली हाथी की मौत हो गई। हाथी की मौत की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम की मौजूदगी में पशु चिकित्सकों की टीम ने हाथी का पोस्टमार्टम कर घटनास्थल के ही करीब दफना दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि खाद्य की तलाश में आए दिन कोलियाबार के आसपास के इलाके में जंगली हाथियों का झुंड घुस आता है। जिसकी वजह से किसानों की फसल बर्बाद हो रही है। स्थानीय लोगों ने वन विभाग से जंगली हाथियों के झुंड से जल्द से जल्द निजात दिलाए जाने की गुहार लगाई है।

पूसीरे की रेसुब ने दो दिन में ग्यारह लाख रुपए का गांजा बरामद किया

गुवाहाटी (हिंस)। रेलवे में प्रतिबंधित वस्तुओं के परिवहन के खिलाफ अपना अभियान जारी रखते हुए पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) की रेलवे सुरक्षा बल (रेसुब) ने 11 लाख रुपए का गांजा बरामद किया। उन्होंने 4 और 5 नवंबर को लगभग 110 किग्रा गांजा जब्त किया। पूसीरे के लमडिंग और जलपाईगुड़ी रोड रेलवे स्टेशनों पर नियमित तलाशी और अभियान के दौरान लावारिस बैगों से भरा गांजा बरामद किया गया। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि गत 5 नवंबर को लमडिंग की रेलवे सुरक्षा बल टीम ने लामडिंग रेलवे स्टेशन पर ट्रेन संख्या 22504 (न्यू तिनसुकिया– एसएमवीबी बेंगलुरू एक्सप्रेस) में औचक निरीक्षण किया। तलाशी के दौरान उन्होंने गांजे के 23 पैकेट जब्त किए, जिसका वजन लगभग 19 किग्रा एवं कीमत लगभग 1.90 लाख रुपए थी। बाद में जब्त सामान को आगे की कार्रवाई के लिए लामडिंग की जीआरपी को सौंप दिया गया। ऐसे ही एक अन्य मामले में गत 4 नवंबर को लमडिंग की रेसुब टीम ने लमडिंग रेलवे स्टेशन पर डिब्रुगढ़ से आने वाली ट्रेन संख्या 15909 (अवध असम एक्सप्रेस) पर जांच की। तलाशी के दौरान गांजा के 12 पैकेटों से भरे 05 लावारिस बोरे जब्त किए

गए। जब्त किए गए गांजे का वजन लगभग 80 किग्रा और कीमत करीब 8 लाख रुपए बतायी गई थी। बाद में जब्त सामान को आगे की कार्रवाई के लिए लमडिंग जीआरपी को सौंप दिया गया। उसी दिन एक अन्य घटना में जलपाईगुड़ी रोड की रेसुब टीम ने जलपाईगुड़ी रोड रेलवे स्टेशन पर जांच अभियान चलाया। अभियान के दौरान, उन्होंने गांजे के 11 पैकेट जब्त किए जिसका वजन लगभग 11 किग्रा एवं कीमत लगभग 1.10 लाख रुपए आंकी गई थी। बाद में जब्त सामान को आगे की कार्रवाई के लिए न्यू मैनागुड़ी की जीआरपी को सौंप दिया गया।

रंगिया प्रेस क्लब की नई समिति गठित

रंगिया (विभास)। रंगिया प्रेस क्लब के सांगठनिक चर्चा व नई कार्यकारिणी समिति के गठन करने के उद्देश्य से गत सोमवार को एक साधारण सभा का आयोजन किया गया। सभा आहवायक जितेंद्र जाजोदिया की अध्यक्षता में प्रेस क्लब के सभाकक्ष में सभा आयोजित हुई। जिसमें उपस्थित सभी सदस्यों के साथ विकासशील चिंता तथा सांगठनिक हितार्थ चर्चा की गई। सभा में सर्वसम्मति से तीन नए सदस्यों क्रमशः बंदना शर्मा, तन्मय दास व अंकूर कलिता का नाम दाखिल किया गया। वहीं सर्वसम्मति से क्लब का सुचारू रूप से संचालन हेतु नई कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया। जिसमे मुख्य सलाहकार प्रकाश डेका, सलाहकार अंजनज्योति पटवारी, अध्यक्ष जितेंद्र जाजोदिया, उपाध्यक्षद्वय नसिउर रहमान व तापस समद्दार, सचिव फारूक हुसैन, सह सचिव भाष्कर कलिता, कोषाध्यक्ष मनीष जैन, कार्यालय सचिव महेंद्र कलिता, सांगठनिक सचिव इनामुल हुसैन सहित पांच सदस्य क्रमशः नयनज्योति कलिता, जिन्तु दास, बंदना शर्मा, तन्मय दास व अंकूर कलिता का चयन किया गया। सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने नव पदाधिकारियो का करतल ध्वनि से अभिनंदन किया तथा आगामी समय में संगठन के विकास व समाज हित में कार्य करने का आह्वान किया गया। नवनियुक्त अध्यक्ष ने सभी सभासदो से सुचारू रूप से संचालन हेतु सहयोग हेतु आह्वान किया व सभा समाप्ति की घोषणा की।

उल्लास महिला समिति ने टीबी हॉस्पिटल को भेंट कीं कुर्सियां

गुवाहाटी (विभास)। उल्लास महिला समिति ने बीरूबाड़ी स्थित टीबी हॉस्पिटल में 10 कुर्सियां अनुदान देकर हॉस्पिटल की जरूरतों को पूरा करने में सहयोग दिया। हॉस्पिटल के अधीक्षक ने महिला समिति के इस कार्य पर आभार प्रकट किया। समिति की सदस्याओ ने भविष्य में भी हॉस्पिटल में इसी तरह सहयोग देने

का आश्वासन दिया। इस अवसर पर समिति की सचिव संजना मालू ने मरीजों का हालचाल पूछा व उनके साथ कुछ पल बिताए। इस कार्य में कोषाध्यक्ष मंजू बेगवानी, मंजू दूगड़, उषा सुराणा, सुमन चौरड़िया, अमिता खटेड, निक्कू खटेड, पुखराज गोलछा, राजू पुगलिया, गुलाब दुग्गड़, ममता छाजेड़ उपस्थित थी।

नेत्रहीन बच्चों को गणगौर महिला समिति ने बांटी खाद्यान्न

गुवाहाटी। गणगौर महिला समिति ने वशिष्ठ स्थित अंध विद्यालय में कार्तिक पूर्णिमा के उपलक्ष में नेत्रहीन बच्चों को मिष्ठान भोजन, चॉकलेट आदि वितरित किया। इस अवसर पर लक्ष्मी भुरा, सविता सुराणा, प्रियंका बुच्चा, सरोज चोपड़ा, रोशन चौरड़िया, कमला भदानी उपस्थित थी।

मुख्यमंत्री ने आडवाणी को दीं जन्मदिन की शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने पूर्व उप प्रधानमंत्री एवं भाजपा के संस्थापक सदस्य लालकृष्ण आडवाणी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर कहा है कि मां भारती की सेवा के लिए उनकी प्रतिबद्धता हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। मां कामाख्या और महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव उन्हें अच्छा स्वास्थ्य और लंबा जीवन प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने श्री गुरुनानक देव क 553वें प्रकाश पर्व पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सारी संगत को गुरुपर्व की लख-लख बधाइयां। गुरु साहिब की शिक्षाओं का प्रकाश हम सभी को एक समृद्ध असम के निर्माण के लिए निरंतर प्रेरित करे, यही कामना है। इसी कड़ी में डॉ. शर्मा ने आज कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर सभी देश एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। सीएम ने कहा है कि स्नान-ध्यान, दान-पुण्य एवं प्रकृति की पूजा की भारत की प्राचीन सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक परंपरा का प्रतीक यह लोकपर्व सभी के जीवन में सुख-समृद्धि और खुशियां लाए, यही कामना है।

जेसीआई हुनर के नए अध्यक्ष बने दीपक जैन

गुवाहाटी (विभास)। जेसीआई गुवाहाटी हुनर की साधारण सभा अध्यक्ष ईशा गंगवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें सचिव पारस सराफ और कोषाध्यक्ष विकास जैन गंगवाल ने अपना अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। जिसे सभासदों ने सर्वसम्मति से पारित किया। सभा के द्वितीय चरण में चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराने के लिए चुनाव अधिकारी जेसीआई हुनर के पूर्व अध्यक्ष अमित जैन एवं उनके सहयोगी चुनाव अधिकारी निशांत पहाड़िया, विजय अग्रवाल, राजेश अग्रवाल गंगवाल के सहयोग से चुनाव प्रक्रिया को संपन्न कराया। चुनाव अधिकारी ने आगामी सत्र 2023 के लिए दीपक जैन को अध्यक्ष के पद के लिए निर्वाचित घोषित किया। इसके अलावा सचिव पद के लिए अंकुश जैन, कोषाध्यक्ष के लिए मनीष काला, उपाध्यक्ष रागिनी जैन, नेहा गुप्ता, कुशल बगड़िया, प्रशांत अग्रवाल, अमित बाकलीवाल व जनसंपर्क सचिव रोहित जैन के अलावा कार्यकारिणी के अन्य सदस्यों के नामों की घोषणा की।

त्रिदिवसीय राष्ट्रीय साहित्यिक परिसंवाद का आयोजन

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ जिले में तीन दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्वोत्तर की भाषाओं का राष्ट्रीय आंदोलन में योगदान विषय चर्चा की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि व पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय,रायपुर, छत्तीसगढ़ के कुलपति प्रो. केशरीलाल वर्मा द्वारा प्रमाण पत्र ग्रहण करते हुए विश्वनाथ हिंदी सेवी व प्रचारक संतोष कुमार महतो उपस्थित थे।

पचास लाख रुपए के सोने के साथ एक व्यक्ति राजधानी एक्सप्रेस से गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी रेलवे स्टेशन से जीआरपी की टीम ने मंगलवार सुबह तलाशी के दौरान एक व्यक्ति के पास से भारी मात्रा में सोना बरामद किया। बाद में से जीआरपी ने उस व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने सोने का चूरा बनाकर उसे तीन कैप्सूलों में भर रखा था। गुवाहाटी जीआरपी ने बताया कि आज सुबह गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान राजधानी एक्सप्रेस से 50 लाख रुपए मूल्य के सोने के साथ मोहम्मद शफी को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी सोने को डिमापुर से लेकर केरल जा रहा था। पुलिस इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार आरोपी से सघन पूछताछ कर रही है।

दो सड़क हादसों में चार युवकों की मौत, एक घायल

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिला के रंगजुली और कृष्णाई इलाके में बीती रात दो अलग-अलग सड़क हादसों में चार युवकों की मौत हो गई और एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पहली घटना रंगजुली थानांतर्गत दरंगिरी पेट्रोल डिपो के पास एनएच-17 पर हुई। रास उत्सव देखने के बाद पल्सर बाइक (एस-18के-6829) पर सवार तीन युवकों की दुधनै से धनुभंगा लौटने के दौरान दरंगिरी पेट्रोल डिपो के पास किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान धनुभंगा के गुलियानपारा निवासी अवनि बोडो, दुधनै-पुरनीभिटा के जीतुल राभा और धनुभंगा-दुरामारी के मानव बोडो के रूप में हुई है। दूसरी ओर कृष्णाई में बीती रात हुई सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल और मृतक दोनों ग्वालपाड़ा शहर के निवासी बताये गए हैं। हादसा एनएच-17 पर बेकीपुल पेट्रोल पंप के पास हुआ। जानकारी के अनुसार बीती रात दुधनै से राष्ट्रीय राजमार्ग-17 से होकर ग्वालपाड़ा की ओर पल्सर बाइक (एएस-18जे-0681) से जा रहे दो युवक सामने जा रहे एक चार चक्का वाहन से टकरा गए। जिसके चलते दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद चार चक्का वाहन मौके से फरार हो गया। हादसे की आवाज सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचकर घायलों की मदद में जुट गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने 108 एंबुलेंस के जरिए दोनों घायलों को ग्वालपाड़ा सदर अस्पताल में रेफर किया।

जीटो, गुवाहाटी शाखा की तीसरी आम सभा आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीटो) की नॉर्थ ईस्ट गुवाहाटी शाखा की वर्तमान सत्र की तीसरी सभा शाखा के चेयरमैन सुनील कठोतिया की अध्यक्षता में संपन्न हुई। सभा की शुरुआत णमोकार महामंत्र से हुई। इस अवसर पर मंच पर गुवाहाटी शाखा उपाध्यक्ष शांतिलाल खटेड़, शाखा महामंत्री मनोज सेठिया, शाखा कोषाध्यक्ष रवि गुलगुलिया, क्षेत्रीय सचिव मनोज बोकाड़िया, शाखा सलाहकार सुशील डागा उपस्थित थे। सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने अपना परिचय देने के पश्चात चेयरमैन कठोतिया ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि गत 2 महीने से जीटो की गुवाहाटी शाखा अपने सक्रिय व अनुभवी सदस्यों के कारण काफी आगे बढ़ रही है। जीटो समस्त जैन समाज को एक धागे में पिरोने का एक ही मंच है। में 2014 से इस संगठन से जुड़ा हुआ हूं। मेरा कहना है कि ज्यादा से ज्यादा जैन परिवार जीटो से जुड़कर इस कार्य का प्रचार करें। रवि गुलगुलिया ने अपने संबोधन में कहा कि जीटो ऐसा ग्लोबल ऑर्गेनाइजेशन है जो समाज सेवा, शिक्षा सेवा, सामुदायिक

उन्नतिकरण, आध्यात्मिक प्रेरणा आदि विषयों पर काम करता है। गुलगुलिया ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के जरिए जीटो के प्रकल्पो के बारे में समझाया। क्षेत्रीय सचिव मनोज बोकाडिया ने कहा की जीटो सेवा, आर्थिक सजगता,ज्ञान पर आधारित अपने मिशन के लिए जाना जाता है और हमारे समाज के विकास और आदर्शों को दर्शाता है। जीटो नॉर्थ ईस्ट गुवाहाटी का गठन पूर्वोत्तर में हमारे जैन समाज को एक नई दिशा प्रदान करेगा। हम एक समुदाय की ताकत का लाभ उठाकर खुद एवं समाज के लिए सामूहिक रूप से काम करने के बारे में सोचें। शाखा उपाध्यक्ष शांतिलाल खटेड ने आगे आने वाले 3 महीनों के कार्यक्रम के बारे में बताते हुए कहा कि दिसंबर महीने में एक बिजनेस मीट आयोजित करेंगे। जिसमें पूर्वोत्तर के जैन व्यवसायी और उद्योगपति भाग लेंगे एवं युवा और महिला प्रकोष्ठ का गठन भी किया जाएगा। जनवरी में पारिवारिक मिलन समारोह आयोजित करेंगे। जिसमें जीटो सदस्य के परिवार के साथ नववर्ष का स्वागत भी किया जाएगा। मार्च में दो दिवसीय राष्ट्रीय प्रदर्शनी का आयोजन होगा। जिसमें जैन उद्योगपति अपने अपने उत्पादों की प्रदर्शनी लगायेंगे। इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाएगा। सलाहकार सुशील डागा ने अपने संबोधन में कई महत्वपूर्ण सलाह देते हुए कहा कि भारत में जीटो 9 क्षेत्र में अपनी 68 शाखाएं चला रहा है। विश्व के 26 देशों में भी इसकी शाखाएं हैं। कुल मिलाकर 14549 सदस्य जीटो में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। वरिष्ठ सीए केसी जैन ने सुझाव दिया कि हर जैन परिवार एक चैरिटेबल ट्रस्ट का गठन कर अपने अर्थ का सदुपयोग करते हुए जीटो में अपना अनुदान दे तो जीटो की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। ट्रस्ट गठन कार्य में वे निशुल्क सेवा प्रदान करने के लिए तैयार है। कार्यक्रम का संचालन जीटो के शाखा महामंत्री मनोज सेठिया ने किया।

लायंस उमंग का निःशुल्क मधुमेह जांच शिविर संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। महिलाओं की अग्रणी संस्थाओं में से एक लायंस क्लब आफ गुवाहाटी उमंग के तत्वाधान में निःशुल्क मधुमेह जांच शिविर का आयोजन किया गया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी आरुषि गर्ग सोनी ने बताया कि अध्यक्ष सीमा सोनी के नेतृत्व में महानगर के आठ नंबर रेलवे गेट स्थित मिशनरीज ऑफ चैरिटी शांति दान नामक आश्रम में शिविर का आयोजन किया गया। सचिव कंचन पोद्दार ने बताया की शिविर में वहां रह रहे लोगों के मधुमेह जांच की गई एवं उन्हें उचित परामर्श भी दिया गया। कोषाध्यक्ष कुसुम जैन ने बताया कि इस दौरान वहां सभी के लिए क्लब की ओर से नाश्ते की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम संयोजिका पिंकी हवेलियां ने बताया कि शिविर को सफल बनाने में अध्यक्ष सीमा सोनी, सचिव कंचन पोद्दार, कोषाध्यक्ष कुसुम जैन, कंचन बेताला, सुजाता जैन आदि का भरपूर सहयोग रहा।

रंगिया स्थित तोरनी समेत राज्यव्यापी रास महोत्सव का आयोजन

गुवाहाटी (हिंस)। रास का प्रदेशव्यापी माहौल जोरों पर है। नलबाड़ी, पलाशबाड़ी, हाउली, माजुली सहित प्रदेश में अब रास व्यापक आयोजन से लोगों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। देशभर में प्रसिद्ध नलबाड़ी का रास महोत्सव सोमवार से 13 दिवसीय कार्यक्रमों के साथ आरंभ हो गया है। नलबाड़ी रास 19 नवंबर तक चलेगा। इस बीच 14 नवंबर को ड्रीमगर्ल फेम हेमा मालिनी भी नलबाड़ी के रास महोत्सव में हिस्सा लेंगी। बॉलीवुड की ग्लैमरस अभिनेत्री और सांसद ओडिशा, गुजरात और मणिपुर से आने वाले कलाकारों द्वारा जीवंत रास का उद्घाटन करेंगी। नलबाड़ी के रास में सात से अधिक जाने-माने थिएटर ग्रुप नाटक का मंचन करने आएंगे। विभिन्न मेलों, रंग-बिरंगी रोशनी, मिट्टी की विभिन्न मूर्तियों, तोरणों द्वार आदि के जरिए नलबाड़ी के रास स्थल के साथ-साथ पूरे हरिमंदिर क्षेत्र को सजाया गया है। गौरतलब है कि नलबाड़ी के रास को देखने के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में लोग आते हैं। इसी तरह माजुली, पलाशबाड़ी और हाउली सहित प्रदेश के हर हिस्से में रास महोत्सव का

आयोजन किया जा रहा है। हाउली में रास के मौके पर लॉटरी का खेल भी आयोजित किया जा रहा है। गिफ्ट कूपन गेम के लिए पुरस्कार के रूप में लाखों रुपए के ओडी कार सहित विभिन्न लक्जरी चार पहिया वाहन मौजूद हैं। इस फेमस कूपन गेम के लिए टिकट खरीदने के लिए लोग उमड़ रहे हैं। इस बीच, प्रसिद्ध पलाशबाड़ी रास आज से शुरू हुआ। इस बार पलाशबाड़ी का रास 11 दिनों तक चलेगा। रास स्थल में भगवान श्रीकृष्ण के बचपन प्रतिमाओं सहित विभिन्न आलोक सज्जा तथा मेलों का आयोजन भी किया जा रहा है। वहीं सत्र (मठ) नगरी के रूप में विख्यात नदी द्वीप माजुली के रास महोत्सव मुखौटा की कला के साथ-साथ भाउना (नाटक का मंचन), पालनाम आदि से परिपूर्ण है। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा रास देखने के लिए पहले ही माजुली पहुंच चुके हैं। इस बीच, राजधानी गुवाहाटी में विभिन्न स्थानों पर रास महोत्सव भी आयोजित किया जा रहा है। भगवान श्रीकृष्ण का रास महोत्सव गुवाहाटी के लोखरा, धीरेनपाड़ा, नारंगी, गीतामंदिर, पांजाबाड़ी, मलयाबाड़ी सहित शहर के विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया जा रहा है। इस प्रकार शरद ऋतु की रास पूर्णिमा रास महोत्सव से शुरू होती है और पूरे प्रदेश में रास महोत्सव के अवसर पर उत्साह का माहौल है। दूसरी ओर **रंगिया** से हमारे संवाददाता के अनुसार रंगिया के पास स्थित तोरोनी का ऐतिहासिक श्रीश्री हरिमंदिर प्रांगण में तोरोनी हरिमंदिर रास महोत्सव संचालन समिति, 2022 के तत्वावधान में श्री श्री राधाकृष्ण का 88वां वार्षिक रास महोत्सव सोमवार से शुरू हो गया। आगामी 15 नवंबर तक 9 दिवसीय विभिन्न कार्यक्रमों के साथ चलने वाले इस रास महोत्सव के मुख्य द्वार का उद्घाटन रंगिया के विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता ने फीता काटकर संध्या 6.30 बजे किया। वहीं मंदिर के द्वार का उद्घाटन राज्यसभा के सांसद भुवनेश्वर कलिता ने द्वारा किया गया। निर्धारित कार्यक्रम के तहत सुबह 8 बजे हरिमंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष अश्विनी कलिता द्वारा मंदिर की प्रतिष्ठा दिवस के उपलक्ष्य में ध्वजारोहण किया। वहीं महोत्सव समिति के अध्यक्ष रिखब चंद्र कलिता द्वारा धार्मिक ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम में समिति के सभी पदाधिकारियों के साथ बहुत से गणमान्य और स्थानीय लोगों के सहित बड़ी संख्या में भक्तों की मौजूदगी रही। वहीं महोत्सव के उद्घाटन समारोह की आतिशबाजी देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी। मालूम हो कि तोरोनी का रास महोत्सव इसबार ऐतिहासिक सूर्य पहाड़ और अरिमत्तो गढ़ पर आधारित है। जोकि एक विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इसके अलावा थिएटर, व्यापार मेले आदि पहले ही रास मेले के समानांतर शुरू हो चुके हैं। मंदिर संचालन समिति के सचिव मनतेश्वर कलिता, आयोजन समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष बिपुल कलिता, मुख्य सचिव लिटन कलिता, कोषाध्यक्ष निपन भुइयां सहित सभी पदाधिकारियों द्वारा महोत्सव के 9 दिवसीय सभी कार्यक्रमों में सभी भक्तों की उपस्थिति और मार्गदर्शन की कामना की गई है।

मध्य प्रदेश में 2023 में फिर खिलेगा कमल: सिंधिया

– भाजपा की कोर ग्रुप की बैठक शुरू, वरिष्ठ नेता-पदाधिकारी हुए शामिल

भोपाल, (हि.स.)। केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि मध्य प्रदेश में वर्ष 2023 में फिर कमल का फूल खिलेगा। हम साथ में बैठकर जीत का संकल्प लेंगे और आगे की रणनीति पर विचार विमर्श करेंगे। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया मंगलवार को भोपाल में भाजपा की कोर ग्रुप की बैठक में शामिल होने के लिए पार्टी कार्यालय पहुंचे थे। कोर ग्रुप की बैठक में शामिल होने के लिए पार्टी सभी बड़े नेता और पदाधिकारी भाजपा कार्यालय पहुंचे हैं। केंद्रीय मंत्री सिंधिया बैठक शुरू होने के कुछ देर बाद ही अचानक बाहर निकल आए। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि इसके पहले उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में 2023 में होने वाला विधानसभा चुनाव में हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और शिवराज सिंह के नेतृत्व में ही जीत का परचम लहराएंगे। इसके बाद सिंधिया वहां से रवाना हो गए। इस बैठक से पूर्व केन्द्रीय मंत्री सिंधिया मंगलवार सुबह मुख्यमंत्री निवास पहुंचे और शिवराज सिंह चौहान से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उनके बीच प्रदेश के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री चौहान ने ट्वीट के माध्यम से इसकी जानकारी साझा करते हुए बताया कि निवास पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मेरे निवास पर भेंट की। इस अवसर पर प्रदेश में हवाई सेवाओं के विस्तार संबंधी विभिन्न मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुई।

भाजपा एक जीवंत राजनैतिक दल है: तोमर – कोर ग्रुप की बैठक में शामिल होने के लिए पहुंचे केंद्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि भाजपा एक जीवंत राजनैतिक दल है, जहां 365 दिन काम होता है। संगठन के विस्तार की दृष्टि से राजनीतिक दृष्टि से, आगामी चुनावों की दृष्टि से, विचार-विमर्श नियमित रूप से होता रहता है। उन्होंने मप्र में निगम मंडल की नियुक्तयों को लेकर कहा है कि यह मामला पार्टी के संज्ञान में है, जो जिम्मेदार लोग हैं, वे इस पर विचार करेंगे। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को अप्रासंगिक इवेंट बताया। उन्होंने कहा कि आज जरूरत है कि देश में समस्याओं पर राजनैतिक दल बैठकर विचार करें और एक मत होकर उसके लिए काम करें। भारत आखिर कहां टूट रहा है, जो भारत जोड़ो यात्रा निकालने का जरूरत पड़ रही है। इधर, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने पार्टी कार्यालय में बैठक शुरू होने से पहले राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यात्रा चाहे जितनी भी ऐतिहासिक हो, कमलनाथ के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में कांग्रेस की ऐतिहासिक हार होगी। उन्होंने राहुल गांधी के मध्य प्रदेश में संतों के साथ नर्मदा स्नान को लेकर कहा कि दक्षिण से गोल टोपी पहनकर चले हैं, यहां आकर कुछ न कुछ नाटक तो करेंगे ही। भाजपा कोर ग्रुप की बैठक में केन्द्रीय मंत्री तोमर, सिंधिया के अलावा फग्गन सिंह कुलस्ते, डा. वीरेन्द्र कुमार, प्रह्लाद पटेल, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के अलावा ग्रुप के सदस्य मौजूद हैं। इस बैठक में आदिवासी क्षेत्रों में सक्रिय सामाजिक और राजनैतिक संगठनों को लेकर भी चर्चा हो सकती है।

राहुल गांधी ने नांदेड़ के गुरुद्वारे में मत्था टेककर शुरू की भारत जोड़ो यात्रा

मुंबई, (हि.स.)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को नांदेड़ जिले में एक गुरुद्वारा में मत्था टेकने के बाद 62वें दिन की भारत जोड़ो यात्रा शुरू की है। उन्होंने गुरु नानक जयंती के 553वें प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा यादगारी बाबा जोरावर सिंहजी फतेह सिंहजी में देश में सौहार्द और समानता के लिए प्रार्थना की। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा ने सोमवार की रात तेलंगाना के बाद महाराष्ट्र में नांदेड़ जिले से प्रवेश किया है। रात्रि विश्राम के बाद मंगलवार को जिले के बिलोली इलाके से आज यात्रा शुरू की गई है। यात्रा शुरू करने से पहले राहुल गांधी गुरुद्वारा यादगारी बाबा जोरावर सिंहजी फतेह सिंहजी गए और देश में सौहार्द और समानता के लिए प्रार्थना की। इसके बाद राहुल गांधी के साथ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले, अशोक चव्हाण, पृथ्वीराज चव्हाण, सुशील कुमार शिंदे, माणिकराव ठाकरे, बालासाहेब थोरात यात्रा में शामिल हुए। आज रात को राहुल गांधी बिलोली में रुकने वाले हैं। महाराष्ट्र में सोमवार रात मशाल लेकर प्रवेश करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि नोटबंदी जैसी केन्द्र की गलत नीतियों तथा माल एवं सेवा कर (जीएसटी) को खराब तरीके से लागू करने के कारण लघु व मध्यम उद्यम/व्यापार प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कोई ताकत हमें नहीं रोक सकती है। इस यात्रा का लक्ष्य देश को साथ लाना और देश के सामने खड़े मुख्य मद्दों को उठाना है। भारत की सच्चाई यह है कि एक ओर बेरोजगारी है, तो दूसरी ओर महंगाई की मार से लोग पीड़ित हैं। उन्होंने कहा कि देश के एक छोर से दूसरे छोर तक की इस यात्रा का लक्ष्य घृणा, क्रोध और हिंसा के खिलाफ आवाज उठाना है। राहुल गांधी महाराष्ट्र की यात्रा के दौरान दो रैलियों को संबोधित करेंगे। पहली रैली नांदेड़ जिले में 10 नवंबर को और दूसरी रैली बुलढाणा जिले के शेगांव में 18 नवंबर को होगी। राज्य में यह यात्रा 15 विधानसभा और छह संसदीय क्षेत्रों से होकर गुजरेगी। इस दौरान 382 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी। 20 नवंबर को यात्रा मध्य प्रदेश में प्रवेश करेगी।

नांदेड़ में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता का हार्ट अटैक से निधन

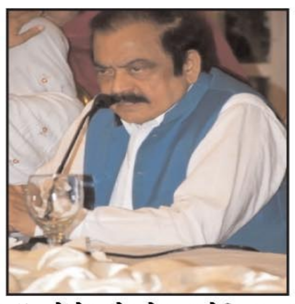

मुंबई, (हि.स.)। नांदेड़ में मंगलवार को सुबह कांग्रेस पार्टी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल कांग्रेस नेता कृष्णकुमार केदारनाथ पांडे (80 वर्ष) की हार्ट अटैक से मौत हो गई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र में सेवा दल के प्रदेश महासचिव पांडे के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है। कांग्रेस पार्टी की भारत जोड़ो यात्रा ने महाराष्ट्र में नांदेड़ से प्रवेश किया है। आज सुबह सेवा दल के प्रदेश महासचिव कृष्ण कुमार पांडे यात्रा में शामिल हुए और राष्ट्रीय ध्वज थामे हुए थे। दिग्विजय सिंह और अन्य नेता उनके साथ चल रहे थे। कुछ मिनटों के बाद वह एक अन्य सहयोगी को झंडा सौंपकर यात्रा में पैदल ही चलने लगे। इसके बाद ही पांडे अचानक गिर गए और उन्हें तत्काल एम्बुलेंस से नजदीकी अस्पताल में ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने पांडे को मृत घोषित कर दिया। कांग्रेस पार्टी के महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि यह हम सबके लिए सबसे दुखद क्षण है। राहुल गांधी की भारत जोड़ी यात्रा ने सोमवार रात को महाराष्ट्र में प्रवेश किया था। गांधी 15 दिनों में महाराष्ट्र के पांच जिलों में 15 विधानसभा और 6 संसदीय क्षेत्रों की यात्रा करके 382 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। पार्टी के कार्यक्रम के अनुसार यात्रा 20 नवंबर को मध्य प्रदेश में प्रवेश करेगी।

लालकृष्ण आडवाणी को गृहमंत्री अमित शाह व गडकरी ने दी जन्मदिन की बधाई

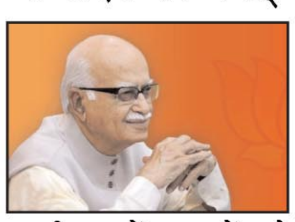

नई दिल्ली(ईएमएस)। सबसे लंबे समय तक भाजपा के अध्यक्ष रहे लाल कृष्ण आडवाणी मंगलवार को 95 वर्ष हो गये। पार्टी नेताओं ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। आडवाणी को जन्मदिन की बधाई देते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि उन्होंने अपने अथक प्रयासों से देश भर में पार्टी के संगठन को मजबूत किया और सरकार का हिस्सा रहते हुए देश के विकास में भी अमूल्य योगदान दिया। शाह ने उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना की। वहीं, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने आडवाणी को प्रेरणा स्रोत बताया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आडवाणी ने देश, समाज और पार्टी के लिए बहुत महत्वपूर्ण योगदान दिया है और उन्हें देश की दिग्गज हस्तियों में शुमार किया जाता है। अविभाजित पाक के कराची शहर में 1927 में जन्मे आडवाणी कम उम्र में आरएसएस में शामिल हो गए और बाद में उन्होंने जनसंघ के लिए काम किया, जहां उन्होंने अपनी संगठनात्मक क्षमताओं के साथ अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की। 1980 में वह भाजपा के संस्थापक सदस्यों में रहे और कई दशकों तक पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के साथ पार्टी का मुख्य चेहरा बने रहे। अटल सरकार में आडवाणी देश के गृह मंत्री रहे और बाद में उन्हें उपप्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

मैने जब से राहुल गांधी को अमेठी में हराया, तब से वह भाग ही रहे हैं और देश में घूम रहे हैं : स्मृति ईरानी

शिमला (ईएमएस)। महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा पर निशाना साधते हुए कहा है कि जब से उन्होंने राहुल गांधी को अमेठी में हराया है तब से वह भाग ही रहे हैं और देश भर में घूम रहे हैं। पिछले लोकसभा चुनावों में ईरानी ने राहुल गांधी के गढ़ अमेठी में उन्हें हराया था, हालांकि वह केरल की वायनाड सीट से चुनाव जीत गए थे। महिला एवं बाल विकास मंत्री ईरानी ने 12 नवंबर को होने वाले हिमाचल विधानसभा चुनाव के लिए रेणुकाजी विधानसभा क्षेत्र में रैली को संबोधित करते हुए कहा, वह जहां भी गए, वहां क्या हुआ? कांग्रेस वहां भी चुनाव हारती रही। उन्होंने यात्रा में शामिल हुए कुछ लोगों पर भी सवाल उठाए। ईरानी ने कहा, कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने यात्रा निकाली, केरल में उन्होंने किसके साथ यह यात्रा निकाली? उन लोगों के साथ जिन्होंने गायों का वध किया और फिर फोटो इंटरनेट पर अपलोड कर दी और कांग्रेस के युवराज यात्रा निकालते हुए पीठ थपथपा रहे हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने कश्मीर को भारत से अलग करने का प्रस्ताव रखने वालों के साथ यात्रा निकाली। ईरानी ने कांग्रेस कार्यकताओं से पूछा, जब आपका नेता उन लोगों का समर्थन करता है जो एक खंडित भारत देखना चाहते हैं, तो क्या आपका खून नहीं खौलता?

मराठी फिल्म हर-हर महादेव के विरोध में हंगामा, 100 राकांपा कार्यकर्ताओं पर मामला दर्ज

– फिल्म का विरोध देखते हुए निर्देशक अभिजीत देशपांडे को दी गई पुलिस सुरक्षा

मुंबई, (हि.स.)। मराठी फिल्म हर-हर महादेव का विरोध करने पर पूर्व मंत्री जीतेंद्र आव्हाड सहित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा)के 100 कार्यकताओं के विरुद्ध ठाणे में मामला दर्ज किया गया है। फिल्म का विरोध देखते हुए निर्देशक अभिजीत देशपांडे को पुलिस की सुरक्षा मुहैया कराई गई है। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उन्होंने इस फिल्म को नहीं देखा है, इसलिए फिल्म के बारे में कोई प्रतिक्रिया नहीं दे सकते हैं। अगर किसी को इस फिल्म से कोई आपत्ति है तो उसका विरोध कानूनी दायरे में रहकर करे। अगर हिंसक तरीके से विरोध किया गया तो हंगामा करने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। फिल्म का विरोध देखते हुए निर्देशक अभिजीत देशपांडे को पुलिस की सुरक्षा मुहैया कराई गई है। पूर्व मंत्री जीतेंद्र आव्हाड सोमवार शाम को अपने कार्यकताओं के साथ ठाणे के विवियाना मल्टीफ्लेक्स में जाकर हर-हर महादेव फिल्म का प्रदर्शन रुकवा दिया था। इस दौरान राकांपा कार्यकर्ताओं ने एक दर्शक की पिटाई की थी। इसी वजह से मंगलवार को सुबह जीतेंद्र आव्हाड सहित राकांपा के 100 कार्यकर्ताओं के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। जीतेंद्र आव्हाड का कहना है कि फिल्म में कई दृश्यों को गलत तरीके से चित्रित किया गया है, जो वास्तविकता से परे हैं। इस फिल्म के माध्यम से गलत इतिहास परोसने का काम किया जा रहा है। छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज छत्रपति संभाजी राजे ने भी इस फिल्म का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि इस फिल्म में कई घटनाएं वास्तविकता से हटकर चित्रित की गई हैं। इससे समाज को छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में गलत जानकारी मिलेगी। इसी वजह से वे इस फिल्म का जोरदार विरोध कर रहे हैं। साथ ही संभाजी ब्रिगेड ने भी इस फिल्म का जोरदार विरोध किया है। फिल्म के निर्देशक अभिजीत देशपांडे ने मंगलवार को पत्रकारों से कहा कि इस फिल्म में जिन दृश्यों पर आपत्ति जताई जा रही है, उसे सेंसर बोर्ड ने पास किया है। जो लोग फिल्म का विरोध कर रहे हैं, उन्होंने फिल्म नहीं देखी है। फिल्म का निर्माण कई पुस्तकों के संदर्भ के आधार पर किया गया है। अभिजीत देशपांडे ने इस फिल्म का विरोध करने वालों से पहले फिल्म देखने की अपील की है।

दिल्ली-सहारनपुर हाईवे के एलिवेटेड हिस्से से दिल्ली और लोनी के बीच आने-जाने पर लगेगा टोल टैक्स

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली-सहारनपुर हाईवे के एलिवेटेड हिस्से से लोनी जाने पर वाहन चालकों को शुल्क देना होगा। इसी तरह लोनी से दिल्ली जाने वालों को भी जेब ढीली करनी पड़ेगी। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) इस हाईवे पर दिल्ली सीमा के पास लोनी में टोल प्लाजा बनाएगा। मिली जानकारी के मुताबिक, वाहन की नंबर प्लेट को स्कैन कर फास्टैग वालेट से टोल कटेगा। यहां पर आटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (एएनपीआर) कैमरे का उपयोग किया जाएगा। टोल की दरें बाद में तय होंगी। मार्च 2024 तक हाईवे को तैयार करने का लक्ष्य है। इसके नीचे वाली रोड पर किसी तरह का टोल नहीं होगा। भारतमाला परियोजना के तहत छह लेन के इस हाईवे का निर्माण हो रहा है। इसकी कुल लंबाई 150 किमी है। यूपी बार्डर (लोनी) से सहारनपुर तक राजमार्ग के 140.55 किमी हिस्से का निर्माण तीन अलग-अलग चरणों में काफी पहले ही शुरू हो गया था। दिल्ली की सीमा में अक्षरधाम मंदिर के पास एनएच-नौ से गीता कालोनी पुश्ता रोड, शास्त्रीपार्क, खजूरी खास होते हुए यूपी बार्डर (लोनी) तक हाईवे के सबसे छोटे 14.75 किमी के हिस्से का निर्माण चल रहा है। इस हिस्से में 6.70 किमी हाईवे एलिवेटेड यानी पिलर पर बनेगा, जो गीता कालोनी पुश्ता रोड पर श्मशान घाट के सामने से शुरू होकर आगे जाएगा। इस राजमार्ग पर आटोमैटिक ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (एटीएमएस) लगाया जाएगा। इसमें आटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (एएनपीआर) कैमरा, पैन टिल्ट जूम (एएनपीआर) कैमरा सहित कई अन्य प्रकार के कैमरे लगाए जाएंगे। इनको पुलिस के यातायात नियंत्रण कक्ष से जोड़ दिया जाएगा। जो वाहन चालक नियम तोड़ेगा वह इन कैमरों की मदद से पकड़ा जाएगा। फास्टैग में वाहन का पंजीकरण नंबर भी होता है। एएनपीआर कैमरा वाहनों के नंबर को रीड कर फास्टैग वालेट से कनेक्ट कर टोल काटेगा। इससे वाहन चालक को रुकने की आवश्यकता नहीं होती।

तिहाड़ में क्षमता से ज्यादा कैदी, मौलिक अधिकारों का उल्लंघन

नई दिल्ली (ईएमएस)। तिहाड़ जेल में क्षमता से ज्यादा कैदियों को रखे जाने के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। याचिका में कहा गया है कि जेल के हर बैरक में क्षमता से ज्यादा कैदियों को रखा गया है। याचिका में कहा गया है कि तिहाड़ में बंद कैदियों की संख्या में भारी इजाफा हुआ है। एक गैर सरकारी संस्था न्याय फाउंडेशन ने अपनी याचिका में कहा है जेल में अनावश्यक रूप से कैदियों की भीड़ जमा करने की वजह से संविधान के आर्टिकल 21 में दिये गये उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। इसमें इस बात का उल्लेख है कि एक शांतिपूर्ण और अभिमानपूर्वक जीने का अधिकार सभी को है। याचिका में यह भी कहा गया है कि जेल में कैदियों की संख्या अत्यधिक होने की वजह से कैदी मानसिक और शारीरीक रूप से प्रताड़ित हो रहे हैं। अगर तिहाड़ जेल में बंद किसी कैदी को तीन साल से कम की सजा हुई है और उसने पहली बार कोई गुनाह किया हो उन्हें जमानत पर रिहा करने के लिए प्रोबेशन रिपोर्ट पर विचार जरूर करना चाहिए। याचिका में आगे कहा गया है कि बेवजह की गिरफ्तारियों की वजह से भी जेल परिसर में कैदियों की संख्या बढ़ रही है। अगर किसी निर्दोष शख्स को गिरफ्तार किया जाता है तो जेल के अंदर जिन हालातों से उसका सामना होता है उसके बाद वो भी अपराध में संलिप्त हो जाता है। अगर बेवजह और गैर कानूनी गिरफ्तारियां रूक जाएं तो ऐसा नहीं होगा। याचिका में कहा गया है की शीर्ष अदालत के आदेश के बावजूद कैजुअल गिऱफ्तारियां भी नहीं रूक रही हैं। आरोपी युवक को हिरासत में लिया जा रहा है और फिर उन्हें जेल में डाल दिया जाता है जो कि कानून का उल्लंघन है। रोहिणी जेल साल 2004 और मंडोली जेल साल 2016 में बना था। ऐसी उम्मीद थी कि इनके बनने के बाद तिहाड़ जेल का बोझ हल्का होगा लेकिन आज इन दोनों जेलों में भी कमोबेश ऐसे ही हालात हैं।

पंजाब में आरएसएस और हिन्दू संगठनों के पदाधिकारियों पर लोन वुल्फ अटैक का अंदेशा

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमृतसर में शिवसेना (टकसाली) के वरिष्ठ नेता सुधीर सूरी की हत्या के बाद पंजाब पुलिस ने आरएसएस और हिन्दू संगठनों के पदाधिकारियों पर बड़ी तादाद में ह्यलोन वुल्फ अटैक का अंदेशा जताया है। दरअसल खतरनाक तरीके से महत्वपूर्ण लोगों पर किए जाने वाले हमले को लोन वुल्फ अटैक कहा जाता है। पंजाब पुलिस के मुताबिक सुधीर सूरी हत्याकांड का फायदा उठाकर खालिस्तानी आतंकी संगठन नए सिरे से पंजाब में कट्टरता को फिर फैलाने की साजिश रच रहे हैं। इसके बाद पंजाब पुलिस ने हर जिले में खतरे के रडार पर मौजूद इसतरह के लोगों की सूची बनाकर उनकी सुरक्षा के लिए दिशा-निर्देश दिए हैं। कुछ दिनों पहले शिवसेना (टकसाली) के नेता सूरी की हत्या के बाद पंजाब पुलिस राज्य में नए सिरे से वीआईपी लोगों के सुरक्षा की समीक्षा कर रही है। हत्याकांड के बाद पंजाब पुलिस को मिले इंटेलिजेंस इनपुट के मुताबिक राज्य में अब खालिस्तानी संगठन लोन वुल्फ अटैक करने की तैयारी में हैं। इसमें अकेला इंसान खतरनाक तरीके से अपने टार्गेट पर अपनी जान की परवाह किए बिना हमला करता है।

पंजाब पुलिस के सूत्रों के मुताबिक शिवसेना (टकसाली) नेता की हत्या के बाद जो परिस्थितियां उत्पन्न हुई हैं, उसका फायदा खालिस्तानी संगठन उठाना की कोशिश कर रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने बड़ी तादात में अपने टार्गेट पर हमला करने की योजना बनाई है। खालिस्तानी आतंकियों के टार्गेट की सूची में हिन्दूवादी संगठनों और आरएसएस के पदाधिकारी शामिल हैं। आतंकियों के मंसूबे की भनक लगते ही फिर पंजाब पुलिस ने इन लोगों की सुरक्षा की समीक्षा की है। सूत्रों ने सुधीर सूरी हत्याकांड के बाद खालिस्तानी आतंकियों द्वारा रची गई साजिश का खुलासा किया है। ये साजिश पूरे खालिस्तान टेरर प्लान का दूसरा हिस्सा है। इस टेरर प्लान का पहला हिस्सा 31 अक्टूबर से 7 नवंबर तक था। जिसके लेकर पंजाब पुलिस ने सभी जिलों को अलर्ट जारी किया था। जिसमें महत्वपूर्ण व्यक्तियों पर बड़ा खालिस्तानी आतंकी हमला होने की आशंका जाहिर की गई थी। पंजाब पुलिस के मुताबिक हर जिले में खालिस्तानी आतंकियों के टार्गेट पर 200 से 400 लोग हैं। जो जिले में खालिस्तानी आतंकियों के प्रभाव के मुताबिक तय किए गए हैं। इस खालिस्तानी टेरर प्लान को लेकर पंजाब पुलिस ने सभी जिलों को कुछ दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

दिल्ली में इन कारों को लेकर बाहर निकले तो लगेगा 20 हजार रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली में बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल चार-पहिया वाहनों पर लगी रोक 13 नवंबर तक जारी रहेगी यानी इन वाहनों इस अवधि के दौरान सड़क पर चलने की अनुमति नहीं होगी। हालांकि, ट्रकों को राष्ट्रीय राजधानी में एंट्री की अनुमति दे दी जाएगी। दिल्ली सरकार की ओर से यह जानकारी दी गई है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, क्रमिक कार्रवाई कार्ययोजना (जीआरएपी) के तीसरे चरण के तहत दिल्ली में बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल चार-पहिया वाहनों के चलने पर रोक जारी रहेगी। परिवहन विभाग की ओर से एक आदेश में कहा गया कि नियम का उल्लंघन करते हुए वाहन चलाते पाए जाने पर मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के तहत कार्रवाई की जाएगी। मामले में मुकदमा भी दर्ज किया जा सकता है और 20,000 रुपये का जुमार्ना तक लगाया जा सकता है।' हालांकि, आपातकालीन सेवाओं में लगे वाहन और सरकार तथा चुनाव संबंधी कार्यों में जुटे वाहनों को इस प्रतिबंध के दायरे में नहीं रखा गया है। परिवहन विभाग ने आदेश में कहा, राष्ट्रीय राजधानी में क्रमिक कार्रवाई कार्य योजना (जीआरएपी) के तीसरे चरण के तहत दिल्ली में बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल चार-पहिया वाहनों के चलने पर लगी रोक 13 नवंबर तक जारी रहेगी। उपरोक्त निर्देश 13 नवंबर तक या जीआरएपी चरण में अधोमुखी संशोधन, जो भी पहले हो, तक लागू रहेंगे। आदेश में कहा गया, "अगर सीएक्यूएम (वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग) जीआरएपी-तृतीय और उससे ऊपर के प्रतिबंधों का आदेश देता है तो प्रतिबंध 13 नवंबर के बाद भी जारी रहेंगे।

ननकाना साहिब में पर्व मनाने की स्वतंत्रता नहीं होने पर विचार करना चाहिए : योगी आदित्यनाथ

-सिख गुरुओं का बलिदान आज भी हमें प्रेरणा एवं ऊर्जा प्रदान करती है : योगी
-गुरुनानक देव जी के प्रकाश उत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज नानक देव जी का पावन प्रकाश उत्सव है। पूरी देश और दुनिया में जहां भी भारत वंशी निवास कर रहे हैं, वे पूरी इसे पूरी श्रद्धा के साथ मना रहे हैं। लेकिन हम ननकाना साहिब में यह पर्व नहीं मना सकते। आखिर गुरुनानक जी का ननकाना साहिब हमसे अलग क्यों है? वहां यह पर्व मनाने के लिए स्वतंत्रता क्यों नहीं है? यह सोचने का विषय है। डीएवी कॉलेज मैदान में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मध्यकाल में जब विधर्मियों के आतंक से देश और धर्म संकट में था। मानवता खतरे में थी। बहन बेटियों की इज्जत सुरक्षित नहीं थी। स्वयं के अस्तित्व के लिए मानवता गुहार लगा रही थी। उस कालखंड में मानवता के कल्याण के लिए जो प्रकाश पुंज प्रकट हुआ, जिन्होंने मानवता कल्याण के लिए अपने उपदेशों के माध्यम से, अपने जनजागरण अभियान के माध्यम से एक बड़े अभियान को अपने हाथों में लिया, उन प्रकाश पुंज को हम गुरु नानकदेव जी के नाम से जानते हैं। आज उनके प्रकाश उत्सव के अवसर पर आपको बधाई। उन्होंने कहा कि सिख गुरुओं का अपना एक गौरवशाली इतिहास है। देश और धर्म के लिए आत्म बलिदान देने की परंपरा रही है। वो आज भी नई प्रेरणा देती है और समाज को ऊर्जा देती है। आज व्यापक साधन है। तब भी हमें एक दूसरी जगह जाने में समय लगता है और हमें कठिनाई लगती है लेकिन जिस समय साधन नहीं थे, उस समय नानकदेव जी ने देश ही नहीं, देश के बाहर भी धार्मिक उपदेश देकर मानवता का कल्याण किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां तो हम बड़े उल्लास के साथ प्रकाश पर्व मना रहे हैं लेकिन क्या यह ननकाना साहिब में भी सम्भव हो पा रहा है? यह सोचने का विषय है। इतिहास केवल पढ़ने का विषय नहीं है। इतिहास एक मार्गदर्शक होता है। इससे हमको प्रेरणा मिलती है। अतीत की गलतियों से सबक सीखने की प्रेरणा भी देता है। आखिर गुरुनानक जी का ननकाना साहिब हमसे अलग क्यों है? वहां यह पर्व मनाने के लिए स्वतंत्रता क्यों नहीं है? इसको भी सोचना चाहिए। उल्लेखनीय है कि ननकाना साहिब पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में स्थित है। बंटवारे में ननकाना साहिब हमसे अलग हो गया। ननकाना साहिब का नाम गुरु नानक देव के नाम पर पड़ा है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जो भी स्वार्थ से उठकर परमार्थ के लिए देश धर्म के लिए कार्य करेगा, उसका नाम इसी तरह युगों युगों तक स्मरण किया जाएगा। आज हमको यही प्रेरणा यहां लेने की आवश्यकता है। पूरे प्रदेश वासियों को हृदय से बधाई व शुभकामनाएं। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, राज्य मंत्री दलदेव सिंह औलख, पूर्व मंत्री व एमएलसी मोहसिन रजा के अलावा सिख गुरु व समाज के अन्य लोग मौजूद रहे।

यूपी की खतौली विधानसभा सीट पर पांच दिसंबर को मतदान, नतीजे आठ को

लखनऊ, (हि.स.)। निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले की खतौली विधान सभा सीट पर उपचुनाव की घोषणा कर दी। पांच दिसंबर को मतदान होगा। मतों की गिनती आठ दिसंबर को होगी और नतीजे भी उसी दिन आ जाएंगे। पांच दिसंबर को ही मैनपुरी संसदीय क्षेत्र और रामपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए मतदान होगा, जिसकी घोषणा कुछ दिन पहले हुई थी। घोषित चुनाव कार्यक्रम में उप्र के मुख्य निर्वाचन आधिकारी अजय कुमार शुक्ला बताया है कि उपचुनाव की अधिसूचना 10 नवंबर को जारी होगी। इसके साथ ही नामांकन शुरू हो जाएगा। 17 नवंबर तक नामांकन दाखिल होगा। 18 नवंबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी। नाम वापसी की तिथि 21 नवंबर निर्धारित की गयी है। इसके उपरांत पांच दिसंबर को मतदान होगा और आठ को मतगणना होगी। खतौली विधानसभा सीट भाजपा विधायक विक्रम सैनी के अयोग्य घोषित किये जाने से रिक्त हुई है। कोर्ट द्वारा उन्हें सजा सुनाए जाने के बाद विधानसभा की उनकी सदस्यता खत्म कर दी गयी। विधानसभा की ओर से यह सीट 11 अक्टूबर से ही रिक्त घोषित की गयी है। हालांकि विधान सभा सचिवालय ने इसकी आधिकारिक घोषणा सात नवंबर को की। उप्र की मैनपुरी संसदीय सीट और रामपुर विधानसभा सीट पर भी उप चुनाव हो रहे हैं। इन सीटों के उपचुनाव के कार्यक्रम पहले ही जारी हो चुके हैं। इन दोनों सीटों पर भी 10 नवंबर से ही नामांकन पत्र दाखिल किये जाएंगे। मतदान पांच दिसंबर को और मतगणना आठ दिसंबर को होगी। नतीजे भी उसी दिन घोषित कर दिए जाएंगे।

चारबाग रेलवे स्टेशन के आरक्षण काउंटर जल्द एलईडी स्क्रीन से जुड़ेंगे

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर रेलवे प्रशासन लखनऊ के चारबाग स्टेशन स्थित सभी आरक्षण केंद्रों के काउंटरों को जल्द कंप्यूटर के एलईडी स्क्रीन से जोड़ेगा। काउंटर पर लगी हर एलईडी स्क्रीन पर यात्री को आरक्षण से जुड़ी सभी जानकारियां दिखेंगी। फिलहाल पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चारबाग रेल आरक्षण केंद्रों में एलईडी स्क्रीन लगाने का कार्य शुरू हो गया है। रेलवे प्रशासन चारबाग स्टेशन के सभी आरक्षण केंद्रों के काउंटरों को अब कंप्यूटर सिस्टम के एलईडी स्क्रीन से जोड़ेगा। काउंटर पर लगी हर एलईडी स्क्रीन यात्री को उससे जुड़ी सभी जानकारियां दिखाएगी। पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चारबाग रेल आरक्षण केंद्र में एलईडी स्क्रीन लगाने का कार्य शुरू हो गया है। एलईडी स्क्रीन को दो सप्ताह में शुरू करने की तैयारी है। रेल आरक्षण केंद्रों पर अभी टिकट बनवाते समय यात्रियों को उनकी ट्रेन की वेटिंग और कंफर्म

सीट की सही जानकारी नहीं मिल पाती है। यात्रियों को पहले से ट्रेन के किराए का पता नहीं होता है। प्रीमियम तत्काल कोटे का टिकट बनाते समय किराया अचानक कई गुना महंगा हो जाता है।

यात्री को टिकट बनने के बाद ही पता चलता है कि उसका टिकट महंगा बना है। रिजर्वेशन क्लर्क कई बार यात्रियों के गलत नाम लिख देते हैं। ऐसी ही कई दिक्कतों को चारबाग स्टेशन के आरक्षण केंद्रों के काउंटरों पर लगने वाली एलईडी स्क्रीन दूर कर देगी। चारबाग स्टेशन के निदेशक आशीष सिंह ने मंगलवार को बताया कि यह तकनीक यात्रियों को सुविधा देगी। रेलवे को इस सुविधा के लिए अपनी ओर से कुछ भी खर्च नहीं करना पड़ेगा। निजी कंपनी एलईडी स्क्रीन लगा रही है। इसके एवज में कंपनी का प्रचार भी इस स्क्रीन पर हो सकेगा।

वाराणसी में राजघाट पुल पर बने फुटओवर ब्रिज की रेलिंग टूटी, 12 लोग घायल

वाराणसी, (हि.स.)। देव दीपावली पर्व पर सोमवार देर शाम राजघाट पुल पर बने फुटओवर ब्रिज की रेलिंग भीड़ के कारण अचानक टूट गई। जिसके चलते दर्जन भर लोग जमीन पर गिरकर घायल हो गए। संयोग ही रहा कि फुटओवर ब्रिज के दूसरे छोर और ऊपर की रेलिंग नहीं टूटी। नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। हादसा से भीड़ में भगदड़ मचने के पहले ही मौके पर मौजूद पुलिस अफसरों ने स्थिति संभाल ली। घायलों को आनन-फानन में कबीरचौरा स्थित मंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया। जिसमें एक की हालत गंभीर देख उसे बीएचयू अस्पताल के लिए चिकित्सकों ने रेफर कर दिया। सूचना पर कमिश्नर कौशलराज शर्मा, काशी जोन के डीसीपी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी और अन्य अफसर भी अस्पताल में पहुंच गये। देव दीपावली पर्व पर राजघाट और नमोघाट पर दीपोत्सव और आतिशबाजी की छटा देखने के लिए शाम से ही घाट पर हजारों की भीड़ जुट गई थी। देर शाम कार्यक्रम के समापन के बाद लोग वापस लौटने लगे। जल्दी के चक्कर में लोग राजघाट पुल से काशी स्टेशन की ओर जाने जाने वाली फुटओवर ब्रिज से जाने लगे। इसी दौरान भीड़ का दबाव न सहने पर जर्जर रैंप की रेलिंग टूट गई। इससे दर्जन भर लोग नीचे गिरकर घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को आनन-फानन मंडलीय चिकित्सालय भेजने के बाद वहां बैरिकेडिंग कर भीड़ को रोक उन्हें सुरक्षित निकाला। मौके पर मौजूद

आदमपुर थाना प्रभारी अजित वर्मा, एडिशनल डीसीपी यातायात, काशी रेलवे स्टेशन के अधीक्षक ने पुलिस कर्मियों की मदद से भीड़ को नियंत्रित करने के बाद टूटे फुटओवर ब्रिज का रास्ता बंद करवाने के बाद लोगों को दूसरे रास्ते से सुरक्षित निकलवाया। प्रत्यक्ष दर्शियों ने बताया कि फुटओवर पुल की जर्जर हो चुकी रेलिंग का निचला हिस्सा टूटा। जिससे लोग चार-पांच फीट नीचे गिरे नीचे ककंड और पत्थरों से उन्हें चोट लगीं। कहीं पुल का ऊपरी रेलिंग टूटता तो बड़ा हादसा हो सकता था।

घायलों में चौबेपुर उमरहा निवासी 40 वर्षीय माधुरी का एक हाथ फ्रैक्चर हो गया। उनके चार वर्षीय नाती सुहानी के सिर में चोट आई हैं। आदमपुर कोनिया निवासी 30 वर्षीय जितेंद्र का पैर टूट गया है। कायस्थ टोला-प्रहलाद घाट निवासी सौम्या को हाथ-पैर में गंभीर चोटें आई है। अफसरों के अनुसार इन सभी घायलों का सरकारी खर्चे पर उपचार किया जा रहा है। घायलों की हालत देखने के लिए मंडलायुक्त कौशलराज शर्मा, सीएमओ डा. संदीप चौधरी व डीसीपी काशी जोन आरएस गौतम अस्पताल पहुंचे। कमिश्नर ने घायल चार वर्षीय सुहानी के सिर पर स्नेह से हाथ फेर उससे बातचीत की और अच्छे से इलाज करवाने का भरोसा दिया। वहीं, कई घायलों ने अपना इलाज निजी अस्पताल में कराया और हालत गंभीर न होने पर घर लौट गये। घायलों को अस्पताल में देखने के लिए मंगलवार को उनके रिश्तेदार भी पहुंचते रहे। क्षेत्रीय लोगों का आरोप था कि रेलवे के अफसरों के लापरवाही से फुटओवर ब्रिज की समय-समय पर मरम्मत नहीं की गई। उधर,गंगा में भी कई बार छोटी-बड़ी नावें आपस में टकराई लेकिन संयोग ही रहा कि कोई हादसा नहीं हुआ। अस्सीघाट पर भी कई बार भीड़ बेकाबू हुई लेकिन पुलिस अफसरों ने स्थिति संभाल लिया। पर्व पर भीड़ के चलते रात लगभग 2 बजे तक यातायात व्यवस्था चरमरा गई। घाटों, गलियों और सड़कों पर पैदल चलने भर की जगह नहीं बची थी। घाटों और सड़क को जोड़ने वाली लगभग हर एक गलियां भी जाम रही। इसके बाद लोग किसी तरह गलियों से सड़क पर निकले तो जाम में घंटों जूझते हुए अपने घर पहुंचे।

राम नगरी के मंदिरों में दर्शन पूजन बंद

अयोध्या, (हि. स.)। राम नगरी में कार्तिक पूर्णिमा पर चद्र ग्रहण के कारण मंगलवार को प्रातः काल 8:10 पर मंदिरों का पट बंद कर दिया गया है। श्रीराम जन्म भूमि, हनुमानगढ़ी, कनक भवन, नागेश्वरनाथ मंदिर सहित अयोध्या के सभी मंदिरों के कपाट बंद किये गये। चंद्र ग्रहण आज शाम 5:10 पर लग रहा है। चंद्र ग्रहण के नौ घंटे पहले सूतक लगा। ग्रहण शाम 6:19 के बाद खत्म होगा। ग्रहण स्नान करने के पश्चात मंदिरों की धुलाई होगी। उसके पश्चात मंदिरों में भगवान की आरती कर भोग लगाया जाएगा। इसके बाद

श्रद्धालुओं के लिए भगवान के मंदिरों का पट पुनः खुलेगा। कार्तिक पूर्णिमा पर्व पर सरयू तट पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु स्नान कर रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। देर रात से ही स्नान शुरू है। आज के बाद से अयोध्या का कार्तिक परिक्रमा और पूर्णिमा मेला समाप्त हो जाएगा।

शिक्षा के माध्यम से ही व्यक्ति समाज, राज्य और देश की सेवा करने में होता है समर्थ : सांसद

रांची, (हि.स.)। राज्यसभा सांसद प्रोफेसर आदित्य साहू ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही व्यक्ति अपने समाज, राज्य और देश की सेवा करने में समर्थ होता है। केसरवानी समाज को शिक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिए। केशरवानी मेहनतकश समाज है। यदि यह समाज कही भी धर्मशाला का निर्माण करवाता है तो मैं उसमें अपेक्षित सहयोग दूंगा। साहू मंगलवार को केसरवानी वैश्य समाज की ओर से पिठोरिया के कुम्हरिया में एक सभा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि ईमानदारी से आप लोग केसरवानी समाज को संगठित करने का कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम का आयोजन रांची जिलाध्यक्ष कार्तिक केशरी की अध्यक्षता में की गई। कार्यक्रम की शुरूआत महर्षि कश्यप की तस्वीर पर माल्यार्पण करके किया गया। इसके बाद राज्यसभा सांसद

प्रोफेसर आदित्य साहू को अंग वस्त्र और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। सभा में यह तय किया गया कि आगामी 25 दिसंबर को धुर्वा के जगन्नाथ मंदिर स्थित नीलाद्री भवन में केसरवानी समाज का वैवाहिक परिचय सह मिलन समारोह का आयोजन किया जायेगा। यह निर्णय सभा में मौजूद सभी लोगों ने किया। केसरवानी समाज के सभी लोग मिलजुल कर आयोजन के निमित्त वित्त का प्रबंध करेंगे। कार्यक्रम में अजीत केसरी, तपेश्वर केसरी, मदन केसरी, मनीष केसरी, अनिल केसरी, संजय चौधरी, प्रदीप केसरी, उमेश केसरी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

नगर निकाय चुनाव आते ही गंगा पर चर्चा तेज, विपक्ष का आरोप खोखला

कानपुर, (हि.स.)। नगर निकाय चुनाव नजदीक आते ही इन दिनों माँ गंगा की चर्चा बहुत तेजी से शुरू हो चुकी है। राष्ट्रीय जल शक्ति मंत्रालय विभिन्न प्रकार की योजनाओं को तैयार कर तेजी से काम कर रहा है। कानपुर शहर को क्लीन गंगा मिशन के तहत कई बड़े प्रोजेक्ट मिले हैं। विपक्ष का आरोप है कि यह दावा पूरी तरह खोखला है। गंगा में आज भी गंदा पानी गिर रहा है। कानपुर से जुड़ा गंगा का क्षेत्र लगभग 57 किलोमीटर है। इस क्षेत्र में गंगा को स्वच्छ बनाने के लिए केन्द्र सरकार ने गंगा में गिर रहे नालों को बन्द करने के लिए चार बड़े प्रोजेक्ट की मंजूरी दी है, जिसमें पहला सीसामऊ नाले का प्रोजेक्ट है। जिसकी लागत कुल 63 करोड़ निर्धारित की गई थी। यह प्रोजेक्ट पूरी तरह से तैयार हो चुका है और नाले को बन्द किया जा चुका है।

बकरमंडी के पास स्थित नाले के पानी को रोक कर, गंगा में जाने वाले कचरे को निकालने लिए जालीनुमा बड़ा टैंक तैयार किया गया है। नाले का पूरा पानी यहां से सीधे विलगंवा स्थित एसटीपी में भेजा जा रहा है। जहां से गंदे पानी को संशोधित करने के बाद गंगा में छोड़ा जा रहा है। 13 करोड़ 40 लाख का दूसरा प्रोजेक्ट बिठूर में लगभग पूरी तरह तैयार हो चुका है। तीसरा प्रोजेक्ट सीवरेज नेटवर्किंग का है, जिसमें कानपुर के सभी सीवरेज को एक साथ जोड़कर एक स्थान पर दूषित पानी को एकत्र करने के बाद उसे एसटीपी के माध्यम से संशोधित कर शुद्ध जल को गंगा में छोड़ने की योजना है। यह योजना 1430 करोड़ की है। इस पर कार्य जारी है। चौथा प्रोजेक्ट पनकी में है जो 967 करोड़ की लागत से तैयार होगा। इसके तहत जाजमऊ में 30 एमएलडी का प्लांट तैयार किया जाएगा। इस योजना को पूरा करने के लिए 2022 का समय निर्धारित किया गया है,लेकिन यह योजना पूरी होने में समय और लग सकता है। नगर निगम के अधिकारी एवं योजना से जुड़े प्रशासनिक अधिकारी दावा कर रहे हैं कि कुल 17 बड़े नालों को बन्द किया जा चुका है। अब भी दस ऐसे नाले हैं जो सीधे गंगा में गिर रहे हैं। उन्हें भी बन्द कर दिया जाएगा। गंदे पाने को एसटीपी के माध्यम से शुद्ध कर गंगा में प्रवाहित किया जाएगा।

संजीव मिश्रा की हत्या में पीएफआई का कनेक्शन से इनकार नहीं किया जा सकता : सम्राट चौधरी

कटिहार, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी नेता संजीव मिश्रा की हत्या के 24 घंटे से ज्यादा समय बीत गया है और अभी तक उनके हत्यारे की गिरफ्तारी नहीं होने से लोगों में जिला प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। मंगलवार को विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष सम्राट चौधरी ने कटिहार में इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए हत्यारे की गिरफ्तारी को लेकर बिहार सरकार और जिला प्रशासन को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। सम्राट चौधरी ने कहा कि संजीव मिश्रा ने पूरा जीवन पार्टी को दिया। जिले में भाजपा और संघ के विचारधारा को फैलाने का काम ये लोग लगातार लंबे समय से कर रहे थे। इससे पहले भी संजीव मिश्रा पर जानलेवा हमला हुआ था। जिस कारण उस समय एनडीए की सरकार ने उन्हें सुरक्षा मुहैया कराई थी। लेकिन जैसे ही बिहार में सरकार बदली संजीव मिश्रा के सुरक्षा वापस लेने का काम करते हुए हत्या करने की छूट जिला प्रशासन ने दिया। उन्होंने कहा कि जिस तरह से तीन गोली उनके सर में मारी गई यह क्रूरता है। इस तरह का काम अफगानिस्तान में होता है। हिंदुस्तान में नही। जिस तरह से हत्या हुई है इसमें

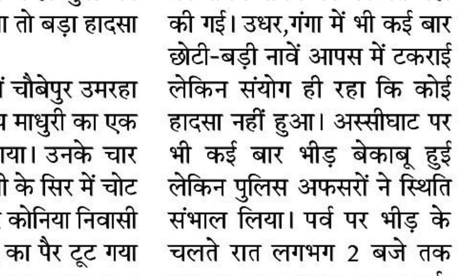

पीएफआई का कनेक्शन से इनकार नहीं किया जा सकता है। सम्राट चौधरी ने कहा कि जबसे महागठबंधन की सरकार बनी है कानून व्यवस्था चरमरा गई है, गुंडे लोग सरकार में आ गए। आज बिहार में कोई सुरक्षित नहीं है।

संजीव मिश्रा पर पूर्व में भी हत्या की कोशिश की गई थी उनमें मो. मौलवी, लालू साहनी और शमीम अख्तर घटना में अभियुक्त है। लेकिन अभी तक इनकी गिरफ्तारी नहीं हुई है। चौधरी ने सरकार और जिला प्रशासन को अस्पष्ट वॉर्निंग देते हुए कहा कि अगले 24 घंटे में गिरफ्तारी नहीं हुई तो कटिहार में पूरी तरह से चक्का जाम करेंगे और भाजपा के तमाम नेता सरकार को जगाने का काम करेंगे।

आयकर की छापेमारी में 100 करोड़ से अधिक के बेहिसाब लेन-देन का खुलासा

रांची, (हि.स.)। आयकर विभाग ने झारखंड में दो विधायकों, उनके सहयोगियों और कारोबारियों के ठिकाने पर हुई छापेमारी का मंगलवार को खुलासा किया है। विभाग के अनुसार तलाशी और जब्ती कार्रवाई के दौरान 100 करोड़ रुपये से अधिक के बेहिसाबी लेन-देन और निवेश की जानकारी हासिल हुई है। साथ ही दो करोड़ रुपये से अधिक की अघोषित संपत्ति जब्त की गयी है। इससे पूर्व 4-5 नवंबर को आईटी ने बेरमो के कांग्रेस विधायक अनूप सिंह उर्फ जयमंगल सिंह और पोड़ैयाहाट के विधायक प्रदीप यादव, आयरन ओर व्यवसायी राजकुमार शाह, कोयला व्यवसायी अजय सिंह सहित कई कारोबारियों के रांची, गोड्डा, बेरमो, दुमका, जमशेदपुर और चाईबासा पटना, गुरुग्राम, कोलकाता सहित कई अन्य स्थानों पर 50 से भी ज्यादा जगहों पर छापेमारी की थी। आयकर विभाग के अनुसार तलाशी के दौरान दो करोड़ रुपये से अधिक की अघोषित नकदी जब्त की गई। कुल 16 बैंक लॉकरों पर रोक लगाई गई है। अब तक की तलाशी में 100 करोड़ रुपये से अधिक के बेहिसाब लेनदेन और निवेश का पता चला है। तलाशी अभियान में बड़ी संख्या में आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य जब्त किए गए हैं। विभाग का कहना है कि इस साक्ष्य के प्रारंभिक विश्लेषण से संकेत मिलता है कि इन समूहों ने कर चोरी के विभिन्न तरीकों का सहारा लिया है। यह भी पाया गया है कि अचल संपत्तियों में निवेश किया गया है। इसके अलावा बड़े पैमाने पर नगदी लेनदेन के जाने के भी सबूत जुटाने का दावा आयकर विभाग ने किया है।

मुख्यमंत्री का कार्यक्रम तय होते ही बदलने लगी सिमरिया घाट की दशा

बेगूसराय, (हि.स.)। बिहार के पवन गंगा तट बेगूसराय की सिमरिया घाट में लगे एशिया प्रसिद्ध कार्तिक कल्पवास मेला के मुख्य कार्यक्रम पूर्णिमा तक का समापन होने के बाद बुधवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सिमरिया आ रहे हैं। दोपहर में मुख्यमंत्री एनटीपीसी के हेलीपैड पर उतरेंगे और वहां से सड़क मार्ग से सिमरिया जाएंगे। मुख्यमंत्री सिमरिया कल्पवास मेला परिक्षेत्र एवं गंगा नदी का निरीक्षण करने के बाद वे कुछ साधु-संतों से भी मिलेंगे। संभावना सिमरिया को कुछ बड़ी सौगात मिलने की भी है। मुख्यमंत्री का कार्यक्रम तय होते ही जिला प्रशासन के अधिकारियों की टीम लगातार निरीक्षण कर रही है और सभी तैयारी युद्ध स्तर पर किए जा रहे हैं। प्रत्येक साल सरकार को सात करोड़ से अधिक राजस्व देने के बावजूद अपेक्षा का शिकार सिमरिया गंगा घाट की दशा और दिशा बदलने लगी है। दशकों से जर्जर सड़क का कालीकरण हो रहा है, मेला क्षेत्र में भी सड़क बनाए जा रहे हैं। विभिन्न जगह पर रंगाई-पुताई और सौंदर्यीकरण का काम काफी तेजी से चल रहा है, बिजली के टावर भी रांगे जा रहे हैं। शौचालय और चापाकल की व्यवस्था दुरुस्त की जा रही है, तीन दिन से लगातार फॉगिंग भी हो रहे हैं। जिला प्रशासन स्थानीय व्यवस्था और एनटीपीसी से लेकर गंगा घाट तक की सुरक्षा तथा बेहतर व्यवस्था के संबंध में

निर्देश दे रहे हैं। स्पेशल ब्रांच की टीम भी सक्रिय मोड में है तथा स्पेशल ब्रांच के कई अधिकारी सिमरिया पहुंच चुके हैं। इधर, कार्तिक कल्पवास मेला संक्रांति 18 अक्टूबर तक चलना है, लेकिन पूर्णिमा से पूर्णिमा तक कल्पवास करने वाले अधिकतर लोग कार्तिक पूर्णिमा के बाद अपने घर की ओर प्रस्थान करने की तैयारी कर चुके हैं। इन कल्पवासियों को अफसोस है कि काश मेला के दौरान मुख्यमंत्री सिमरिया आते तो आज की जा रही वह सभी व्यवस्था पूरी हो जाती, सभी सुविधाएं मिल जाती, जिसके लिए कल्पवासी पूरे कार्तिक महीना तरसते रहे। फिलहाल सारी कवायद के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का सिमरिया आना सुखद संदेश है और साधु-संत ही नहीं, स्थानीय लोगों में उल्लास का माहौल है। उम्मीद है की 2023 में यहां लगने वाले अर्धकुंभ से पहले मुख्यमंत्री का आना व्यवस्था के लिए सकारात्मक साबित होगा।

संपादकीय

आरक्षण पर न हो अनर्गल बहस

वैसे तो आरक्षण सामाजिक न्याय का मुद्दा है लेकिन कुछ ताकतें इसका उपयोग हिन्दुओं में विभाजन एवं द्वेष की लकीरें गहरी करने के लिए करती हैं। जबसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने आर्थिक तौर पर पिछड़े सवर्ण समुदाय को आरक्षण का संवैधानिक सहारा दिया है, तब से ही हिन्दू विरोधी ताकतों इस मुद्दे पर दुष्प्रचार कर रही हैं। उन्होंने गरीब सवर्णों को दिए जानेवाले दस प्रतिशत आरक्षण को संविधान विरोधी और अनुसूचित जाति-जनजाति विरोधी बताने के अनेक धतकर्म किए लेकिन उनकी सभी साजिशें विफल हुईं। यह ताकतें इसलिए भी विफल हुईं क्योंकि समूचे हिन्दू समुदाय ने समझदारी दिखाई। यह व्यवस्था किसी भी प्रकार से किसी का अधिकार नहीं छीनती है बल्कि समानता एवं सामाजिक न्याय की दिशा में सार्थक प्रयास है। हिन्दू विरोधी ताकतों के सभी कुतर्क सर्वोच्च न्यायालय में ढेर हो गए। हालांकि पांच में से 2 न्यायमूर्तियों ने इस व्यवस्था को उचित नहीं माना लेकिन तीन न्यायमूर्तियों ने अपना निर्णय आर्थिक आधार पर 10 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था को सही ठहराया है। मुख्य न्यायाधीश यूयू ललित की अगुवाई वाली 5 सदस्यीय पीठ ने 3:2 से संविधान के 103वें संशोधन के पक्ष में निर्णय सुनाया। यानी अब गरीब सवर्णों को 10 प्रतिशत आरक्षण मिलता रहेगा। हमें समझना चाहिए कि इस मुद्दे के विविध पक्षों पर जितनी चर्चा होनी चाहिए थी, वह न्यायालय में हो चुकी है। अब न्यायालय के बाहर किसी प्रकार की अनर्गल चर्चा की आवश्यकता नहीं है। समाज के सभी वर्गों के जिम्मेदार लोगों को समझदारी दिखाते हुए इस मुद्दे को लेकर आपस में फैलाई जा रही कटुता पर पानी डालना चाहिए और एक सकारात्मक वातावरण बनाना चाहिए। क्योंकि चर्चा से पैसा लेकर और अन्य हिन्दू विरोधी ताकतों के इशारे पर बड़े पत्रकार, लेखक, साहित्यकार एवं कलाकार इत्यादि अभी भी सवर्ण बनाम दलित का झूठा विमर्श खड़ा करने का प्रयास करेंगे। इनकी कोशिश रहती है कि किसी भी तरह हिन्दू समाज के विभिन्न हिस्सों को आपस में उलझा दिया जाए। हमें प्रयास करना है कि ऐसी ताकतें जीते नहीं। यदि आपस में प्रेम और विश्वास की जगह द्वेष और अविश्वास पैदा होता है, तो यह देश कमजोर होगा। देश कमजोर होगा, तो हम सबके सामने समस्याएं आएंगी। अपने देश और समाज को मजबूत बनाने के लिए आवश्यकता है कि हम किसी भी अनर्गल बहस को बढ़ावा न दें। आवश्यकता पड़ने पर इस प्रकार की बहस को तर्क और तथ्यों से खारिज किया जाए। जातिवादी टिप्पणियों से सबको परहेज करना चाहिए क्योंकि जातिवादी टिप्पणियां भारत विरोधी ताकतों के उद्देश्य को पूरा करती हैं। समाज में ऐसा कौन है, जो इसका विरोध करे कि गरीबों को सहारा देकर उनके बीच थोड़ा आत्मविश्वास न जगाया जाए। चाहे जाति के आधार पर कोई पिछड़ गया हो या फिर आर्थिक आधार पर, एक प्रगतिशील समाज होने के नाते हमारा दायित्व बनता है कि अपने हाथ आगे बढ़ाकर सबको समान धरातल पर लाने का प्रयास किया जाए।

> पांच में से 2 न्यायमूर्तियों ने इस व्यवस्था को उचित नहीं माना लेकिन तीन न्यायमूर्तियों ने अपना निर्णय आर्थिक आधार पर 10 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था को सही ठहराया है। मुख्य न्यायाधीश यूयू ललित की अगुवाई वाली 5 सदस्यीय पीठ ने 3 :2 से संविधान के 103वें संशोधन के पक्ष में निर्णय सुनाया। यानी अब गरीब सवर्णों को 10 प्रतिशत आरक्षण मिलता रहेगा। हमें समझना चाहिए कि इस मुद्दे के विविध पक्षों पर जितनी चर्चा होनी चाहिए थी, वह न्यायालय में हो चुकी है।

अमृत कलश

अस्ति' नहीं 'भवति

भारतीय दर्शनों में एक प्रमुख दर्शन है, स्यादवाद का। स्यादवाद किसी भी बात पर फ़ैसला नहीं देता कि बस यही सच है। हो सकता है, यह सच हो और हो सकता है यह सच न भी हो। यह स्यादवाद मुख्य रूप से जैन संप्रदाय का दर्शन है। बुद्ध ने भी इसे कुछ हद तक अपनाया है। इस दर्शन का एक लाभ तो यह है, कि आप किसी के भक्त नहीं हो सकते। कोई भी विज्ञान कोई भी चिकित्सा पद्धति अथवा कोई भी खोज या कोई दावा सत्य नहीं है। इसका एक अर्थ यह भी है कि सब कुछ सापेक्ष नज़रिये से देखो। इसीलिए महावीर और बुद्ध किसी भी बात पर अड़े नहीं। बुद्ध तो खुल कर कहते थे कि कोई भी चीज़ 'है' नहीं है, बल्कि 'हो रही है'। अर्थात 'अस्ति' नहीं 'भवति'। मैंने यह सोचा नहीं बल्कि सोच रहा हूँ। पाणिनि अपने व्याकरण शास्त्र में अस्ति और भवति का सही प्रयोग नहीं कर पाए। इसीलिए "बुद्धं शरनं गच्छामि" लिखा गया है। कोई भी चीज़ या तो थी या होगी। वर्तमान तो फ़िज़ूल है। इसलिए आज जो है वह कल नहीं था और कल नहीं होगा। इसलिए मेरा मानना है, कि जो लोग क़ाज़ी बन कर फ़ैसला करते हैं, वे दरअसल कुतर्क कर रहे होते हैं।

-शंभूनाथ शुक्ल (फेसबुक वॉल से)

बोध कथा

मन की शक्ति अभ्यास से आती है

यह बात उन दिनों की है जब स्वामी विवेकानंद देश भ्रमण में थे। साथ में उनके एक गुरु भाई भी थे। स्वाध्याय, सत्संग एवं कठोर तप का अविराम सिलसिला चल रहा था। जहां कहीं अच्छे ग्रंथ मिलते, वे उनको पढ़ना नहीं भूलते थे। किसी नयी जगह जाने पर उनकी सब से पहली तलाश किसी अच्छे पुस्तकालय की रहती।

एक जगह एक पुस्तकालय ने उन्हें बहुत आकर्षित किया। उन्होंने सोचा, क्यों न यहां थोड़े दिनों तक डेरा जमाया जाये। उनके गुरुभाई उन्हें पुस्तकालय से संस्कृत और अंगरेजी की नयी-नयी किताबें लाकर देते थे। स्वामीजी उन्हें पढ़कर अगले दिन वापस कर देते।

रोज नयी किताबें वह भी पर्याप्त पृष्ठों वाली इस तरह से देते एवं वापस लेते हुए उस पुस्तकालय का अधीक्षक बड़ा हैरान हो गया। उसने स्वामी जी के गुरु भाई से कहा, क्या आप इतनी सारी नयी-नयी किताबें केवल देखने के लिए ले जाते हैं? यदि इन्हें देखना ही है, तो मैं यों ही यहां पर दिखा देता हूं। रोज इतना वजन उठाने की क्या जरूरत है।

लाइब्रेरियन की इस बात पर स्वामी जी के गुरु भाई ने गंभीरतापूर्वक कहा, जैसा आप समझ रहे हैं वैसा कुछ भी नहीं है। हमारे गुरु भाई इन सब पुस्तकों को पूरी गंभीरता से पढ़ते हैं, फिर वापस करते हैं।

इस उत्तर से आश्चर्यचकित होते हुए लाइब्रेरियन ने कहा, यदि ऐसा है तो मैं उनसे जरूर मिलना चाहूंगा। अगले दिन स्वामी जी उससे मिले और कहा, महाशय, आप हैरान न हों। मैंने न केवल उन किताबों को पढ़ा है, बल्कि उनको याद भी कर लिया है। इतना कहते हुए उन्होंने वापस की गयी कुछ किताबें उसे थमायी और उनके कई महत्वपूर्ण अंशों को शब्दशः सुना दिया।

लाइब्रेरियन चकित रह गया। उसने उनकी याददाश्त का रहस्य पूछा। स्वामी जी बोले, अगर पूरी तरह एकाग्र होकर पढ़ा जाए, तो चीजें दिमाग में अंकित हो जाती हैं। पर इसके लिए आवश्यक है कि मन की धारणशक्ति अधिक से अधिक हो और वह शक्ति अभ्यास से आती है।

विचार

विधानसभा चुनावों में भाजपा ने ढाई फीसदी वोट प्रतिशत का इजाफा करते हुए 41.4 प्रतिशत वोट के साथ स्पष्ट बहुमत से 7 सीटें अधिक लेकर 99 सीटें हासिल की एवं सरकार बनायी

गुजरात में सिर्फ विजय नहीं बल्कि बड़े अंतर से जीत हासिल करने की तैयारी में है भाजपा

ललित गर्ग

> गुजरात की जनता इन चुनावों में किसको तिलक करेगी, यह भविष्य के गर्भ में है। भले ही 1995 से ही भाजपा लगातार जमबूती से चुनाव जीतती रही है, क्या इस बार भी वह यह इतिहास दोहरायेगी?कांग्रेस यहां सफल एवं सक्षम प्रतिद्वंद्वी रही है, पिछली बार सत्ता के करीब पहुंचने में वह एक बार फिर चुकी थी, क्या इस बार वह ऐसा कर पायेगी? आम आदमी पार्टी दिल्ली जैसा कोई चमत्कार घटित कर पायेगी? इन सवालों के बीच मुख्य टक्कर तो इस बार भी भाजपा एवं कांग्रेस के बीच है, तीसरे जमबूत दल के अभाव को दूर करते हुए आम आदमी पार्टी अपनी उपस्थिति से भाजपा एवं कांग्रेस दोनों को ही कड़ी टक्कर दे रही है। दोनों ही दलों की इस बार राह कुछ ज्यादा कठिन जान पड़ती है, क्योंकि आप की सफल दस्तक से यहां का चुनावी समीकरण बदलता दिख रहा है, यह चुनाव त्रिकोणात्मक होता दिख रहा है।

चुनाव आयोग द्वारा गुजरात विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के साथ ही राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गयी हैं। किसी भी राष्ट्र एवं प्रांत के जीवन में चुनाव सबसे महत्त्वपूर्ण घटना होती है। यह एक यज्ञ होता है। लोकतंत्र प्रणाली का सबसे मजबूत पैर होता है। राष्ट्र के प्रत्येक वयस्क के संविधान प्रदत्त पवित्र मताधिकार प्रयोग का एक दिन। सत्ता के सिंहासन पर अब कोई राजपुरोहित या राजगुरु नहीं अपितु जनता अपने हाथों से तिलक लगाती है। गुजरात की जनता इन चुनावों में किसको तिलक करेगी, यह भविष्य के गर्भ में है। भले ही 1995 से ही भाजपा लगातार मजबूती से चुनाव जीतती रही है, क्या इस बार भी वह यह इतिहास दोहरायेगी? कांग्रेस यहां सफल एवं सक्षम प्रतिद्वंद्वी रही है, पिछली बार सत्ता के करीब पहुंचने में वह एक बार फिर चुकी थी, क्या इस बार वह ऐसा कर पायेगी? आम आदमी पार्टी दिल्ली जैसा कोई चमत्कार घटित कर पायेगी? इन सवालों के बीच मुख्य टक्कर तो इस बार भी भाजपा एवं कांग्रेस के बीच है, तीसरे मजबूत दल के अभाव को दूर करते हुए आम आदमी पार्टी अपनी उपस्थिति से भाजपा एवं कांग्रेस दोनों को ही कड़ी टक्कर दे रही है। दोनों ही दलों की इस बार राह कुछ ज्यादा कठिन जान पड़ती है, क्योंकि आप की सफल दस्तक से यहां का चुनावी समीकरण बदलता दिख रहा है, यह चुनाव त्रिकोणात्मक होता दिख रहा है। आप नेता अरविंद केजरीवाल कई महीनों से उग्र प्रचार कर रहे हैं, जिसका असर भी दिखने लगा है। झाड़ू लोगों का भरोसा जीत पाएगी या नहीं, यह कह पाना मुश्किल है। इस बार का चुनाव मजेदार होने के साथ संघर्षपूर्ण होगा, इसमें कोई सन्देह नहीं है। चुनावों का नतीजा अभी लोगों के दिमागों में है। मतपेटियां क्या राज खोलेंगी, यह समय के गर्भ में है। पर एक संदेश इस चुनाव से मिलेगा कि अधिकार प्राप्त एक ही व्यक्ति अगर ठान ले तो अनुशासनहीनता एवं भ्रष्टाचार की नकेल डाली जा सकती है। लोगों का विश्वास जीता जा सकता है। सुशासन स्थापित किया जा सकता है। 182 विधानसभा सीटों की यह विधानसभा क्या एक बार फिर भाजपा को सत्ता

पर बिठायेगी? यह प्रश्न राजनीतिक गलियारों में सर्वाधिक चर्चा में है। भले ही त्रिकोणात्मक परिदृश्यों में भाजपा की राह भी संघर्षपूर्ण बन गयी है। क्योंकि इस बार के चुनाव नये परिवेश एवं नवीन स्थितियों के बीच त्रिकोणीय होंगे। यहां के पिछले उप-चुनाव भी त्रिकोणीय संघर्ष के संकेत दे रहे हैं। मगर इस संघर्ष में एक तरफ भाजपा है, तो दूसरी तरफ आप और कांग्रेस। मौजूदा स्थिति यही उजागर कर रही है कि यहां भाजपा व दूसरी पार्टियों के बीच सीधा मुकाबला है। यहां के मतदाता भाजपा, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रभावित हैं। इसीलिए नजर इस बात पर होगी कि गुजरात चुनावों में दूसरे और तीसरे पायदान पर कौन-सी पार्टी कब्जा करती है? भले ही स्थानीय निकाय के चुनावों में, खासकर सूरत के इलाकों में आप ने शानदार प्रदर्शन किया है, जिससे उसे नई ऊर्जा मिली है, मगर यह जोश जीत में कितना बदल पाएगा, इस बारे में अभी कुछ भी कहना मुश्किल है। पिछले विधानसभा चुनावों में भाजपा ने ढाई फीसदी वोट प्रतिशत का इजाफा करते हुए 41.4 प्रतिशत वोट के साथ स्पष्ट बहुमत से 7 सीटें अधिक लेकर 99 सीटें हासिल की एवं सरकार बनायी। उस समय भी मोदी के ही जादू ने असर दिखाया, जादू तो इस बार भी मोदी ही दिखायेंगे। लेकिन एक प्रभावी नेतृत्व एवं आपसी फूट के कारण भाजपा की स्थिति जटिल होती जा रही है। गुजरात में आदिवासी मतदाता की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, आदिवासी समुदाय के मुद्दों की उपेक्षा एवं आदिवासी नेताओं की उदासीनता के कारण इस बार भी यह समुदाय नाराज दिख रहा है। सीटों के बंटवारे के समय उचित एवं प्रभावी उम्मीदवारों का चयन करके इस नाराजगी को दूर किया जा सकता है। आदिवासी समुदाय ऐसा उम्मीदवार चाहता है जो उनके हितों की रक्षा करें एवं आदिवासी जीवन को उन्नत बनाये। इन दिनों आदिवासी संत गणि राजेन्द्र विजयजी का नाम भी उम्मीदवारों की सूची में होने की चर्चा है। ऐसे ही उम्मीदवारों से आदिवासी समुदाय के वोटों को प्रभावित किया जा सकता है। गुजरात चुनाव में मुद्दे तो बहुत से हैं। मुख्य मुद्दा तो मोरबी में हुआ पुल हादसा बन सकता है। जाहिर है, विपक्ष इसे चुनावी मुद्दा बनाकर भाजपा पर तीखे वार करेगा। यहां आम मतदाताओं में सत्तारुढ़ दल के प्रति कुछ असंतोष दिखाई देता है। खासकर पेंशन योजना को लेकर, क्योंकि यहां सरकारी कर्मचारियों की संख्या काफी ज्यादा है, जो चुनाव में तुलनात्मक रूप से कहीं ज्यादा असरकारक होते हैं। यही वजह है कि हर चुनाव में यहां सरकारी कर्मचारियों के मूड को भांपने का प्रयास किया जाता है। नाराज कर्मचारियों एवं उपेक्षित आदिवासी समुदाय- इन दो मुद्दों पर सकारात्मक सोच से भाजपा अपनी कमजोर जड़ों की काट कर सकती है। अब तो चुनावी टिकटों का बंटवारा ही एकमात्र हल है। भाजपा ने इसके खिलाफ भी कमर कस ली है। उसने करीब एक-तिहाई मौजूदा विधायकों का टिकट काट दिया है और नए चेहरों पर भरोसा किया है। एक और प्रभावी कोशिश में उसने करीब एक साल पहले यहां का पूरा मंत्रिमंडल बदल दिया था। यहां तक कि नए मुख्यमंत्री की भी ताजपोशी की गई थी। यह सब इसलिए किया गया, ताकि राज्य सरकार के खिलाफ यदि लोगों में कोई असंतोष है, तो उसको दबाया जा सके। साफ है, यहां भाजपा की कोशिश न सिर्फ चुनाव जीतने, बल्कि बड़े अंतर से मैदान मारने की है। गुजरात चुनाव में आप की उपस्थिति एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। भाजपा एवं कांग्रेस में भारी अंतर्कलह है। नतीजतन, कई बागी नेताओं को आप ने टिकट दिये हैं। निश्चित ही ये बागी अपनी पूर्व पार्टी का नुकसान करेंगे। जाहिर है, इससे यहां चुनावी समीकरण नया रूप लेता दिख रहा है, जिससे मुकाबला कांटे का हो सकता है। आप मुकाबले को तिकोना बना रही है। सबकी नजरें इस बात पर हैं कि यह पार्टी भाजपा और कांग्रेस में से किसके कितने वोट काटती है। कांग्रेस का जोर इस बार रैलियों और आम सभाओं के बजाय डोर टु डोर चुनाव अभियान पर है और उसका दावा है कि यह फलित होगा। मगर बीजेपी के पक्ष में सबसे बड़ी चीज है उसकी मजबूत चुनाव मशीनरी, दूसरी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सर्वप्रिय छवि और तीसरा गृहमंत्री अमित शाह का करिश्माई चुनावी प्रबन्धन एवं प्रभाव। कांग्रेस के पास ऐसी स्थितियों का सर्वथा अभाव है। किसी दौर में भले ही कांग्रेस यहां मजबूत दल हुआ करती थी, लेकिन अब वह काफी कमजोर लग रही है। इसलिये आप को जो भी मजबूती मिलेगी, वह कांग्रेस की कमजोर होती स्थितियों से ही मिलेगी। जाहिर है, कांग्रेस के लिए यहां दोतरफा संघर्ष है। एक तरफ उसे भाजपा से लड़ना है, तो दूसरी तरफ, आप से मिल रही चुनौतियों से पार पाना होगा। बावजूद इसके उसकी चाल सुस्त दिख रही है। इसका फायदा भाजपा को मिलेगा। भाजपा के कुछ वोट टूटते भी हैं तो वे आप एवं कांग्रेस में बंट जायेंगे। त्रिकोणीय चुनावी संघर्ष की स्थिति में असली फायदा भाजपा को ही मिलेगा। यह चुनाव केवल दलों के भाग्य का ही निर्णय नहीं करेगा, बल्कि उद्योग, व्यापार, रोजगार आदि नीतियों तथा प्रदेश की पूरी जीवन शैली व भाईचारे की संस्कृति को प्रभावित करेगा।

अल्पसंख्यकवाद से मुक्ति पर विचार हो

> देश की मुख्यधारा से पृथक वंचित धार्मिक समुदायों की स्थिति के कारणों के मूल्यांकन की आवश्यकता पर बल दिया गया। इस अधिनियम के आधार पर मई 1993 में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग का गठन किया गया। किन्तु राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम-1992 में 'धार्मिक अल्पसंख्यक' की परिभाषा नहीं दी गई है। कौन सा समुदाय अल्पसंख्यक है, इसका निर्णय करने का सारा दायित्व केंद्र सरकार को सौंप दिया गया। इसके पश्चात कांग्रेस सरकार ने अक्टूबर 1993 में पांच धार्मिक समुदायों को अल्पसंख्यकों के रूप में अधिसूचित किया, जिसमें मुसलमान, ईसाई, सिख, बौद्ध एवं पारसी सम्मिलित हैं। इसके पश्चात जैन समुदाय द्वारा उसे भी अल्पसंख्यक का दर्जा दिए जाने की मांग की जाने लगी। तब सरकार ने राष्ट्रीय धार्मिक अधिनियम- 2014 में एक संशोधन करके जैन समुदाय को भी अल्पसंख्यकों की सूची में सम्मिलित कर दिया।

भारत एक विशाल देश है। यहां विभिन्न समुदाय के लोग निवास करते हैं। उनकी भिन्न-भिन्न संस्कृतियां हैं, परन्तु सबकी नागरिकता एक ही है। सब भारतीय हैं। कोई भी देश तभी उन्नति के शिखर पर पहुंचता है जब उसके निवासी उन्नति करते हैं। यदि कोई समुदाय मुख्यधारा के अन्य समुदायों से पिछड़ जाए, तो वह देश संपूर्ण रूप से उन्नति नहीं कर सकता। इसलिए आवश्यक है कि देश के सभी समुदाय उन्नति करें। आज देश में एक बार फिर से अल्पसंख्यक बनाम बहुसंख्यक का विषय चर्चा में है। उल्लेखनीय है कि 'अल्पसंख्यक' का तात्पर्य केवल मुस्लिम समुदाय से नहीं है। देश के संविधान में 'अल्पसंख्यक' शब्द की परिकल्पना धार्मिक, भाषाई एवं सांस्कृतिक रूप से भिन्न वर्गों के लिए की गई है। यह दुखद है कि कांग्रेस द्वारा इसका उपयोग अपने स्वार्थ के लिए किया गया, ताकि उसका वोट बैंक बना रहे। कांग्रेस द्वारा राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम -1992 बनाया गया। इसमें देश की मुख्यधारा से पृथक वंचित धार्मिक समुदायों की स्थिति के कारणों के मूल्यांकन की आवश्यकता पर बल दिया गया। इस अधिनियम के आधार पर मई 1993 में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग का गठन किया गया। किन्तु राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम-1992 में 'धार्मिक अल्पसंख्यक' की परिभाषा नहीं दी गई है। कौन सा समुदाय अल्पसंख्यक है, इसका निर्णय करने का सारा दायित्व केंद्र सरकार को सौंप दिया गया। इसके पश्चात कांग्रेस सरकार ने अक्टूबर 1993 में पांच धार्मिक समुदायों को अल्पसंख्यकों के रूप में अधिसूचित किया, जिसमें मुसलमान, ईसाई, सिख, बौद्ध एवं पारसी सम्मिलित हैं। इसके पश्चात जैन समुदाय द्वारा उसे भी अल्पसंख्यक का दर्जा दिए जाने की मांग की जाने लगी। तब सरकार ने राष्ट्रीय धार्मिक अधिनियम- 2014 में एक संशोधन करके जैन समुदाय को भी अल्पसंख्यकों की सूची में सम्मिलित कर दिया। भारतीय जनता पार्टी का सदैव से यह कहना रहा है कि कांग्रेस अल्पसंख्यकों के नाम पर 'मुस्लिम तुष्टिकरण' की राजनीति करती आई है। भाजपा ने अपने घोषणा पत्रों में भी यह प्रश्न उठाते हुए संकल्प लिया था कि वह 'अल्पसंख्यक आयोग को समाप्त करके इसका दायित्व राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को सौंपेगी। अब चूंकि केंद्र में भाजपा की सरकार है, तो यह विषय चर्चा में आ गया। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1998 में भाजपा सत्ता में आई, उस समय इस संबंध में कुछ नहीं हुआ। कांग्रेस द्वारा गठित द्वितीय राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग को भी समाप्त करने की दिशा में कोई कार्य नहीं किया गया। वास्तव में वर्ष 2004 के पश्चात से भाजपा ने इस विषय पर ध्यान नहीं दिया, अपितु भाजपा ने 2014 के अपने घोषणा पत्र में कहा कि 'स्वतंत्रता के इतने दशकों के पश्चात भी अल्पसंख्यकों का एक बड़ा वर्ग, विशेषकर मुस्लिम समुदाय निर्धनता में जकड़ा हुआ है। भाजपा की इस बात के कई अर्थ निकाले जा सकते हैं। प्रथम यह कि भाजपा स्वीकार करती है कि देश की स्वतंत्रता के इतने वर्षों पश्चात भी मुसलमानों की स्थिति दयनीय है, जैसा कि सच्चर कमेटी की रिपोर्ट कहती है। द्वितीय यह है कि स्वतंत्रता के पश्चात देश में कांग्रेस का ही शासन रहा है तथा उसने मुसलमानों की दशा सुधारने के लिए कुछ नहीं किया तथा मुसलमान इस दयनीय स्थिति में पहुंच गए। इसका एक अर्थ यह भी है कि मुसलमानों की इस दयनीय स्थिति के लिए कांग्रेस उत्तरदायी है। देश और राज्यों में अल्पसंख्यकों को लेकर बड़ी विडंबना की स्थिति है। कोई समुदाय राष्ट्रीय स्तर पर बहुसंख्यक है, तो किसी राज्य में अल्पसंख्यक है। इसी प्रकार कोई समुदाय राष्ट्रीय स्तर पर अल्पसंख्यक है, तो किसी राज्य में बहुसंख्यक है। इसी प्रकार कोई समुदाय एक राज्य में अल्पसंख्यक है तो किसी दूसरे राज्य में बहुसंख्यक है। उल्लेखनीय बात यह भी है कि सुप्रीम कोर्ट में राज्य स्तर पर हिंदुओं को अल्पसंख्यक घोषित करने की मांग वाली याचिकाएं भी दायर की गई हैं। इस संदर्भ में केंद्र सरकार ने अपनी राय देने के लिए समय मांगा है। इस संबंध में 14 राज्यों ने अपनी राय दे दी है, जबकि 19 राज्यों और केंद्र सरकार ने अभी तक अपनी राय नहीं दी है। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट का क्या निर्णय आता है, यह तो समय के गर्भ में छिपा है, किन्तु इतना निश्चित है कि यह एक ज्वलंत विषय है। इससे देश का सामाजिक वातावरण प्रभावित होगा। इससे निपटने का एक सरल उपाय यह है कि देश को अल्पसंख्यक एवं बहुसंख्यक की राजनीति से मुक्ति दिलाई जाए। संविधान की दृष्टि में देश के सब नागरिक एक समान हैं। संविधान ने सबको समान रूप से अधिकार दिए हैं। संविधान ने किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं किया है। इसलिए देश में समान नागरिक संहिता लगाई जाए। इससे बहुत से झगड़े स्वयं समाप्त हो जाएंगे। यदि देश के सभी वर्गों की एक समान उन्नति करनी है, तो उनके धर्म, पंथ या जाति के आधार पर नहीं, अपितु उनकी आर्थिक स्थिति के आधार पर नीतियां बनाने की आवश्यकता है। आर्थिक आधार पर बने नीतियों से उनका समग्र विकास हो पाएगा। ऐसा न होने पर देश अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक की राजनीति में उलझ कर रह जाएगा। ऐसी परिस्थियों में मूल समस्याओं से ध्यान भटक जाएगा, जिससे विकास कार्य प्रभावित होंगे। प्रश्न है कि जब संविधान ने सबको समान अधिकार दिए हैं, तो धार्मिक आधार पर अल्पसंख्यक निर्धारित करने का क्या औचित्य है? वास्तव में निर्धनता का संबंध किसी धर्म, पंथ अथवा जाति से नहीं होता। इसका संबंध व्यक्ति की आर्थिक स्थिति से होता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर उन्नति के पथ पर अग्रसर है। मोदी सरकार द्वारा 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' अभियान चलाया जा रहा है।

नागरिक बोध

पेट्रोल से चलने वाली कारों को, भाप के इंजनों की तरह देखेंगे

वह दिन दूर नहीं जब हम पेट्रोल से चलने वाली कारों को भी उसी दृष्टी से देखने लगेंगे, जैसे अभी भाप के इंजनों को देखते हैं।'- ज्यादा दिन नहीं हुए जब बिजली से चलने वाली कार के भविष्य को लेकर ये बात एलन मस्क नें कही थी। पर लगता है गुजरात में मुख्यमंत्री रहते नरेन्द्र मोदी ने इस बात को लगभग एक दशक से भी ज्यादा पहले समझ लिया था. तभी अक्षय-उर्जा को लेकर उन्होंने अभूतपूर्व पहल करी, और 2014 में सौर उर्जा का उत्पादन जहां पूरे देश में 1000 मेघावाट था, वहीं गुजरात की हिस्सेदारी 1000 मेघावाट से अधिक थी। गुजरात के पाटण जिले के चारण गाँव में 5000 एकड़ पर देश का सबसे बड़ा सौर-उर्जा सयंत्र स्थापित किया गया, जिसकी 500 मेघावाट विद्युत उत्पादन की क्षमता है। राज्य के ही मेहसाणा जिले में नहर के ऊपर 750 मीटर की लम्बाई में सौर पेनल स्थापित किये गए, जो देश में ही नहीं पूरी दुनिया में एक मिसाल है। इसने दिखाया है कि किस प्रकार अलग से जमीन का प्रावधान किये बिना सौर-उर्जा पैदा की जा सकती है, साथ ही नहर का वाष्पीकरण को सीमित किया जा सकता है। इसी प्रकार कच्छ के समुद्री किनारों से लगे लगभग 1600 की.मी. पट्टी पर स्थापित सेकड़ों पवन उर्जा चक्कीयाँ स्थापित की गयी। यही वो क्षेत्र है जहां सन 2014 में दुनिया की सबसे ऊंची 120 मी. पवन चक्की सुजलोन कंपनी द्वारा स्थापित की गयी थी। स्मरण रहे कि उक्रेन-रूस युद्ध से उत्पन्न उर्जा संकट को देखते हुए यूरोपीय संघ के 27 देशों ने उर्जा खपत 15 % कम करने का फैसला किया है। उर्जा के बेलगाम उपभोग की स्थिति ये है कि- भारी सरकारी सब्सिडी के बाद भी - यूरोप के औसत घरों का विद्युत-बिल 1.7* लाख रूपए सालाना आता है। साल भर में गैस के दाम 7 गुना अधिक बढ़ चुके हैं, जबकि यूरोपीय देशों में आधी से अधिक बिजली गैस से प्राप्त होती है। अनुमान है कि 2 लाख करोड़ डॉलर के आसपास इन देशों का और अधिक उर्जा-व्यय बढ़ने वाला है। इसलिए अब रात को स्मारकों में चमक-दमक न के बराबर कर दी गयी है। सार्वजानिक भवनों में एयर कंडीशन का गैर-जरूरी उपयोग पर कड़ी निगरानी बिठा दी गयी है। दूसरी तरफ औसत अमेरिकी वासी 35 भारतीयों के बराबर उर्जा का उपभोग कर लेता है; और, वास्तु और सेवा 53 चीनीयों के बराबर. अब आज की दशा में अमेरिका का कुल राष्ट्रीय कर्ज जीडीपी से सवा गुना अधिक हो चुका है। परिणाम स्वरूप बढ़ती महंगाई पर अंकुश लगाने के लिए केन्द्रीय बैंक ब्याज दर बढ़ाने के लिए विवश हो गया है। इसलिए देशों को मिलने वाले कर्ज की किश्तें और भी महंगी पढ़ने लगी हैं। भारतीय रूपए समेत अन्य देशों की मुद्राओं में डॉलर की तुलना में निरंतर गिरावट इसलिए देखने को मिल रही है। कुल मिला कर इस संकट ने स्मरण कराया है कि उर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का कोई विकल्प नही। अब जबकि केंद्र में मोदी जी की सरकार है, विगत वर्षों में सरकार द्वारा उठाये गए कदमों का परिणाम है कि पिछले सात सालों में सौर उर्जा उत्पादन 17 गुना बढ़ा है, इससे प्राप्त विधुत-क्षमता 50 हजार मेगावाट से अधिक हो गयी है. यही कारण है कि इसी अवधि में वन और वृक्षों के क्षेत्रफल में 13, 031 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि हुई।

देश दुनीया से

राज्यपाल से टकराव का सिलसिला

दक्षिण के दो राज्यों (तमिलनाडु और केरल) की सरकारें अपने-अपने राज्यपालों से दो-दो हाथ कर रही हैं। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक ने राज्यपाल आर एन रवि को हटाने के लिए एक याचिका तक दायर कर दी है, जबकि केरल में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को सत्ताधारी माकपा आरएसएस व भाजपा की कठपुतली बता रही है। यहां तो लगभग सभी दलों का मानना है कि राज्यपाल असांविधानिक तरीके से काम कर रहे हैं। निर्वाचित राज्य सरकारों और केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों (राज्यपाल) के बीच टकराव दशकों पुराना मसला है। पारंपरिक रूप से राज्यपाल तब सुर्खियों में आते थे, जब राज्यों में सरकार के गठन में अड़चन आती थी, खासतौर से तब, जब खंडित जनादेश आता था। अनुच्छेद 356 के दुरुपयोग को लेकर भी राज्यपालों की भूमिका पर सवाल उठते थे, जिसके तहत वे चुनी गई राज्य सरकार को बर्खास्त कर सकते थे और केंद्रीय शासन लगा सकते थे। हालांकि, यह स्थिति 1994 में एस आर बोम्मई बनाम भारत संघ के फैसले के बाद बदल गई। अब राज्य सरकारों को कोई केंद्र सरकार अपनी मर्जी से बर्खास्त नहीं कर सकती। मगर अब केंद्र और राज्यों के संबंधों ने एक अलग मोड़ ले लिया है। दरअसल, उन राज्यों में, जहां केंद्र का विरोध करने वाली पार्टियों की सरकार है, एक दिन भी ऐसा नहीं बीतता, जब राज्य सरकार पर राज्यपाल निशाना न साधते हों, और जवाब में मुख्यमंत्री व उनके मंत्रिमंडल के साथी मैदान में न उतर आते हों। केरल में तो कुलपतियों की नियुक्ति को लेकर राज्यपाल व राज्य सरकार के बीच टकराव इस कदर बढ़ गया है कि इसका असर अब विश्वविद्यालयों के दैनिक कामकाज पर दिखने लगा है। शिक्षाविदों को डर है कि यदि यह तनातनी यूं ही जारी रही, तो विश्वविद्यालयों की बेहतर पठन-पाठन संबंधी रैंकिंग प्रभावित हो जाएगी। केरल और तमिलनाडु की सरकारों को जो बातें परेशान कर रही हैं, वे हैं राज्यपालों के बयान। राज्यपालों के शब्दों से भी जान पड़ता है कि उनका मकसद या तो केंद्र सरकार को खुश करना है या भाजपा की विचारधारा को आगे बढ़ाना। तमिलनाडु में विवाद तब गहरा गया, जब राज्यपाल आर एन रवि ने कहा कि हर देश का एक धर्म होता है और भारत इसका अपवाद नहीं है। द्रमुक ने इस बयान को संविधान की भावना के खिलाफ माना। राज्यपाल के खिलाफ मोर्चा खोल दिया गया, क्योंकि उन्होंने सनातन धर्म या समावेशी हिंदू धर्म की सराहना की थी। वरिष्ठ द्रमुक नेताओं ने यह कहकर हमला बोला कि सांविधानिक प्रमुख के रूप में कार्यरत राज्यपाल को धार्मिक मुद्दों पर अपनी राय नहीं जाहिर करनी चाहिए, भले यह उनका नितांत निजी मामला हो सकता है। राज्यपाल रवि उस वक्त भी आलोचना के घेरे में आ गए, जब उन्होंने तमिल शास्त्रीय ग्रंथ तिरुक्कुलर के 'आध्यात्मिक पहलुओं' को 'निहित स्वार्थों' द्वारा जान-बूझकर कमतर किए जाने का आरोप लगाया, जिसे द्रमुक ने खुद पर हमला माना। उधर, केरल में साल की शुरुआत से ही राज्यपाल के साथ राज्य सरकार की तनातनी शुरू हो गई थी। उस वक्त उन्होंने कृषि विधेयक पर चर्चा के लिए विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने में देरी की थी, जिसे बाद में केंद्र ने वापस भी ले लिया। हालांकि, राज्यपाल कार्यालय से हमले जारी रहे। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने तो एक शिक्षाविद को 'गुंडा' तक कह डाला और राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि वह एक कार्यक्रम में उनकी सुरक्षा करने में विफल रही। अभी कुलपतियों की नियुक्ति को लेकर दोनों में तनाव है। एक तकनीकी विश्वविद्यालय की कुलपति (महिला) की नियुक्ति को रद्द करने संबंधी सुप्रीम कोर्ट के फैसले को आधार बनाकर राज्यपाल खान ने नौ अन्य कुलपतियों से भी इस्तीफे मांग लिए। उनके मुताबिक, इनकी नियुक्तियों में भी नियमों से खिलवाड़ किया गया। संभावित कुलपति के नामों की सूची केरल विश्वविद्यालय की सीनेट भेजती है, जिनमें से राज्यपाल को चयन करना होता है।

> दक्षिण के दो राज्यों (तमिलनाडु और केरल) की सरकारें अपने-अपने राज्यपालों से दो-दो हाथ कर रही हैं। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक ने राज्यपाल आर एन रवि को हटाने के लिए एक याचिका तक दायर कर दी है।

इमरान पर हमले के छह दिन बाद एफआईआर दर्ज, बिलावल भुट्टो ने की निष्पक्ष जांच की मांग

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने इमरान खान पर हुए हमले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने कहा, मैं पूर्व प्रधानमंत्री पर हुए हमले की निंदा करता हूं और इस मामले में एक स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की मांग करता हूं। एक मीडिया चैनल से बातचीत के दौरान बिलावल भुट्टो ने कहा, घरेलू स्तर पर इमरान खान के बारे में कोई कुछ भी सोचता हो, लेकिन यह एक पूर्व प्रधानमंत्री पर हमला है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी ही चाहिए। इससे पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सुप्रीम कोर्ट से इस मामले में एक अदालती आयोग के गठन की मांग की थी। हालांकि, इस पर अभी तक सुप्रीम कोर्ट ने कोई भी निर्णय नहीं लिया है। दरअसल, शहबाज शरीफ का यह बयान इमरान खान द्वारा हत्या की साजिश रचे जाने का आरोप लगाए जाने के बाद आया था। हमले के बाद इमरान खान ने तीन लोगों के नाम लिए थे। उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, आंतरिक मंत्री राणा सनाउल्लाह और मेजर जनरल फैसल नसीर ने उनकी हत्या की साजिश रची थी। हालांकि, सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब प्रांत की पुलिस को 24 घंटे के अंदर इमरान खान पर हमले के मामले में एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था।

इमरान खान पर हुए जानलेवा हमले के छह दिन बाद पंजाब प्रांत की पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पंजाब पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट के अल्टीमेटम के बाद एफआईआर दर्ज की है। दर्ज प्राथमिकी में मुख्य आरोपी के रूप में हिरासत में लिए गए हमलावर नवीद मोहम्मद बशीर का नाम शामिल किया गया है। हालांकि, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, आंतरिक मंत्री राणा सनाउल्लाह और पाकिस्तान के वरिष्ठ सेना अधिकारी मेजर जनरल फैसल नसीर का नाम इसमें शामिल नहीं किया गया है। इमरान खान ने तीनों पर हत्या की साजिश रचे जाने का आरोप लगाया था। वहीं, दूसरी ओर लंदन में इमरान खान के समर्थक ने पीएमएल-एन सुप्रीमो नवाज शरीफ के बेटे हुसैन के दफ्तर के बाहर की दीवार पर स्प्रे पेंट कर दिया। लंदन में यह अपराध की श्रेणी में आता है। घटना सोमवार शाम की है।

न्यूज ब्रीफ

1300 भारतीय विद्यार्थियों को मिला चीनी वीजा, चीन में कोविड पाबंदियों के बीच बड़ी राहत

बीजिंग । चीन ने कम से कम 1300 भारतीय विद्यार्थियों को वीजा दे दिया है। ये विद्यार्थी चीन के विश्व विद्यालयों में पढ़ाई कर रहे थे, लेकिन कोरोना महामारी के चलते वहां से लौट आए थे। उसके बाद से चीन द्वारा वापसी का वीजा नहीं दिए जाने से परेशान थे। चीन ने देश में लागू कोविड पाबंदियों के बीच भारतीय विद्यार्थियों को बड़ी राहत दी है। सोमवार को चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने बीजिंग में नियमित प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी ।उन्होंने कहा कि जहां तक मुझे जानकारी है, कोविड-19 पाबंदियों के बावजूद चीन और भारत के बीच आवाजाही बढ़ी है। कम से कम 1,300 भारतीय विद्यार्थियों को वीजा प्रदान किया गया है। चीनी प्रवक्ता ने यह जानकारी चीनी विश्वविद्यालयों द्वारा भारतीय छात्रों को अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करने में देरी को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में दी। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय विद्यार्थियों से अपने विश्वविद्यालयों के निकट संपर्क में रहने और कैंपस में वापसी की योजना बनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि भारतीय विद्यार्थियों की चीनी यूनिवर्सिटीज के अधिकारियों से संपर्क सूत्र खुले हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार चीन के कम से कम 40 विश्वविद्यालयों ने अब भी भारतीय छात्रों को एनओसी जारी नहीं की है। यह एनओसी चीनी वीजा आवेदन के साथ पेश करना जरूरी है। इससे हजारों भारतीय विद्यार्थियों का भविष्य खराब हो रहा है। ये विश्वविद्यालय छात्रों के पत्राचार का जवाब नहीं दे रहे हैं। कुछ विश्व विद्यालयों का कहना है कि चीन की प्रांतीय सरकारें उन्हें एनओसी जारी करने से रोक रही हैं। चीनी प्रवक्ता ने कहा कि चीन सरकार देश में अपनी पढ़ाई फिर से शुरू करने के लिए विदेशी छात्रों का स्वागत करती है। उन्हें हर संभव सहायता की है। विदेशी छात्र जो चीन में डिग्री हासिल करना चाहते हैं, वे अपने देशों में स्थित चीनी दूतावास और वाणिज्य दूतावास में वीजा के लिए आवेदन कर सकते हैं।

राष्ट्रपति जेलेंस्की की चेतावनी- घर छोड़कर जाने की योजना बना लें राजधानी कीव के निवासी

कीव/वाशिंगटन। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने चेतावनी दी कि रूस उनके देश के ऊर्जा ढांचे पर और हमले कर सकता है। दूसरी ओर, उनके अधिकारी निवासियों से कह रहे हैं कि बिजली सप्लाई नहीं मिलने के हालात को देखते हुए वह घर छोड़कर जाने की योजना बना लें। उधर, अमेरिकी सुरक्षा सलाहकार ने रूसी अधिकारियों से गुप्त बातचीत की। जेलेंस्की ने कहा कि रूस फौजों पर ध्यान दे रहा है। इसका अर्थ हमारे आधारभूत ढांचे पर व्यापक हमले हैं। सबसे पहले उनका निशाना हमारा ऊर्जा ढांचा ही होगा। 45 लाख उपभोक्ता पहले ही बिना बिजली रह रहे हैं। इस बीच, यूक्रेन के प्रति समर्थन भी डगमगा सकता है, क्योंकि सर्दियों में ऊर्जा और खाद्य कीमतें परंपरागत तौर पर ज्यादा रहती हैं। दूसरी ओर, यूक्रेनी राष्ट्रपति के सलाहकार माइखाइलो ने ट्विटर पर कहा कि ऊर्जा ढांचों पर रूसी हमलों के बावजूद यूक्रेन मैदान में डटा रहेगा।

ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक बोले- जलवायु परिवर्तन पर तेजी से काम करने का यही सही समय

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने सोमवार को कहा कि यह जलवायु परिवर्तन पर तेजी से कार्रवाई करने का समय है, क्योंकि यह सही काम है। इसके साथ ही उन्होंने मिस्र में आयोजित सीओपी27 शिखर सम्मेलन में अपने संबोधन के दौरान जलवायु कोष के लिए अपने देश की ओर से 11.6 अरब पाउंड देने को लेकर प्रतिबद्धता जताई। 10 डाउनिंग स्ट्रीट में कार्यभार संभालने के बाद से विश्व मंच पर अपने पहले प्रमुख संबोधन में भारतीय मूल के नेता और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने हरित ऊर्जा में निवेश को नई नौकरियों और विकास के शानदार स्रोत के रूप में इंगित किया। वह पहले ही आशाओं को पूरा करने का संकल्प ले चुके हैं, जो कि पिछले नवंबर में स्कॉटलैंड में यूके के सीओपी26 की अध्यक्षता के दौरान लिया गया था। उन्होंने अपने भाषण में कोप26 (सीओपी26) के अध्यक्ष भारतीय मूल के पूर्व मंत्री आलोक शर्मा को पिछले साल के ग्लासगो जलवायु समझौते को लेकर किए गए उनके प्रेरक कार्यों की सराहना भी की। शिखर सम्मेलन में अपने अपेक्षाकृत संक्षिप्त संबोधन में सुनक ने कहा कि यूक्रेन में पुतिन (रूसी राष्ट्रपति) का घिनौना युद्ध और दुनिया भर में ऊर्जा की बढ़ती कीमतें जलवायु परिवर्तन पर धीमी गति से बढ़ने का कारण नहीं हैं, बल्कि वे तेजी से आगे बढ़ने का एक कारण हैं।

एस जयशंकर की रूस यात्रा पर पूरी दुनिया की नजरें, होगी रूसी विदेश मंत्री से अहम बातचीत

मॉस्को ।
विदेश मंत्री एस जयशंकर की रूस यात्रा पर पूरी दुनिया की नजरें लगी हुई हैं। डॉ एस जयशंकर सोमवार को अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव से मुलाकात करने के लिए रूस की राजधानी मॉस्को पहुंच गए हैं। जयशंकर ने इससे पहले आखिरी बार जुलाई 2021 में रूस का दौरा किया था और उसके बाद अप्रैल 2022 में रूसी विदेश मंत्री लावरोव ने नई दिल्ली की यात्रा की थी। रूस-यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर जयशंकर की यह यात्रा बेहद अहम मानी जा रही है। रूसी संघ के विदेश मामलों के मंत्रालय ने प्रेस रिलीज जारी कर कहा कि आठ नवंबर को मॉस्को में विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर के साथ बातचीत करेंगे।

दोनों देशों के बीच दशकों से खास रणनीतिक साझेदारी

इसमें कहा गया है कि रूस-भारत के बीच कुछ दशकों से खास तरह की रणनीतिक साझेदारी है। दोनों देशों ने आर्थिक, वित्तीय, ऊर्जा, सैन्य-तकनीक, मानविकी, रिसर्च और डेवलपमेंट की दिशा में प्रभावी सहयोग की नीति तैयार की है। दोनों देशों के विदेश मंत्री आपसी सहयोग को आगे बढ़ाने की दिशा में बातचीत करेंगे। बातचीत के मुख्य मुद्दों में व्यापार, निवेश, ट्रांसपोर्ट, लॉजिस्टिक, आपसी व्यापार में राष्ट्रीय मुद्रा के उपयोग, ऊर्जा परियोजना शामिल होंगे। भारत और रूस एक संतुलित और समान दुनिया बनाने और पॉलिसेंट्रिक दुनिया बनाने की दिशा में काम करेंगे जो वैश्विक परिदृष्य में तानाशाही भरे वातावरण को पूरी तरह नकारता है। दोनों देश यूएन चार्टर के मुताबिक जरूरी मुद्दों और नियमों का समर्थन करते हैं। दोनों देश एक ऐसे एजेंडे की वकालत करते हैं और सभी देशों के बीच परिणामदायक संवाद पर जोर देते हैं।

यात्रा को यूक्रेन और रूस में तैनात रहे भारतीय दूतों ने अहम बताया

विदेश मंत्री एस जयशंकर की मॉस्को यात्रा से पहले यूक्रेन और रूस में तैनात रहे भारतीय दूतों ने इस यात्रा को महत्वपूर्ण बताया है। इन्होंने इस तथ्य को भी अहम बताया कि यह वैश्विक ध्यान भी आकर्षित करेगा क्योंकि भारत जी-20 की कुर्सी संभालने की तैयारी कर रहा है। रूस में राजदूत रहे वेंकटेश वर्मा ने कहा कि यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण यात्रा है। डॉ. जयशंकर की मॉस्को यात्रा वैश्विक ध्यान आकर्षित करेगी क्योंकि भारत जी 20 की कुर्सी संभालने के लिए तैयार है। वैश्विक दक्षिण के नेता के रूप में भारत यूक्रेन संघर्ष के शीघ्र अंत के लिए व्यापक आकांक्षाओं को आवाज देगा और कूटनीति और वार्ता पर वापस लौटेगा। एक ऐसा बिंदु जिस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक नेताओं के साथ अपनी बातचीत में बार-बार जोर दिया है।

भारत और रूस के बीच रणनीतिक साझेदारी पर जोर देते हुए दूसरे राजदूत का मानना है कि रिश्ते को आगे बढ़ाने के लिए नियमित आधार पर बातचीत महत्वपूर्ण है। यूक्रेन में पूर्व भारतीय राजदूत वीबी सोनी ने कहा कि रूस के साथ हमारे संबंध बहुत उच्च स्तर पर हैं। जब रणनीतिक स्तर पर आप बहुत आगे हों, तो आपको नियमित आधार पर बातचीत करनी होगी। अंतरराष्ट्रीय पटल पर चीजें इतनी तेजी से विकसित होती हैं कि आपको यह ध्यान में रखना होता है इसका प्रभाव क्या है हमारे संबंध इससे कैसे प्रभावित होने वाले हैं इसलिए, यह एक नियमित बातचीत सत्र है, जिसे दोनों पक्षों से जारी रखना है। हम इसे बारी-बारी से करते हैं जब हम विदेशी सरकार के प्रतिनिधि की मेजबानी करते हैं और अगली बार जब हम उसी उद्देश्य के लिए वहां जाते हैं।

भारत विशिष्ट रूप से मजबूत और प्रभावशाली स्थिति में

रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म कराने के लिए भारत विशिष्ट रूप से मजबूत और प्रभावशाली स्थिति में है। रूस का रणनीतिक साझीदार होने के साथ रूस का पुराना और सच्चा दोस्त होने के अलावा विश्व राजनीति में बढ़ती धमक के बूते भारत ने आठ माह पुराने संघर्ष की समाप्ति की उम्मीद जगा दी है। इन उम्मीदों के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर दो दिवसीय रूस के दौरे पर हैं। इस दौरान रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और उप प्रधानमंत्री एवं व्यापार और उद्योग मंत्री डेनिस मंटुरोव के साथ बातचीत करेंगे। जयशंकर के मॉस्को दौरे से राहत की खबर मिलने पर पूरी दुनिया की निगाह है।

युद्ध की शुरुआत से पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सुलह के काफी प्रयास किए थे। यहां तक कि हमले से एक सप्ताह पहले वे पुतिन से मिलने मॉस्को पहुंचे थे। इसी दौरान मैक्रों ने अपने पश्चिमी साथियों के सामने प्रस्ताव रखा था कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शांति वार्ता का नेतृत्व और मेजबानी का अनुरोध किया जाए, लेकिन यह प्रयास कभी अमल में ही नहीं लाया गया। बहरहाल, न्यूक्लियर डिप्लोमेसी में पीएचडी कर चुके भारत के विदेश मंत्री जयशंकर रूसी अधिकारियों और नेतृत्व से मिलने मॉस्को पहुंचे हैं। वे इस वक्त भारत की विदेश नीति के प्रमुख सिद्धांतकार और उसे लागू भी करने वाले शख्स हैं। वे पूरी दुनिया में मौजूदा दौर के सबसे माहिर कूटनीतिज्ञों में शुमार हैं। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि वे वहां से पूरी दुनिया के लिए अच्छी खबर देंगे।

जलवायु परिवर्तन पर यूएन प्रमुख ने चेताया- नरक के हाईवे पर बढ़ रही दुनिया, सहयोग करें या मरें

संयुक्त राष्ट्र ।
मिस्र के शर्म-अल-शेख में संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता (कॉप 27) में सोमवार को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने दुनिया को चेताते हुए कहा, जलवायु परिवर्तन के चलते दुनिया नरक के हाईवे और पैर एक्सेलरेटर पर है। अपनी जिंदगी की जंग हम तेजी से हार रहे हैं। हमारे पास यह आखिरी मौका है कि आने वाली पीढ़ियों के लिए इस ग्रह को बचा सकें। अब कोई विकल्प शेष नहीं है। या तो सहयोग करें या नरक में जलें। दुनिया में सबसे ज्यादा प्रदूषण फैलाने वाले चीन और अमेरिका से कहा कि वे उत्सर्जन में कमी लाएं और मिलकर मानवता को नष्ट होने से बचाएं। उन्होंने कहा कि या तो हम जलवायु के लिए एकजुट होकर समझौता करें और एक-दूसरे को बचाएं, वर्ना एक साथ आत्मविनाश के रास्ते पर तो बढ़ ही चुके हैं।

उन्होंने सभी देशों से अपील करते हुए कहा कि अगर किसी भी तरह से 2050 तक शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल कर लिया, तब भी मानवता के पास जैसे-तैसे सिर्फ जिंदा रहने का लक्ष्य होगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा हर हाल में दुनिया को 2040 तक कोयला के इस्तेमाल से मुक्त करना होगा। दुनिया के सबसे अमीर और सबसे गरीब देशों के बीच एक समझौते का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा, जीवाश्म ईंधन से संक्रमण में तेजी लाई जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि गरीब देश उत्सर्जन को कम कर सकें और जलवायु प्रभावों का सामना कर सकें जो पहले ही हो चुके हैं। सम्मेलन की मेजबानी कर रहे मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतेह अल सीसी ने कहा, जलवायु परिवर्तन बिना मानवीय प्रयासों के रुकने वाला नहीं। दुनिया के पास अब बहुत कम वक्त बचा है। उन्होंने गरीब और अमीर देशों के बीच नए समझौते का प्रस्ताव रखा, जिसके तहत अमीर और विकसित देश 2030 तक उत्सर्जन खत्म करें और बाकी देशों को 2040 तक उत्सर्जन खत्म करने में मदद करें। संयुक्त राष्ट्र जलवायु प्रमुख सिमोन स्टील ने दुनियाभर के कई बड़े देशों के नेताओं के नहीं आने पर निराशा जताते हुए कहा कि ऐसे रवैये से तो समस्या टलने वाली नहीं है। दुनिया को ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन से गर्म कर तबाही की तरफ ले जाने वालों में 15 गीगा टन के साथ सबसे ऊपर चीन है। वह अकेला भारत, अमेरिका और यूरोपीय संघ के 27 देशों से ज्यादा उत्सर्जन करता है।

15 नवंबर को बड़ी घोषणा करेंगे डोनाल्ड ट्रंप, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान पर अटकलें तेज

वाशिंगटन ।
अमेरिका में मिड-टर्म इलेक्शन यानी मध्यावधि चुनाव होने जा रहा है। इस बीच पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा एलान करते हुए कहा है कि वे 15 नवंबर को बहुत बड़ी घोषणा करने जा रहे हैं। ट्रंप के इस एलान से जहां सियासी अटकलें तेज हो गई हैं वहीं बाइडन सरकार भी असमंसज में पड़ गई है। हालांकि, इस गुप्त घोषणा की अभी तक किसी को भनक नहीं लगी है।

2024 में चुनावी मैदान में फिर से उतर सकते हैं ट्रंप

हालांकि, ट्रंप ने विस्तार से नहीं बताया है कि आखिर वे किस तरह की घोषणा करने वाले हैं। लेकिन उनके इशारे से साफ लग रहा है कि वे 2024 में चुनावी मैदान में एक बार फिर से उतरने वाले हैं। ओहिओ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मैं 15 नवंबर(मंगलवार) को बड़ी घोषणा करने जा रहा हूं। ट्रंप ने जैसे ही घोषणा की उसके बाद भीड़ उत्साह से भर गई और ट्रंप-ट्रंप के नारे लगाने लगी।

मध्यावधि चुनाव में पूरा जोर लगाते हुए ट्रंप तीसरे राष्ट्रपति अभियान शुरू करने की अपनी योजनाओं के बारे में पूरी तरह से मुखर हो गए हैं, उन्होंने हाल के दिनों में कहा है कि वह एक बार फिर से रेस में आएंगे और अपने इरादों को बहुत जल्द स्पष्ट करेंगे। बता दें कि ट्रंप सीनेट के उम्मीदवार जेडी वेंस के पक्ष में मध्यावधि चुनाव की अपनी अंतिम रैली कर रहे थे। इस दौरान ट्रंप ने कहा कि हम चाहते हैं कि आने वाले कल के महत्व में कोई कमी न आए।

अमेरिका में मध्यावधि चुनाव

वहीं अमेरिका में मध्यावधि चुनाव होने जा रहा है। इस चुनाव में लाखों अमेरिकी मध्यावधि चुनाव में मतदान करेंगे।मध्यावधि चुनाव सत्तारूढ़ जो बाइडेन के साथ-साथ डोनाल्ड ट्रंप के लिए भी एक बड़ी अग्निपरीक्षा है। इस चुनाव के नतीजे ही 2024 में अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव की उम्मीदवारी को तय करेंगे।

राजनीति में दिलचस्पी दिखा रहे मस्क, रिपब्लिकन के समर्थन की अपील के बाद डेमोक्रेट के लिए क्या बोले

वाशिंगटन ।
माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर के नए मालिक एलन मस्क अब धीरे-धीरे राजनीति में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। हालांकि, वह क्या चाहते हैं यह तो किसी को नहीं पता, लेकिन उनके हालिया ट्वीट बहुत कुछ इशारा कर रहे हैं।

कुछ समय पहले रिपब्लिकन पार्टी के लिए समर्थन की अपील करने के बाद एलन मस्क ने एक और ट्वीट किया है, जो अब चर्चा का विषय बन गया है। उन्होंने ट्विटर पर लिखा है कि मैं भविष्य में डेमोक्रेट को फिर से वोट देने के विचार के लिए तैयार हूं।

जबकि, इससे पहले मस्क ने ट्वीट कर कहा था कि स्वतंत्र विचारधारा वाले मतदाताओं के लिए: साझा शक्ति दोनों पार्टियों की सबसे बुरी ज्यादतियों को रोकती है, इसलिए मैं एक रिपब्लिकन कांग्रेस के लिए मतदान करने की सलाह देता हूं, यह देखते हुए कि राष्ट्रपति पद डेमोक्रेटिक के पास है।

अब क्या बोले मस्क

रिपब्लिकन के लिए समर्थन की अपील के कुछ देर बाद ही मस्क ने कहा कि स्पष्ट तौर पर इस वर्ष तक पूरी तरह से डेमोक्रेट के वास्तविक मतदान इतिहास के साथ मेरी ऐतिहासिक पार्टी संबद्धता स्वतंत्र रही है और मैं भविष्य में डेमोक्रेट को फिर से वोट देने के विचार के लिए तैयार हूं।

अमेरिका में मध्यावधि चुनाव से कुछ घंटे पहले आया ट्वीट

एलन मस्क के ये ट्वीट तब आए हैं जब, डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन ने मध्यावधि चुनावों से पहले अंतिम बार प्रचार किया। ये चुनाव जो बाइडन के राष्ट्रपति पद को प्रभावित कर सकता है, यूक्रेन के लिए पश्चिमी समर्थन को कमजोर कर सकता है और यहां तक कि डोनाल्ड ट्रंप द्वारा वापसी के प्रयास का रास्ता भी खोल सकता है। शुरुआती मतदान विकल्पों के माध्यम से 4 करोड़ से अधिक मतपत्र डाले गए हैं, जिसका अर्थ है कि दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का भाग्य पहले से ही तय किया जा रहा था। मंगलवार को देश भर में मतदान शुरू होने में कुछ घंटे बाकी थे।

यूरोप में इस साल गर्मी की वजह से 15000 लोगों की मौत, डब्ल्यूएचओ के क्षेत्रीय निदेशक ने दी जानकारी

जिनेवा।
विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के यूरोप के क्षेत्रीय निदेशक डॉ हंस हेनरी क्लूज ने सोमवार को कहा कि इस साल यूरोप में गर्मी की वजह से कम से कम 15,000 लोगों की मौत हो गई। क्लूज ने एक बयान में कहा कि अब तक प्रस्तुत किए गए देश के आंकड़ों के आधार पर, यह अनुमान है कि 2022 में विशेष रूप से गर्मी के कारण कम से कम 15,000 लोगों की मृत्यु हुई है। जिसमें स्पेन में लगभग 4,000 मौतें, पुर्तगाल में 1,000 से अधिक, ब्रिटेन में 3,200 से अधिक और जर्मनी में लगभग 4,500 मौतें स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा गर्मी के तीन महीनों के दौरान दर्ज की गईं।

बढ़ सकता है मौत का आकंड़ा: डब्ल्यूएचओ

डब्ल्यूएचओ के क्षेत्रीय निदेशक ने कहा कि यह अनुमान अभी और बढ़ने की उम्मीद है क्योंकि अधिक देशों में गर्मी के कारण अधिक मौतों की रिपोर्ट दर्ज की जाती हैं। उन्होंने आगे कहा कि उदाहरण के लिए फ्रांस के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्टैटिस्टिक्स एंड इकोनॉमिक स्टडीज ने बताया कि 2019 में (कोविड-19 महामारी से पहले का अंतिम वर्ष) इस अवधि की तुलना में एक जून और 22 अगस्त 2022 के बीच 11,000 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई। आईएनएसईई ने सुझाव दिया कि ये आंकड़े जून के मध्य में समय से पहले एक शुरुआती हीटवेव (गर्म हवाएं यानी लू) के बाद सामने आए थे, जबकि समान्य तौर पर जुलाई के मध्य में हीटवेव के आने की संभावना होती है।

यूरोप सबसे तेजी से गर्म होने वाला क्षेत्र: रिपोर्ट

यूरोप में तापमान 1961-2021 की अवधि में काफी गर्म हो गया है, क्योंकि यह प्रति दशक लगभग 0.5 डिग्री सेल्सियस की औसत दर से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि विश्व मौसम विज्ञान संगठन द्वारा इस सप्ताह जारी की गई एक रिपोर्ट के अनुसार, यह सबसे तेजी से गर्म होने वाला क्षेत्र है। पिछले 50 वर्षों में यूरोपीय क्षेत्र में अत्यधिक तापमान के कारण 1,48,000 से अधिक लोगों की जान गई है। केवल एक साल में कम से कम 15,000 लोगों ने अपनी जान गंवाई है।

भविष्य के लिए सर्तक होना चाहिए

उन्होंने कहा कि 2021 में उच्च प्रभाव वाले मौसम और जलवायु परिवर्तन की घटनाओं के कारण सैकड़ों मौतें हुई और सीधे तौर पर पांच लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए। इनमें से लगभग 84 प्रतिशत घटनाएं बाढ़ या तूफान की वजह से हुई थीं। स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव हमारे क्षेत्र के लोग अब वैश्विक औसत तापमान में 1.1 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के साथ अनुभव कर रहे हैं। ऐसे में यदि तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तरों की तुलना में दो डिग्री सेल्सियस या इससे अधिक बढ़ जाता है, तो हम क्या उम्मीद कर सकते हैं, यह इसकी एक झलक भर है। यह संकेत है कि बदलते जलवायु परिवर्तन को देखते हुए हमें भविष्य के लिए सर्तक हो जाना चाहिए। यह आंकड़ा उस वक्त सामने आया है जब दुनिया भर के प्रतिनिधि और वार्ताकार मिस्र के शर्म अल-शेख में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन 2022 में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को तत्काल कम करने के लिए पूर्व समझौतों पर अमल करने के लिए एकत्र हो रहे हैं। जलवायु परिवर्तन और इससे उत्पन्न संकट लंबे समय से स्पष्ट स्वास्थ्य आपात स्थिति हैं।

राजस्थान में बड़ा प्रशासनिक फेर-बदल

विधायकों की पसंद पर 75 प्रशासनिक अधिकारी के तबादले

जयपुर (हिंस)। चुनाव कार्य से जुड़े अधिकारियों के तबादले पर रोक से ऐन पहले राज्य सरकार ने 75 प्रशासनिक के तबादले कर दिए हैं। इसके तहत 34 उपखंडों में एसडीओ बदले गए हैं, सात एडीएम इधर-उधर हुए हैं और तीन जिला परिषद सीईओ के पद पर तबादले हुए हैं। तबादला सूची में महेंद्र शर्मा को पंचायती राज मंत्री रमेश मीना के विशिष्ट सहायक पद से मुक्त कर दिया गया है। कार्मिक विभाग की ओर से जारी 75 प्रशासनिक अधिकारियों की तबादला व पोस्टिंग सूची में जनप्रतिनिधियों की राय और डिजायर को महत्व दिया गया है। सूची में 7 एडीएम, 3 जिला परिषद सीईओ इधर-उधर किए गए हैं। जबकि, 75 में से करीब आधे तबादले एसडीओ के हुए हैं। करीब 34 उपखंडों में एसडीएम बदले गए हैं। इनमें से 9 रिक्त उपखंडों को तबादले के जरिए भरा गया हैं। तबादला सूची में निर्वाचन विभाग और राज्य निर्वाचन आयोग के रिक्त पद भरे गए हैं। आयोग में सहायक सचिव के रिक्त पद पर एपीओ अपर्णा शर्मा को पोस्टिंग दी गई हैं, जबकि निर्वाचन विभाग में सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रिक्त पद पर अनुज भारद्वाज को लगाया गया है। सरदारशहर उपचुनाव के मद्देनजर निर्वाचन विभाग में इसकी जरुरत महसूस की जा रही थी। नवंबर से मतदाता सूची संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के चलते निर्वाचन से जुड़े अधिकारियों का तबादला नहीं हो सकेगा। इसलिए फील्ड पोस्टिंग बदलने के लिए इस सूची का इंतजार था। कार्मिक विभाग की ओर से जारी तबादला सूची में विनोद कुमार मीणा-एसडीएम गुलाबपुरा भीलवाड़ा, ओम प्रभा-एडीएम प्रतापगढ़, जनक सिंह एसडीएम अकलेरा झालावाड़, देवयानी-एसडीएम देसूरी पाली, हवाई सिंह यादव-एसडीएम मलसीसर झुंझुनूं, रमेश सीरवी पुनाड़िया एसडीएम निंबाहेड़ा चित्तौड़गढ़, श्याम राठौड़-सहायक कलेक्टर आमेर जयपुर-2, अंशुल सिंह-एसडीएम नावां नागौर, अभिषेक चारण-एसडीएम पिड़ावा झालावाड़, अमित कुमार वर्मा-एसडीएम रामगढ़ अलवर, संतोष कुमार मीणा प्रथम-एसडीएम मनोहरथाना झालावाड़ के नाम शामिल हैं। इनके अलावा राजेंद्र सिंह को आरएमएससीएल का कार्यकारी निदेशक, अरुण प्रकाश शर्मा को बीकानेर विश्वविद्यालय का रजिस्ट्रार, महेंद्र कुमार शर्मा को अतिरिक्त आयुक्त विभागीय जांच, नारायण सिंह चारण को प्राच्य विद्या संस्थान निदेशक, परशुराम धानका एडीएम भरतपुर, वृद्धि चंद गर्ग अतिरिक्त आयुक्त (योजना एवं नीति) आबकारी विभाग उदयपुर, रजनी सी.सिंह निदेशक भाषा एवं पुस्तकालय विभाग, रेणू खंडेलवाल अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन)-1 राजमेस जयपुर, दाताराम सीईओ जिला परिषद-कम-अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक, ईजीएस एवं पदेन मुख्य परियोजना अधिकारी जैसलमेर, अरविंद कुमार सेंगवा एडीएम दौसा, रामचंद्र बैरवा सीईओ जिला परिषद प्रतापगढ़ लगाया गया है। इसी तरह शिवचरण मीणा एडीएम टोंक, निशु कुमार अग्निहोत्री उपायुक्त एवं शासन उप सचिव (प्रथम) पंचायती राज विभाग, कृष्ण कन्हैया गोयल रजिस्ट्रार वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा, अशोक सांगवा-रजिस्ट्रार बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय बीकानेर, रामकिशोर मीणा सीईओ जिला परिषद-कम अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक, ईजीएस एवं पदेन मुख्य परियोजना अधिकारी (माडा) दौसा, चांदमल वर्मा निदेशक गोपालन जयपुर, अशोक कुमार चौधरी उपस्थापक अधिकारी विभागीय जांच जयपुर, गोपाल लाल स्वर्णकार एडीएम जैसलमेर, रणजीत सिंह सीईओ जिला परिषद-कम अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक, ईजीएस एवं पदेन मुख्य परियोजना अधिकारी (माडा) लगाया गया है।

एमबीबीएस कोर्स में बांड पॉलिसी के तहत बढ़ाई फीस के विरोध में फूंका पुतला

भिवानी (हिंस)। छात्र संगठन आल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंड्स ऑर्गेनाइजेशन (एआईडीएसओ) ने हरियाणा में एमबीबीएस कोर्स में बांड पॉलिसी की आड़ में बढ़ाई गई फीस के विरोध में मंगलवार को स्थानीय दिनोद गेट पर पुतला फूंका। इस मौके पर छात्र नेत्री ईशा कश्यप ने कहा कि नवंबर-2020 में हरियाणा सरकार ने बांड पॉलिसी की आड़ में एमबीबीएस कोर्स की फीस बढ़ा कर 40 लाख करने की नीति लाई थी। भारी दबाव की वजह से फीस वृद्धि को अब तक लागू नहीं कर पाई थी, लेकिन 7 साल सरकारी अस्पतालों में काम करने के नाम से 40 लाख रुपए का बांड भरवाया था, लेकिन इस बार हरियाणा सरकार ने एडमिशन के समय 10 लाख रुपए प्रतिवर्ष जमा करवाने की शर्त थौंप दी और साथ ही कहा की वर्ष 2020 और 2021 के छात्रों को भी 10 लाख प्रति वर्ष के हिसाब से फीस जमा करनी पड़ेगी। असल में यह फीस वृद्धि नहीं खुली लूट है। उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेश की जनता को गुमराह कर रही हैं कि कोई भी डॉक्टर सरकारी अस्पतालों में सेवा नहीं देना चाहता, इसलिए हमने ये बांड पॉलिसी लाई है।

जेयू ने वीसी हिमालयन यूनिवर्सिटी इटानगर के रूप में नियुक्ति पर प्रोफेसर शर्मा को किया सम्मानित

जम्मू। प्रोफेसर उमेश राय उपकुलपति जम्मू विश्वविद्यालय ने प्रोफेसर कुलदीप कृष्ण शर्मा पूर्व डीन और प्रमुख, जूलॉजी विभाग जम्मू विश्वविद्यालय को हिमालय विश्वविद्यालय, ईटानगर अरु णाचल प्रदेश के उपकुलपति के रूप में उनकी नियुक्ति पर सम्मानित किया। प्रो. उमेश राय ने कहा कि प्रोफेसर शर्मा का कई दशकों में एक शानदार करियर रहा है और मुझे यकीन है कि हिमालय विश्वविद्यालय को अनुसंधान और शिक्षण के क्षेत्र में उनके समृद्ध अनुभव से अत्यधिक लाभ होने वाला है। प्रोफेसर कुलदीप कृष्ण शर्मा को हाल ही में फेलोशिप कार्यक्रम के तहत भारत के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक निकाय यानी इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन कोलकाता द्वारा वरिष्ठ वैज्ञानिक / प्रोफेसर की श्रेणी के तहत आशुतोष मुखर्जी फेलोशिप से सम्मानित किया गया है। वह भारत के हिमालयी राज्यों के जल निकायों में मछली विविधता में गिरावट पर काम करेंगे। अन्य लोगों में प्रोफेसर अरविंद जसरोटिया, रजिस्ट्रार जम्मू विश्वविद्यालय, एस के शर्मा पूर्व जम्मू-कश्मीर राज्य सूचना आयुक्त, प्रोफेसर जसबीर सिंह डीन सामाजिक विज्ञान संकाय, प्रोफेसर कुलदीप एस चाढ़क गणित विभाग, डॉ. नीरज शर्मा व अन्य इस अवसर पर मौजूद थे।

एक परीक्षार्थी से उत्तर पूछकर दूसरे को बताते कैमरे में कैद हुआ निरीक्षक

फतेहाबाद (हिंस)। शहर में 5 व 6 नवंबर को हुई कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) परीक्षा में निरीक्षक द्वारा नकल करवाने का एक मामला सामने आया है। सिरसा रोड स्थित निजी स्कूल में ड्यूटी पर तैनात एक निरीक्षक ही परीक्षार्थियों को नकल करवाते हुए सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा बनाए गए कंट्रोल रूम में जब परीक्षा केंद्रों में लगे कैमरों की फुटेज की जांच में यह करतूत पकड़ी गई। आयोग ने इस पर तुरंत संज्ञान लेते हुए उसी दौरान निरीक्षक की ड्यूटी बदलवा दी थी और अब आयोग द्वारा निरीक्षक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। एचएसएससी के चेयरमैन भोपाल सिंह खदरी ने बताया कि इस बार परीक्षा में पूरी सतर्कता थी। नकल पर रोक के लिए हाईटेक तरीके अपनाए गए। हर परीक्षा केंद्र को सीसीटीवी सर्विलांस पर लिया हुआ था। 6 नवंबर को सुबह के सत्र में फतेहाबाद के सिरसा रोड स्थित एक निजी स्कूल में बने परीक्षा केंद्र पर ड्यूटी पर तैनात निरीक्षक एक परीक्षार्थी से उत्तर पूछ कर दूसरे परीक्षार्थी को बता रहा था। सीसीटीवी फुटेज में जब यह सब कुछ देखा तो इस पर तुरंत एक्शन लिया गया, तुरंत उस निरीक्षक की ड्यूटी वहां से बदलवा दी गई। दो बार उसने ऐसा किया तो सुपरिन्टेंडेंट को बताया गया। अब जिला प्रशासन को उक्त निरीक्षक के खिलाफ कार्रवाई करने को लिखित में कहा जाएगा। चेयरमैन भोपाल सिंह ने कहा कि नकल के ऐसे मामले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पंचकूला में बने कंट्रोल रूम में 27 एलईडी लगाई गई थी, जिन पर 1200 परीक्षा केंद्रों को जोड़ा गया था। हर परीक्षा केंद्र पर लगातार नजर रखी जा रही थी।

जम्मू-कश्मीर में 30000 युवाओं को मिली नौकरी : डार

जम्मू। श्रीनगर कश्मीर के हजरतबल जिले के एक भाजपा कार्यकर्ता मोहम्मद अमीन डार ने आज एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने पूरे देश के आम और गरीब लोगों और विशेष रूप से जम्मू और कश्मीर के लोगों के लिए कल्याणकारी कार्यों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की। प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए मोहम्मद अमीन डार ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने गरीब जनता के लाभ और उत्थान के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं जिनमें मुख्य रूप से गोल्डन हेल्थ कार्ड, बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ योजना, श्रम कार्ड, वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने बेघर लोगों को घर बनाने के लिए पैसे भी उपलब्ध कराए हैं और यहां तक कि पूरे भारत में सड़क संपर्क को अगले स्तर तक बढ़ाया है, जिसके कारण अब देश और यहां तक कि जम्मू-कश्मीर जहां सड़क संपर्क सबसे खराब था अब सबसे अच्छा है। उन्होंने आगे कहा कि कश्मीर के कंगन में सड़क पर एक महत्वपूर्ण पुल का निर्माण किया गया है, जिसने कई क्षेत्रों को जोड़ा है, जबकि यात्र के समय को काफी हद तक कम करने के लिए जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर काम तेजी से चल रहा है। साथ ही सभी मौसम में कनेक्टिविटी मुहैया कराने के लिए लद्दाख जाने वाली सड़क पर भी काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने जम्मू-कश्मीर में युवाओं को 30000 नौकरियां दी हैं और हुर्रियत की स्ट्राइक कल्चर को कुचलकर कश्मीर में व्यापारियों को बड़ी राहत दी है, जिसके कारण 20 दिनों से अधिक समय तक दुकानें बंद रहती थीं। कश्मीर में पथराव पूरी तरह से बंद हो गया है और बड़ी संख्या में पर्यटक आ रहे हैं।

दसवीं कक्षा की छात्रा के साथ छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद (हिंस)। दसवीं कक्षा की छात्रा के साथ छेड़छाड़ करने वाले युवक को थाना एनआईटी प्रभारी सुनीता की टीम ने गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने मंगलवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपी का नाम कमल हसन (19 वर्ष) है। आरोपी एनआईटी फरीदाबाद का रहने वाला है। पुलिस टीम ने आरोपी को अपने सूत्रों से प्राप्त सूचना से गांधी कॉलोनी से थाना एनआईटी के छेड़छाड़ के मामले में गिरफ्तार किया है। आरोपी ने एनआईटी में रहने वाली एक दसवीं कक्षा की छात्रा के साथ छेड़छाड़ करने की वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता की शिकायत पर थाना एनआईटी में मामला दर्ज किया गया है।

पंजाब में लागू होगा आनंद मैरिज एक्ट : भगवंत मान

गुरुपर्व के अवसर पर तख्त केसगढ़ साहिब में टेका माथा

आनंदपुर साहिब (हिंस)। गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के पवित्र मौके पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को तख्त केसगढ़ साहिब में माथा टेका और ऐलान किया कि आनंद मैरिज एक्ट को यथावत लागू किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस एक्ट को 2016 में नोटिफाई किया गया था परंतु तब से यह लटक रहा है। उन्होंने कहा कि चाहे कई अन्य राज्य पहले ही इस एक्ट को लागू कर चुके हैं परंतु पंजाब इससे पिछ? गया है। भगवंत मान ने कहा कि इस एक्ट को अब सही मायनों में लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री तख्त केसगढ़ साहिब में नतमस्तक हुए और उन्होंने अरदास की कि राज्य में सांप्रदायिक सांझ, शांति और भाईचारे की भावनाएं हर गुजरते दिन के साथ ज्यादा मजबूत हों और पंजाब हर क्षेत्र में देश का नेतृत्व करे। प्रकाश पर्व के शुभ मौके पर संगत को हार्दिक बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी एक महान आध्यात्मिक नेता थे, जिन्होंने मानवता को परमात्मा की भक्ति के द्वारा मुक्ति प्राप्त करने का रास्ता दिखाया। भगवंत मान ने कहा कि गुरू जी की *किरत करो, नाम जपो और वंड छको* की शाश्वत शिक्षाएं आज के पदार्थवादी समाज में भी प्रासंगिक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने जात-पात रहित समाज की कल्पना की थी जिससे दुखी मानवता को तकलीफों से मुक्त करवाया जा सके। उन्होंने कहा कि श्री गुरु नानक देव जी ने मानवता को नए विचारों, आदर्शों और जिज्ञासाओं के साथ प्रेरित किया और पाखंड, झूठ, फरेब और जात-पात की बुराइयों से छुटकारा पाने का न्योता दिया। भगवंत मान ने लोगों से अपील की कि वह महान गुरू द्वारा दिखाई सेवा और नम्रता की भावना को अपनाएं और श्री गुरु नानक देव जी की अनमोल विरासत पर चलते हुए शांतमयी, खुशहाल और स्वस्थ समाज की सृजन करना के लिए तन-मन से यत्नकरें। गुरबाणी की तुक *पवनु गुरू पानी पिता, माता धरति महतु* का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरू जी ने हवा को गुरू, पानी को पिता और धरती की माता के साथ तुलना की है। भगवंत मान ने कहा कि गुरू जी की दूरदर्शी सोच का पता इन बातों से लगता है कि उन्होंने उस समय लोगों को पर्यावरण संरक्षण का उपदेश दिया था, जब हवा प्रदूषण कहीं भी नहीं था।

राजस्थान में कोरोना के 31 नए संक्रमित

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में मंगलवार को कोरोना के 18 मरीज रिकवर हुए, जबकि 31 नए संक्रमित सामने आए। राहत यह रही कि कोरोना के कारण किसी मरीज की मौत नहीं हुई। अब राज्य में कोरोना के सक्रिय मामले 343 हैं। चिकित्सा विभाग की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार मंगलवार को जोधपुर में सबसे ज्यादा 6 नए मरीज मिले। इसके बाद पाली में 5 नए संक्रमित सामने आए। जबकि, अलवर एवं जयपुर में 4-4, बीकानेर एवं सीकर में 3-3, अजमेर व प्रतापगढ़ में 2-2 तथा भरतपुर व सवाई माधोपुर में एक-एक नया संक्रमित मिला। प्रदेश में मंगलवार को रिकवरी दर कमजोर रही। इस कारण केवल 18 मरीजों को ही संक्रमण से राहत मिल सकी।

पार्षद शाम बसन ने वार्ड 48 में तारकोल बिछाने का कार्य करवाया शुरू

जम्मू। जम्मू नगर निगम (जेएमसी) के पार्षद शाम बसन ने आज वार्ड नंबर 48 में ब्लैक टॉपिंग का काम शुरू करवाया। ब्लैक टॉपिंग कार्य का उद्घाटन पार्षद शाम बसन ने वार्ड-48 के गणमान्य नागरिकों एवं वार्डवासियों की उपस्थिति में शुरू करवाया। यह स्थानीय लोगों की लंबित मांग थी और लोगों की इस लंबित मांगों को पूरा किया गया है। बाद में पार्षद शाम बसन ने एईई और जेई के साथ वार्ड 48 और उसके आसपास के इलाकों का भी दौरा किया, स्थानीय लोगों से मुलाकात की, जिन्होंने सार्वजनिक महत्व के विभिन्न मुद्दों जैसे लंबित गलियों और नालियों के निर्माण / नवीनीकरण, मुख्य सड़कों के ब्लैकटॉपिंग को भी रखा। पार्षद ने उन्हें धैर्यपूर्वक सुना और आश्वासन दिया कि उनकी सभी वास्तविक मांगों का समयबद्ध तरीके से समाधान किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि वार्ड में विकास कार्य करवाना उनकी पहली प्राथमिकता है।

जयपुर : गुरु नानक देव का प्रकाश पर्व पर सजे गुरुद्वारों में विशेष कीर्तन दीवान

जयपुर (हिंस)। राजधानी जयपुर में सिख धर्म के पहले गुरु नानक देव का प्रकाश पर्व मंगलवार को मनाया गया। इस मौके पर शहर के गुरुद्वारों में विशेष कीर्तन दीवान सजाए गए। स्थानीय रागी जत्थे शबद गायन किया गया। मुख्य आयोजन राजापार्क गुरुद्वारे में हुआ। जहां सुबह कार्यक्रम की शुरुआत नितनेम के साथ हुई। इसके बाद कीर्तन दीवान सजे। यहां संगत गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेक अरदास की गई। राजापार्क गुरुद्वारे में सुबह नितनेम के साथ शबद गायन शुरू हुए। इसके बाद हजूरी रागी दरबार साहिब के भाई ओंकार सिंह ने आसा दी वार का कीर्तन किया। इसके बाद विशेष कीर्तन दरबार सजा। जिसमें देशभर के रागी जत्थे शबद कीर्तन किया गया। इसमें हजूरी रागी दरबार साहिब के भाई गुरचरण सिंह, कथा वाचक डॉ. मनप्रीत सिंह, भाई मस्तान सिंह, परमजीत सिंह आदि शबद कीर्तन किए गए। ट्रांसपोर्ट नगर गुरुद्वारा मोड स्थित गुरुद्वारा दमदमा साहिब कलगीधर शस्त्र में विशेष दीवान सजा, इसमें रागी जत्थों ने शबद गायन से संगत को निहाल किया। इसके बाद गुरु का अटूट लंगर बरताया गया। गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के अध्यक्ष तरवेन्द्र सिंह राय ने बताया कि दिल्ली के हजूरी रागी जत्थे के साथ जयपुर के भाई रघुवीर सिंह, दीप सिंह और गुरदीप सिंह शबद गायन किया। चांदी की टकसाल स्थित गुरुद्वारे में भी विशेष कीर्तन दीवान सजा। सेवादार सरकार सुरेंद्र सिंह रोबिन ने बताया कि कीर्तन दीवान में देशभर के रागी जत्थे शबद गायन किया गया। इसके साथ ही शहर के मालवीय नगर, पानीपेच, गुरूनानकपुरा, मानसरोवर हीरा पथ, थड़ी मार्केट सहित अन्य गुरुद्वारों में भी विशेष दीवान सजे है। गुरुद्वारों में स्थानीय रागी जत्थों द्वारा शबद गायन किया गया।

अर्बन लोकल बॉडी सफाई कर्मचारियों का प्रदर्शन

जम्मू। अपनी लंबित मांगों को लेकर अर्बन लोकल बॉडी सफाई कर्मचारी यूनियन ने प्रदर्शन किया। पत्रकारों से बात करते हुए प्रदर्शनकारियों ने कहा कि 26 सितंबर को निदेशक, शहरी स्थानीय निकाय जम्मू द्वारा आश्वासन के अनुसार सभी जम्मू-कश्मीर सफाई कर्मचारियों की मांगों के संबंध में और कर्मचारियों की शिकायतों के निवारण के लिए शहरी स्थानीय निकाय, जम्मू-कश्मीर द्वारा कोई कदम नहीं उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी प्रमुख मांगे है कि दैनिक वेतनभोगी/सफाई कर्मचारी, जिन्होंने अपनी 7 वर्ष की सेवा पूरी कर ली है, को नियमति किया जाए। समस्त नगर पालिका/नगर परिषद में सफाई कर्मचारी के सभी रिक्त पदों को भरना। एसआरओ 43 के तहत आने वाले सभी मामलों को हल करना। पुरानी पेंशन योजना को लागू करना। कर्मचारियों को ढाई दिन का वेतन देना। न्यूनतम वेतन को जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के अनुसार अधिनियम बनाना। उन्होंने उल्लेख करते हुए कहा कि बहुत खेद है कि विभाग ने देरी की रणनीति अपनाई है और अब मामला बहुत ही आकस्मिक प्रकृति में है और इस प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से हम घोषणा करते हैं कि यदि हमारी वास्तविक मांगों को 10 दिनों में पूरा नहीं किया गया तो हम लखनपुर से बारामूला तक अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने के लिए विवश होंगे।

तीन न्यायालयों में 18 नवीन पदों का सृजन

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने नवसृजित सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट खंडेला (सीकर), छत्तरग? (बीकानेर) एवं रैनी (अलवर) न्यायालयों के लिए 18 नवीन पदों के सृजन को मंजूरी दी है। प्रस्ताव के अनुसार, प्रत्येक नवसृजित न्यायालय में लिपिक ग्रेड-द्वितीय, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के एक-एक पद तथा प्रोसेस सर्वर के 4 पदों सहित तीनों न्यायालयों के लिए कुल 18 पदों के सृजन को स्वीकृति दी गई है। उल्लेखनीय है कि नवसृजित न्यायालयों के लिए नवीन स्टाफिंग पैटर्न एवं संशोधित नियमों के अनुसार पदों का सृजन किया गया है। गहलोत के इस निर्णय से नवसृजित न्यायालयों के संचालन में सुगमता होगी।

जम्मू-कश्मीर में हर्षोल्लास के साथ मना गुरु नानक देव जी का प्रकाशोत्सव

जम्मू। गुरु नानक देव जी का प्रकाशोत्सव जम्मू-कश्मीर में भी बेहद हर्षोल्लास और धूम-धाम के साथ मनाया गया। सिखों के प्रथम गुरु गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव को को धूमधाम से मनाने के लिए पहले से ही गुरु द्वारों में तैयारियां जोरों पर थी। कहीं पर गुलाब के फूलों से गुरु द्वारा साहिब को सजाया गया तो कहीं विभिन्न फूलों से पूरे गुरुद्वारा सजे थे। जम्मू शहर के चांद नगर गुरु द्वारा में मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां दीवान सजाया गया। गुरु नानक देव जी का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु गुरुद्वारा पहुंचे। भाजपा प्रदेशध्यक्ष रविंद्र रैना भी गुरु नानक देव जी के प्रकाशोत्सव पर जम्मू-कश्मीरवासियों को शुभकामनाएं दी और गुरु नानक देव जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। गुरु नानक जयंती को गुरु पर्व, प्रकाश पर्व, गुरु पूरब कहा जाता है। इस दिन सिखों के पहले गुरु गुरु नानक देव जी का जन्म हुआ था। गुरु नानक देव जी ने ही सिख धर्म की स्थापना की थी। इस दिन सिख समुदाय के लिए लोग सुबह प्रभात फेरी निकालते हैं। गुरु द्वारे जाकर मत्था टेकते हैं व कीर्तन करते हैं। गुरु पर्व पर चारों ओर दीप जला कर रोशनी की जाती है।

महिला सशक्तीकरण की राह में बैंक बन रहे रोड़ा, धूल फांक रहीं ऋण की फाइलें

झालावाड़(हिंस)। एक और भले ही राजस्थान सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर और उन्हें सशक्त बनाने के लिए भरकस प्रयास कर रही है। वहीं सरकारी खजाने से भी करोड़ों रुपए का प्रावधान रख महिलाओं को राहत देना चाहती है। लेकिन सरकारों की इस मंशा को पूरी करने में बैंक रोड़ा बन रहे हैं। यह सत्य है कि संबंधित विभाग पूरी इमानदारी से महिलाओं से जुड़ी ऋण की फाइलों को बैंकों तक समय पर भेज रहे हैं। मामला महिला अधिकारिता विभाग की योजनाओं का हैं। जिले में 2022 में 299 कुल आवेदन आए। इनमें 101 आवेदन बैंक भेजे लेकिन विभिन्न बैंकों ने केवल 3 ऋण मंजूर किए। योजनाओं से जुड़ी जब कुछ महिलाओं ने व्यक्तिगत तौर पर जानकारी देते हुए बताया कि इंदिरा महिला शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना के तहत ऋण के लिए आवेदन विभाग के माध्यम से विभिन्न बैंकों तक पहुंच गए हैं। लेकिन बैंक में जाते हैं तो उन्हें कोई न कोई बहाने बनाकर चक्कर कटाए जा रहे हैं। जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण इलाकों की कई बैंकों में बड़ी संख्या में महिलाओं के आवेदन लंबित पड़े हैं। जबकि आवेदनों की कोई कमी निकाल देने के बाद संबंधित पूर्ति भी समय पर करने के बावजूद भी बैंक अधिकारी महिलाओं को ऋण देने में फिसड्डी साबित हो रहे हैं। योजना के तहत जरूरतमंद महिलाओं को व्यापार के लिए 10 लाख रुपये, व्यक्तिगत महिला लाभार्थी 50 लाख, समूह और उद्योग स्थापना के लिए एक एक करोड़ रुपए तक ऋण मिलता हैं। जबकि समय पर ऋण चुकाने पर25 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाता हैं। इंदिरा शक्ति योजना के तहत पिछले साल में झालरापाटन में रेडिमेट पर 94 हजार 500 रुपए ,बकानी में 5 लाख 70 हजार जनरल स्टोर और झालावाड़ में 1 लाख 95 हजार रेडिमेट गारमेंट के लिए मंजूर हुए हैं। महिला उद्यमियों के ऋण आवेदन विभिन्न बैंकों के स्तर पर लंबित चल रहे है। जिसमें ऋण स्वीकृति के मामले शामिल हैं। उद्यम प्रोत्साहन योजना राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजना है। लेकिन बैंक तो उनकी ही मर्जी से चलते हैं। जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण इलाकों में जरूरतमंद महिलाएं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता या ई मित्र के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करती हैं। इसमें उपनिदेशक/सहायक निदेशक महिला अधिकारिता के यहा आनलाइन आवेदन आने के बाद जांच की जाती हैं। इसके बाद बैंक भेज दिया जाता हैं। करीब दो दर्जन प्रकार की श्रेणी में ऋण के लिए आवेदन किया जा सकता हैं। महिला अधिकारिता विभाग के कार्यवाहक उपनिदेशक मनोज मीणा ने बताया कि उनके यहां फाइल आते ही उसे समय पर बैंक भेजते हैं। लेकिन बैंक से बड़ी संख्या में आवेदन पेंडिंग चल रहा है।

आने वाले दिनों में महंगा हो सकता है सोना : करंसी सपोर्ट के लिए केंद्रीय बैंकों ने खरीदा 4 गुना गोल्ड, सोना खरीदने में आरबीआई टॉप पर

नई दिल्ली।
आर्थिक अनिश्चितता के बीच आरबीआई जैसे दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने सोने का भंडार बढ़ाया है। लोकल करंसी को सपोर्ट के लिए जुलाई-सितंबर तिमाही में इन्होंने 399.3 टन सोना खरीदा। यह पिछले खरीदे गए 90.6 टन सोने से 4.4 गुना ज्यादा है। यह एक दशक से ज्यादा समय में किसी एक तिमाही में केंद्रीय बैंकों की सबसे बड़ी गोल्ड खरीद है।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्ल्यूजीसी) की डिमांड ट्रेंड्स रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 के पहले नौ महीनों में सेंट्रल बैंकों की गोल्ड डिमांड बढ़कर 673 टन हो गई। यह 2018 में 656.6 टन सोने की रिकॉर्ड खरीदारी से भी 2.5प्रतिशत ज्यादा है।

सोना खरीदने में आरबीआई टॉप पर

जुलाई से सितंबर की तिमाही में खरीदारों में आरबीआई तीसरे नंबर पर रहा। आरबीआई ने विदेशी मुद्रा भंडार में 17.5 टन सोना जोड़ा। आरबीआई ने अप्रैल 2020 से लेकर सितंबर 2022 के बीच सबसे ज्यादा 132.4 टन सोना खरीदा।

2023 के लिए सेंटिमेंट पॉजिटिव

अजय केडिया के मुताबिक, केंद्रीय बैंकों की तरफ सोने की खरीदारी बढ़ना सकारात्मक संकेत है। इससे सोने की कीमतों को सपोर्ट मिलेगा। साल के बाकी महीने और अगले साल दाम बढ़ सकते हैं। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के रीजनल सीईओ (भारत) पीआर सोमसुंदरम ने कहा कि केंद्रीय बैंक आगामी कुछ महीने सोने की खरीदारी जारी रखेंगे। इसके चलते सपोर्ट बना रहेगा।

अक्टूबर तक डॉलर 16प्रतिशत चढ़ा

केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के मुताबिक, लोकल करंसी को सपोर्ट के लिए बैंक सोना खरीद रहे हैं।

इस साल अक्टूबर तक डॉलर इंडेक्स 16प्रतिशत चढ़ चुका है। इसके चलते जो रिस्क बढ़ा है, उसे कम करने के लिए सेंट्रल बैंक गोल्ड रिजर्व बढ़ा रहे हैं।

लेकिन गोल्ड ईटीएफ से 9 साल की रिकॉर्ड निकासी

केंद्रीय बैंकों की खरीदारी के उलट ग्लोबल गोल्ड ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) से 9 साल की रिकॉर्ड निकासी हुई। डब्ल्यूजीसी के मुताबिक, सितंबर तिमाही में ईटीएफ से करीब 227 टन सोने की शुद्ध निकासी हुई। यह 2013 की जून तिमाही के बाद सबसे ज्यादा है।

सीईए अनंत नागेश्वरन बोले- रुपये को धीरे-धीरे कमजोर होने दे आरबीआई , विदेशी मुद्रा भंडार का हो उचित उपयोग

नई दिल्ली। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) अनंत नागेश्वरन ने सोमवार को कहा, आरबीआई को रुपये

को धीरे-धीरे कमजोर होने देना चाहिए। विदेशी मुद्रा भंडार का सही तरीके से उपयोग करना चाहिए। उनकी इस टिप्पणी को सरकार की पहली आधिकारिक टिप्पणी के रूप में भी देखा जा रहा है क्योंकि इस साल की शुरुआत में विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट को लेकर चिंताएं सामने आई थीं। सीईए ने ऐसे समय में यह टिप्पणी की है, जब केंद्रीय बैंक रुपये की गिरावट थामने के लिए 110 अरब डॉलर से अधिक की बिकवाली कर चुका है। उन्होंने कहा, हमें विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ाना चाहिए। फिर भी किसी भी चुनौती से निपटने के लिए दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था के पास विदेशी मुद्रा का पर्याप्त भंडार है। उन्होंने कहा, व्यापार घाटे पर काबू पाना इस साल की प्राथमिक चुनौती होगी। 21 अक्तूबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार (फॉरेक्स) घटकर जुलाई, 2020 के बाद दो साल के निचले स्तर पर पहुंच गया था।हालांकि, 28 अक्तूबर वाले सप्ताह में यह बढ़कर 531 अरब डॉलर पहुंच गया।इस वृद्धि के बाद भी यह 645 अरब डॉलर के उच्च स्तर से काफी कम है। उन्होंने कहा, कईवैश्विक संकट के बावजूद 2022-23 में देश की आर्थिक वृद्धि दर 6.5-7.4 फीसदी रह सकती है।हालांकि, आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए व्यापार घाटे पर ध्यान देने की जरूरत है।

अब स्मार्ट टीवी को लेकर गूगल पर जुर्माना संभव, इस साल 2 बार प्रतिस्पर्धा आयोग लगा चुका है आर्थिक दंड

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग एक बार फिर दिग्गज टेक कंपनी गूगल पर कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। इस बार यह जुर्माना स्मार्ट टीवी में मौजूद उसके ऑपरेटिंग सिस्टम को लेकर लगाया जा सकता है। गूगल पर आरोप है कि वह बाजार पर प्रभुत्व जमाने के लिए गलत हथकंडे अपनाता है। इस बाबत शिकायत मिलने के साल भर बाद अब गूगल पर एक माह में तीसरे बड़े जुर्माने की तलवार लटक रही है। इस मामले की जानकारी रखने वालों ने बताया कि प्रतिस्पर्धा आयोग के महानिदेशक कार्यालय ने जांच करके अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। बता दें कि पिछले एक महीने में ही नियामक संस्था ने अमेरिकी की बड़ी टेक कंपनी गूगल पर 2,000 करोड़ रुपये का जुर्माना लगा दिया है। प्रतिस्पर्धा आयोग को जून 2021 में मिली शिकायत में आरोप लगाए गए थे कि स्मार्ट टीवी में एंड्रॉयड सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल को लेकर गूगल ने बाजार पर प्रभुत्व जमाने की कोशिश की है। यह शिकायत नियामक संस्था के सामने दो वकीलों ने दायर की है। मामले को करीब से जानने वाले एक शख्स ने बताया है कि नियामक संस्था इन आरोपों की जांच कर रही है कि गूगल ने हर स्मार्ट टीवी बनाने वाली कंपनी को अपने साथ लाइसेंस एग्रीमेंट करने के लिए बाध्य किया है या नहीं। हर स्मार्ट टीवी बनाने वाले को अपने टीवी में एक ऑपरेटिंग सिस्टम डाल कर देना होता है। इनमें से एक एप है गूगल का प्ले स्टोर।

वित्त मंत्री का दावा- एनपीए घटाने की कोशिशों से सरकारी बैंकों का लाभ 50प्रतिशत बढ़कर 25685 करोड़

नई दिल्ली। सरकार के एनपीए घटाने के प्रयासों का असर सरकारी बैंकों के मुनाफे पर दिखने लगा है।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा, एनपीए घटने से सार्वजनिक क्षेत्र के 12 बैंकों का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में संयुक्त रूप से 50 फीसदी बढ़कर 25,685 करोड़ रुपये पहुंच गया। 2022-23 की पहली छमाही में इन बैंकों का शुद्ध लाभ 32 फीसदी बढ़कर 40,991 करोड़ रुपये पहुंच गया। सीतारमण ने ट्वीट में कहा, एनपीए को कम करने एवं सरकारी बैंकों की वित्तीय स्थिति को और मजबूत करने के लिए सरकार के निरंतर प्रयास ठोस परिणाम दिखा रहे हैं। हालांकि, पंजाब नेशनल बैंक और बैंक ऑफ इंडिया का मुनाफा 9 से 63 फीसदी घटा है। डूबे कर्ज के लिए ऊंचे प्रावधान की वजह से इनके मुनाफे में कमी आई है। केनरा बैंक : शुद्धलाभ 89प्रतिशत बढ़कर 2,525 करोड़ रुपये। यूको बैंक : 145 फीसदी बढ़कर 504 करोड़ रुपये हो गया।

नोटबंदी के छह वर्ष पूरे

सरकार के इस फैसले ने बाजार में नकद लेन-देन पर क्या असर डाला

नई दिल्ली ।
देश की अर्थव्यवस्था के इतिहास में एक अहम दिन के रूप में दर्ज है। छह पूर्व देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पांच सौ और हजार रुपये के नोटों के चलन को वापस लेने की घोषणा की थी। आठ नवंबर की मध्य रात्रि से ही पांच सौ और हजार रुपये के नोट इतिहास बन गए थे और आगे चलकर चलन में दो हजार रुपये के नए गुलाबी नोट और पांच सौ रुपये के नए नोट चलन में आए। उसके कुछ समय बाद सौ और दो सौ रुपये के नोट भी प्रचलन में आए। आइए जानते हैं केंद्र सरकार के छह वर्ष पूर्व लिए गए नोटबंदी के फैसले ने देश पर पिछले छह वर्षों में कितना असर डाला है

नोटबंदी के बाद कुछ दिनों तक बना रहा अफरा-तफरी का माहौल - देश में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले पांच और हजार रुपये के नोटों पर बैन लगने के बाद शुरुआती कुछ दिन मुश्किलों भरे थे। नोटबंदी के कुछ दिनों बाद जब दो हजार, पांच सौ और दो सौ रुपये के नोट चलन में तब जाकर स्थिति सामान्य हुई। उससे पहले लोगों को बैंकों की लंबी-लंबी कतार में लगकर अपने नोट बदलने पड़े। कई जगहों पर शादी-विवाह के मौके पर लोगों को खासी परेशानी झेलनी पड़ी थी। हालांकि एक बार जब बाजार में नए नोट चलन में आ गए तो धीरे-धीरे स्थिति सामान्य हो गई। नोटबंदी के बाद देश में करेंसी नोटों के प्रचलन में भी खासी तेजी देखने को मिली है।

नोटबंदी के बावजूद पब्लिक डोमेन में मौजूद करेंसी में हुआ इजाफा - फिलहाल देश में करेंसी नोटों के कैश सर्कुलेशन में करीब 72 फीसदी का इजाफा हो चुका है। हालांकि इस दौरान डिजिटल और यूपीआई के माध्यम से भुगतान का नया चलन भी देश में शुरू हो गया। कोरोना काल के दौरान इसमें और बढ़ोतरी आई और वर्तमान में डिजिटल पेंमेंट लगभग-लगभग करेंसी नोटों की तरह ही सामान्य हो चुका है। नोटबंदी के बाद देश में पब्लिक डोमेन में नकद के रूप में मौजूद करेंसी में भी बड़ा इजाफा देखने को मिला है। भारतीय रिजर्व बैंक के 21 अक्तूबर 2022 तक के आंकड़ों के अनुसार बीते छह वर्षों में देश में जनता के पास मौजूद करेंसी बढ़कर 30.88 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि विमुद्रीकरण के छह साल बाद और डिजिटल लेनदेन बढ़ने के बावजूद लोग अब भी नकदी का उपयोग बड़े पैमाने पर कर रहे हैं।

नोटबंदी के बाद से देश में करेंसी नोटों का चलन 72 फीसदी बढ़ा - जनता के पास मौजूद 30.88 लाख करोड़ रुपये की करेंसी का आंकड़ा 4 नवंबर 2016 को समाप्त पखवाड़े के दौरान मौजूद करेंसी के स्तर से 71.84 प्रतिशत अधिक है। चार नवंबर 2016 को देश के पब्लिक डोमेन में 17.7 लाख करोड़ रुपये की करेंसी मौजूद थी। जनता के पास मौजूद मुद्रा से तात्पर्य उन नोटों और सिक्कों से है जिनका उपयोग लोग लेन-देन करने, व्यापार निपटाने और सामान और सेवाओं की खरीदारी के लिए करते हैं। प्रचलन में मौजूद मुद्रा से बैंकों में मौजूद नकदी को घटना के बाद यह आंकड़ा निकाला जाता है।

डिजिटल रूप से भुगतान का चलन बढ़ने के बावजूद नकद पर लोगों का भरोसा कायम - आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार भुगतान के नए और सुविधाजनक डिजिटल विकल्पों के लोकप्रिय होने के बावजूद अर्थव्यवस्था में नकदी का उपयोग लगातार बढ़ रहा है। हालांकि, पहले नोटबंदी और फिर कोरोना महामारी के दौरान लोग बड़े पैमाने पर नोटबंदी का उपयोग करने लगे हैं।

भारत रूस का मजबूत व्यापारिक साझेदार है और 2023 में भी बना रहेगा, एसएंडपी ग्लोबल का दावा

नई दिल्ली ।
यूक्रेन से जारी संघर्ष के बीच रूस का दुनियाभर के अधिकतर बाजारों के साथ व्यापारिक संबंध उतार-चढ़ाव वाला रहा है। इस बीच, भारत रूस का एक अहम कारोबारी साझेदार बना हुआ है और और वर्ष 2023 में भी वह रूस के साथ मजबूत कारोबारी रिश्ते कायम रख सकता है। मंगलवार को जारी एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस रिपोर्ट में इस बात का दावा किया गया है।

बता दें कि नव प्रकाशित 2023 ग्लोबल ट्रेड आउटलुक एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस बिग पिक्चर 2023 आउटलुक रिपोर्ट सिरीज का हिस्सा है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस के इकोनॉमिक मैनेजर अग्नियेजका मसीज्यूस्का का कहना है, 'हाल के महीनों में रूस से होने वाले आयात में इजाफा हुआ है। ऐसा प्राथमिक रूप से ऑयल, गैस और कोल की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ दूसरे देशों में रूस से आयात के कारण हुआ है। अग्नियेजका मसीज्यूस्का ने कहा, रूस से आयात करने वाले प्रमुख देशों में एक प्रमुख नाम भारत है। भारत का रूस के साथ कारोबार में पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष सौ फीसदी बढ़ा है। फरवरी 2022 में रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद से भारत का रूस के साथ आयात हर महीने बढ़ा है।

बता दें कि एसएंडपी ग्लोबल वैश्विक पूंजी, कॉमोडिटी व ऑटोमोटिव बाजारों में क्रेडिट रेटिंग, बेंचमार्क, एनालिटिक्स और वर्कफ्लो समाधान का दुनिया का अग्रणी सेवा प्रदाता है। रिपोर्ट में रूस-यूक्रेन संघर्ष के कारण व्यापार में प्रत्याशित बदलाव के साथ-साथ 2023 में कंटेनरीकृत व्यापार के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला गया है जबकि वर्ष 2022 दूसरे हॉफ में अनुमानित मंदी के कारण कारोबार में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में केवल 0.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। रिपोर्ट में नए अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन के ग्रीनहाउस रिडक्शन से जुड़े मापदंडों पर भी प्रकाश डाला गया है, जिसे वर्ष 2023 में पेश किया जाना है।

त्योहारी मांग से वाहनों की खुदरा बिक्री 48प्रतिशत बढ़ी सभी वाहनों की बिक्री कोरोना पूर्व से 6प्रतिशत ज्यादा

नई दिल्ली।
त्योहारी सीजन में मजबूत मांग से अक्तूबर में वाहनों की खुदरा बिक्री 48 फीसदी बढ़कर 20,94,378 इकाई पहुंच गई। पिछले साल अक्तूबर में खुदरा बाजार में 14,18,726 वाहन बिके थे। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, इस साल अक्तूबर में यात्री, वाणिज्यिक, दोपहिया, ट्रैक्टर और तिपहिया वाहनों का प्रदर्शन अक्तूबर, 2021 से बेहतर रहा। इस दौरान वाहनों का पंजीकरण भी कोरोना पूर्व स्तर यानी अक्तूबर, 2019 की तुलना में 8 फीसदी अधिक रहा है।

फाडा के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने कहा कि अक्तूबर त्योहारों का महीना रहा। इस दौरान सभी श्रेणियों की डीलरशिप पर वाहनों की काफी मांग देखी गई। उन्होंने कहा कि अगर 2019 के कोविड-पूर्व महीने की तुलना करें तो इस साल अक्तूबर में सभी श्रेणी के वाहनों की खुदरा बिक्री छह फीसदी बढ़ी है। दोपहिया वाहनों की बिक्री भी कोरोना पूर्व स्तर से 6 फीसदी ज्यादा रही।

इस साल 42 दिन की त्योहारी अवधि में वाहनों की कुल खुदरा बिक्री 29 फीसदी बढ़कर 28,88,131 इकाई पहुंच गई। पिछले साल अक्तूबर में यह आंकड़ा 22,42,139 इकाई था। इस दौरान यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 34 फीसदी बढ़कर 4,56,413 इकाई पहुंच गई।

42 दिन में कुल 21,55,311 दोपहिया वाहन बिके, जो अक्तूबर, 2021 के मुकाबले 26 फीसदी ज्यादा है।

बिबेक देबरॉय बोले- जीएसटी में सिर्फ एक दर से मुकदमेबाजी और प्रशासनिक अनुपालन का बोझ घटेगा

नई दिल्ली।
प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन बिबेक देबरॉय ने सोमवार को कहा कि जीएसटी प्रणाली में सिर्फ एक दर होनी चाहिए। इससे मुकदमेबाजी कम होगी और प्रशासनिक अनुपालन बढ़ेगा। हालांकि, मुझे नहीं लगता है कि कभी ऐसा होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी इस राय को ईएसी-पीएम का सुझाव नहीं माना जाए। ईएसी-पीएम के चेयरमैन ने कहा कि अभिजात्य प्रकृति व अधिक उपभोग वाले उत्पादों पर कर की अलग-अलग दरें हटा दी जाएं तो इससे मुकदमेबाजी कम होगी। इसलिए हमें यह समझने की जरूरत है कि उत्पाद कोई भी हो, जीएसटी दर एक होनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि कॉरपोरेट कर और व्यक्तिगत आयकर के बीच कृत्रिम अंतर को समाप्त किया जाना चाहिए। इससे प्रशासनिक अनुपालन का बोझ कम होगा।

छूट रहित हो कराधान प्रणाली

उन्होंने कहा, कर चोरी गैरकानूनी है, लेकिन छूट के प्रावधान के जरिये कर से बचाव कानूनी रूप से सही है। उन्होंने कहा, जितना हम कर छूट देंगे, यह उतना जटिल बनेगा। कराधान प्रणाली छूट रहित होनी चाहिए। सरकार से जीडीपी के 5-5.5 फीसदी के बराबर कर छूट मिलती है।

प्रगतिशीलता दिखाना चाहते हैं तो यह प्रत्यक्ष करों के जरिये होनी चाहिए, जीएसटी या अप्रत्यक्ष करों से नहीं। केंद्र-राज्यों का कर संग्रह जीडीपी का महज 15प्रतिशत है, जबकि सार्वजनिक ढांचे पर खर्च की मांग कहीं ऊंची है।

कैट का दावा- 40 दिन में देश में होंगी 32 लाख शादियां, 3.75 लाख करोड़ का होगा कारोबार

नई दिल्ली।
देशभर में 40 दिन में करीब 32 लाख शादियां होने की उम्मीद है। इससे 3.75 लाख करोड़ रुपये का कारोबार हो सकता है। शादियों के सीजन का पहला चरण देवउठनी एकादशी यानी 4 नवंबर से शुरू होकर 14 दिसंबर तक चलेगा। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल की समान अवधि में देशभर में करीब 25 लाख शादियां हुई थीं।

इससे 3 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार हुआ था। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने बताया कि लोगों के खर्च करने की धारणा से दिवाली पर देशभर में रिकॉर्ड कारोबार हुआ था। इसी तरह, शादियों के सीजन में बेहतर कारोबार की संभावनाओं को देखते हुए देशभर के व्यापारियों ने व्यापक रूप से तैयारियां की हैं।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक शादी में होने वाले कुल खर्च का करीब 20 फीसदी हिस्सा वर और वधू पर होता है। 80 फीसदी रकम शादी को संपन्न कराने वाली एजेंसियों को जाता है। इसलिए शादियां एक बड़े कारोबार का रूप ले चुकी हैं। शादियों का दूसरा चरण 14 जनवरी से शुरू होकर जुलाई, 2023 तक चलेगा। कैट की यह रिपोर्ट 35 शहरों के 4,302 कारोबारियों और सेवाप्रदाताओं की राय पर आधारित है।

पहले चरण में दिल्ली में 3.50 लाख से ज्यादा शादियां होंगी। इन पर करीब 75,000 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया ने बताया कि शादियों का सीजन इवेंट मैनेजमेंट एजेंसियों के लिए कमाई का बड़ा मौका होता है।इस दौरान खरीदारी के अलावा विभिन्न प्रकार की सेवाओं की भी मांग बढ़ती है।

तारीख

नवंबर में 20, 21, 24, 25, 27, 29 एवं 30 तारीख शादियों के लिए सबसे उपयुक्त दिन हैं।

दिसंबर में 4, 5, 7, 8, 9, 14 तारीख को सबसे अधिक शादियां होने का अनुमान है।

सोने और आभूषणों की बढ़ सकती है मांग कीमतों में आएगी तेजी

शादियों के सीजन में सोने और उससे बने आभूषणों की मांग बढ़ सकती है।इससे कीमतों में भी तेजी आएगी।केडिया एडवाइजरी के निदेशक अजय केडिया का कहना है कि 2020 शादियों के लिएअच्छा सीजन नहीं रहा था।लेकिन, 2021 की तरह यह साल भी अच्छा रहने वाला है।धनतरेस और दिवाली पर बिक्री के रुझान को देखें तो 14 दिसंबर तक चलने वाले शादियों की सीजन में सोने की मांग अच्छी रहेगी।इसकी एक वजह यह है कि 2020 के 56,000 के मुकाबले सोना इस समय 51,000 के आसपास चल रहा है।जनवरी-सितंबर के बीच आभूषणों की मांग 380.7 टन रही, जो पिछले साल से ज्यादा है।

अंगूरी भाभी रीयल लाइफ में है बेहद स्टाइलिश

-अपनी ग्लैमरस अदाओं से फैंस पर चलाया जादू

मुंबई (ईएमएस)। कॉमेडी शो भाभी जी घर पर हैं में नजर आने वाली अंगूरी भाभी की नादानियों पर लोग दिल हार बैठते हैं। अंगूरी भाभी रीयल लाइफ में बेहद स्टाइलिश हैं। पॉपुलर कॉमेडी शो भाभी जी घर पर हैं की कॉमेडी लोगों का दिल जीत लेती हैं। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस की ग्लैमरस फोटो अक्सर वायरल होती रहती हैं। एक्ट्रेस का लेटेस्ट फोटोशूट भी फैंस को दीवाना बना रहा है। जिसमें शुभांगी वनपीस पहने नजर आ रही हैं। अपने शो भाभी जी घर पर हैं में शुभांगी अत्रे जिस तरह अपने भोलेपन से दर्शकों का मन मोह लेती हैं। ठीक उसी तरह रीयल लाइफ में वह अपन ग्लैमरस अवतार से फैंस को हैरान कर देती हैं। शुभांगी इस शो से पहले भी कई की टीवी सीरियल्स में नजर आ चुकी हैं। लेकिन भाभी जी घर पर हैं में अंगूरी भाभी के बातचीत के अंदाज और उनके चालढाल को देखकर हर कोई उनकी अदाकारी का फैन हो गया है। हाल ही में अपने लेटेस्ट फोटो में शुभांगी अत्रे ने कैमरे के सामने ऐसा लुक दिखाया कि फैंस की नजरें उनके इस लुक पर अटक गई हैं। इन तस्वीरों में शुभांगी व्हाइट कलर के टाइट वनपीस पहने नजर आ रही हैं। जिसमें एक्ट्रेस काफी खूबसूरत लग रही हैं। फैंस उनकी इस तस्वीर पर दिल खोलकर प्यार लुटा रहे हैं। शेयर की गई फोटो में शुभांगी अत्रे खेतों के बीच खड़े हुई नजर आ रही हैं। इस लोकेशन पर व्हाइट ड्रेस पहने शुंभागी की ये फोटो हर तरह से परफेक्ट लग रही हैं। तस्वीर में शुभांगी कैमरे पर लुक दे रही हैं और अपनी अदाओं से फैंस के होश उड़ा रही हैं। इस व्हाइट ड्रेस के साथ अपना लुक कंप्लीट करने के लिए एक्ट्रेस ने अपने हेयर ओपन किए हुए हैं। साथ ही लाइट मेकअप भी किया हुआ है।बता दें कि इन तस्वीरों को शुभांगी अत्रे ने अपने ऑफिशियली इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ शेयर किया है। ये पहली बार नहीं है कि शुभांगी के फोटो शूट ने फैंस को यूं मदहोश किया है। वह अक्सर अपने ग्लैमरस अवतार से फैंस को दीवाना बनाती नजर आती हैं।

सामंथा को यशोदा के रिलीज का बेसब्री से इंतजार

- रिलीज से पहले ही कमाए 45 करोड़ रुपए

मुंबई (ईएमएस)। एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु को अपनी फिल्म यशोदा के रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं जो 11 नवंबर 2022 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। फिल्म के पावर पैक ट्रेलर ने दर्शकों की एक्साइटमेंट दोगुनी कर दी है। फिल्म सरोगेसी मुद्दे पर आधारित एक एक्शन पैक्ड थ्रिलर है जिसमें सामंथा जबरदस्त स्टंट करते भी नजर आएंगी। दिलचस्प बात ये है कि इस फिल्म ने रिलीज से पहले ही करोड़ों का मुनाफा कर लिया है। कुछ रिपोर्टस के अनुसार, ऐसी अटकलें हैं कि सामंथा रूथ प्रभु की फिल्म यशोदा ने ओटीटी और सैटेलाइट अधिकारों को भारी कीमत पर बेचा है। कई ओटीटी प्लेटफॉर्म्स की नजर यशोदा पर थीं, लेकिन उसने अपने राइट्स अमेजन प्राइम को 45 करोड़ रुपए में बेच दिए। हालांकि अभी तक डिजिटल प्लेटफॉर्म रिलीज की तारीख तय नहीं की गई है, लेकिन इतना जरूर पता चला है कि फिल्म दिसंबर 2022 से स्ट्रीम होगी। यशोदा में सामंथा रूथ प्रभु एक यंग फीमेल की भूमिका निभाती नजर आएंगी, जो एक सेरोगेट रैकेट के जाल में फंस जाती है, लेकिन बाद में वो बदलावों से गुजरती हुई दिखाई देगी। फिल्म के ट्रेलर में एक्ट्रेस कई तरह की मुश्किलों का सामना करते नजर आती हैं, उन पर जानलेवा हमले भी होते हैं लेकिन वे हर कीमत पर उनकी कोख में पल रहे बच्चे को बचाने की कोशिश करती हैं।

आपको बता दें कि तेलुगू सहित यशोदा पांच अलग-अलग भाषाओं में रिलीज होगी। सामंथा की पर्सनल लाइफ को लेकर बात करें तो वे इन दिनों सेहत संबंधी समस्या से जूझ रही हैं। उन्होंने हाल ही में मायोसिटिस नामक बीमारी का खुलासा किया था जो कि एक ऑटोइम्यून सिस्टम डिसीज है। अभिनेत्री के करीबी और फैंस उनके जल्द ठीक होने की दुआ कर रहे हैं। जैसे ही वे रिकवर होंगी तब अपनी फिल्म के प्रचार कार्य को फिर से शुरू करेगी और इसकी सफलता का जश्न भी मनाएगी। यशोदा के अलावा सामंथा के पास दूसरे भी कई प्रोजेक्ट्स हैं। अगली बार वे शकुंतलम और फिर कुशी में विजय देवरकोंडा के साथ दिखाई देंगी। बता दें कि सामंथा साउथ फिल्म इंडसट्री की सबसे लोकप्रिय और बहुमुखी अभिनेत्रियों में से एक हैं। जबसे उन्होंने फैमिली मैन 2 सीरीज से बॉलीवुड में डेब्यू किया, तब से वे दूसरी भाषा की फिल्मों में भी काम करने की कोशिश कर रही हैं।

टाइगर 3 को देखने के लिए काफी एक्साइटेड फैंस

- फिल्म के फर्स्ट लुक और टीजर पर जमकर लुटाया प्यार

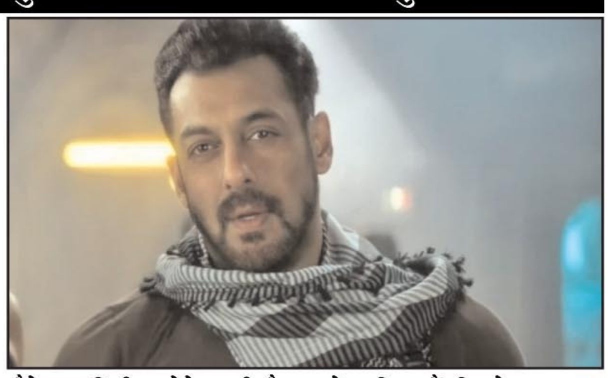

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर सलमान खान और कैटरीना कैफ की एक्शन और रोमांस से भरी फिल्म टाइगर 3 को देखने के लिए फैंस काफी एक्साइटेड हैं। फिल्म का फर्स्ट लुक और टीजर जब रिलीज किया गया था तो लोगों ने इस जमकर प्यार लुटाया था। अब फैंस फिल्म ट्रेलर का इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच एक बड़ा अपडेट सामने आया है। खबरों की मानें तो अब फिल्म में एक नए चेहरे की एंट्री होने वाली है। रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स ने सलमान और कैटरीना की फिल्म टाइगर 3 में एक अहम किरदार की एंट्री की है। हालांकि इनके किरदार के बारे में अभी कुछ नहीं बताया गया है। रिद्धी समेत फिल्म के किसी भी स्टार कास्ट ने अब तक इस खबर पर चुप्पी साध रखी हैं। लेकिन सूत्रों की मानें इस फिल्म में रिद्धि अहम भूमिका में हैं। बता दें कि सलमान की मोस्ट अवेटेड फिल्म टाइगर 3 पहले अगले साल ईद के मौके पर रिलीज होने वाली है। लेकिन अब यह फिल्म अगले साल दिवाली पर रिलीज होगी। मनीष शर्मा के डायरेक्शन में बन रही इस फिल्म में इमरान हाशमी विलेन की भूमिका में हैं। भारी भरकम बजट में बन रही यह फिल्म दर्शकों के दिलों पर क्या छाप छोड़ेगी ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा। बता दें कि रिद्धि डोगरा टीवी इंडस्ट्री का जाना पहचाना चेहरा है। टीवी में उन्होंने मयार्दाः लेकिन कब तक?, सा-वित्री, वो अपना सा जैसे कई ऐसे शोज किए हैं जिनके बाद वह मेकर्स की पहली पसंद बन चुकी हैं। टीवी के अलावा ओटीटी पर भी रिद्धि ने अपना जलवा कायम रखा है। वह अब तक असुर, द मैरिड वूमन वेब सीरीज में भी अपना दमखम दिखा चुकी हैं। बता दें कि सलमान खान और कैटरीना कैफ की मच अवेटेड फिल्म टाइगर 3 का इंतजार फैंस बड़ी बेसब्री से कर रहे हैं। लेकिन फैंस को बड़ा झटका तब लगा जब मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया था।

नुसरत भरुचा ने किया फिल्म छोरी 2 की तैयारी शुरू

फिल्म स्टार नुसरत भरुचा ने अगली फिल्म छोरी 2 की तैयारी शुरू कर दी है। सोशल मीडिया पर नुसरत ने छोरी 2 की स्क्रिप्ट पढ़ते हुए अपनी एक तस्वीर साझा की। उन्होंने अपने लैपटॉप की तस्वीर साझा की और उसके पीछे उनका बिल्ली का बच्चा नूह भी छिपा हुआ देखा जा सकता है। वह लिखती हैं, नूह भी डरती है? छोरी विशाल फुरिया द्वारा निर्देशित और भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, विक्रम मल्होत्रा, जैक डेविस, शिखा शर्मा और शिव चनाना द्वारा निर्मित है। मराठी भाषा की फिल्म लपछापी (2017) की रीमेक, फिल्म में मीता वशिष्ठ, राजेश जैस और सौरभ गोयल के साथ नुसरत मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म का प्रीमियर 26 नवंबर, 2021 को अमेजन प्राइम वीडियो पर हुआ था। अक्षय कुमार अभिनीत उनकी नवीनतम रिलीज राम सेतु है। इस बीच, उनके पास अक्षय कुमार और इमरान हाशमी के साथ सेल्फी जैसी फिल्मों की एक दिलचस्प लाइनअप है।

फिर हिंदी में अपनी किस्मत आजमाएंगे राम चरण

-लेखक और डायरेक्टर्स तैयार कर रहे हैं प्रोपर स्क्रिप्ट

मुंबई (ईएमएस)। तेलुगू सुपरस्टार राम चरण 2013 के बाद से अब एक बार हिंदी में अपनी किस्मत आजमाने जा रहे हैं। ताजा रिपोर्ट के अनुसार दो बड़े प्रोडक्शन हाउस कथित तौर पर बॉलीवुड में राम चरण के साथ एक फिल्म बनाने के लिए कमर कस रहे हैं। कई लेखक और डायरेक्टर्स उनके लिए एक प्रोपर स्क्रिप्ट तैयार कर रहे हैं। बता दें मैथरी मूवी मेकर्स जिन्होंने राम चरण को ब्लॉकबस्टर हिट रंगस्थलम दी है, उन्हें बॉलीवुड फिल्म के निमार्ताओं में से एक कहा जाता है। अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना स्टारर पुष्पा के बैनर तले बनी है जिसके निर्देशक सुकुमार हैं। इस तरह से हो सकता है कि राम चरण भी उनकी फिल्म में सोलो काम करने को राजी हो जाएं। ऐसा माना जा रहा है कि यूवी क्रिएशंस के मेकर्स भी राम चरण के साथ एक फिल्म बनाने की प्लानिंग कर रहे हैं। लेकिन ये मैत्री मूवी मेकर्स के साथ एक सह-निर्माण है या एक अलग बनेगी, इस बारे में अभी स्पष्ट नहीं किया गया है। राम चरण वर्तमान में तमिल निर्देशक शंकर की #आ-रसी15 में बिजी हैं जिसमें वे कियारा आडवाणी के साथ नजर आएंगी।

अभिनेता ने गौतम तिन्नुरी की फिल्म और कन्नड़ फिल्म निमार्ता नाथन के प्रोजेक्ट को भी रिजेक्ट कर दिया है। मालूम हो कि साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार राम चरण को लेकर कहा जा रहा है कि एक बार फिर वे बॉलीवुड में कमबैक करने वाले हैं। अभिनेता ने हिंदी फिल्म जंजीर में काम किया है जिसमें वे देसी गर्ल कही जाने वाली प्रियंका चोपड़ा के साथ दिखे थे। इसके लिए चरण ने मेहनत तो खूब की लेकिन किसी वजह के चलते ये सफल न हो सकी। जबकि उनकी आरआरआर ने उसके विपरीत परिणाम दिया। राजामौली की ब्लॉकबस्टर फिल्म के हिंदी वर्जन में राम चरण ने अपने डायलॉग खुद ही बोले है और इसे खूब पसंद किया गया।

शाहरुख ने किया जॉन की तरीफ

आगामी फिल्म पठान में शाहरुख खान के साथ जॉन अब्राहम स्क्रीन स्पेस साझा करते नजर आएंगे। शाहरुख खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म पठान को लेकर व्यस्त हैं। जॉन के साथ काम करने के अनुभव को भी शाहरुख खान ने साझा किया है। शाहरुख खान ने बताया कि जॉन एक सौम्य और अच्छे व्यवहार वाले इंसान हैं। दरअसल शाहरुख खान ने फैन्स के सवालों के जवाब दिए थे। एक फैन ने पूछा था कि जॉन अब्राहम के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा। इसके जवाब में शाहरुख खान ने बताया कि मैं जॉन को सालों से जानता हूं। उनके साथ काम करके खुशी हुई। जॉन सबसे सौम्य और अच्छे व्यवहार वाले व्यक्तियों में से एक हैं। शाहरुख खान और जॉन अब्राहम अपनी अपकमिंग फिल्म पठान में स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। पठान एक भारतीय जासूस की कहानी है। इस रोल में शाहरुख खान को काफी पसंद किया जा रहा है। फिल्म का टीजर भी रिलीज हो गया है।

लैला ने सोशल मीडिया पर साझा किया वीडियो

हाल ही में रिलीज हुई निर्देशक पी एस मिथ्रान की सुपरहिट फिल्म स-रदार से सिनेमा में वापसी करने वाली अभिनेत्री लैला ने सोशल मीडिया पर फिल्म से एक परदे के पीछे का वीडियो साझा किया है, जिसमें उसकी हत्या हो जाती है। लैला, जो फिल्म में मारे जाने वाले चरित्र की भूमिका निभाती है, ने एक व्यक्ति का वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उसका सिर पानी से भरे टैंक में था, उसके हाथ उसकी पीठ के पीछे बंधे थे। वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, सरदार के पर्दे के पीछे खास। फिल्म बनाना कोई साधारण या आसान काम नहीं है। निर्देशक पीएस मिथ्रान इसे सहजता से करते हैं। बेशक, फोटोग्राफी के निदेशक जॉर्ज अपनी रोशनी और विशेष कोणों और प्रभावों के साथ मूड सेट करते हैं। स्टंट मास्टर दिलीप ने मसाला डाला, लेकिन संपादक रुबन ने अपने संपादन कौशल से वाकई जादू कर दिया! प्रवीण राजा की वेशभूषा बिल्कुल पानी के भीतर थी। यह एक बहुत ही रॉ फुटेज है।

मिनिमम में नजर आएगें नसीरुद्दीन शाह

फिल्म मिनिमम में दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह एक विशेष भूमिका निभाएंगे। फिल्म में सबा आजाद, गीतांजलि कुलकर्णी, नमित दास और रुमाना मोल्ला भी हैं, फिल्म का निर्देशन रुमाना ने किया है। हाल ही में इसकी शूटिंग पूरी हुई। बेल्जियम पर आधारित, यह फिल्म लेन-देन के विवाह और प्रवास के साथ प्यार, स्नेह और दोस्ती के मूल में है। फिल्म की आधिकारिक सिनॉप्सिस इसे एक नवविवाहित आप्रवासी फौजिया की कहानी के रूप में वर्णित करती है। जब उसे पता चलता है कि उसके पति अली के बारे में उसे जो कुछ भी बताया गया था वह सब झूठ था और जब तक एक फ्रांसीसी ट्यूटर, लॉरी को उसे मूल बातें सिखाने के लिए काम पर नहीं रखा जाता, तब तक वह सारी उम्मीद खो देती है। एक असामान्य दोस्ती जाली है, रहस्य उजागर होते हैं और फौजिया मिनिमम से अधिक की मांग करना सीखती है।

हरियाणवी गाना 'बलम थानेदार', लुभा रहीं प्रांजल दहिया

-193 मिलियन व्यूज के साथ अब भी ट्रेंड में

मुंबई (ईएमएस)। कुछ समय में हरियाणवी गानों को लेकर क्रेज बढ़ता नजर आ रहा है। सपना चौधरी के बाद इन दिनों प्राजंल दहिया की धूम दिखाई दे रही है। गानों में उनका क्यूट अंदाज लोगों को पसंद आ रहा है। 5 महीने पहले रिलीज हुआ बलम थानेदार अब भी 193 मिलियन व्यूज के साथ टॉप गानों में ट्रेंड कर रहा है। मेरा बलम थानेदार चलावे जिप्सी बोल वाला यह गाना यू-ट्यूब पर 5 महीने बाद भी 11वें नम्बर पर अपनी जगह बनाए हुए है। इस गाने को जीडी कौर ने गाया है। वहीं, इसे प्रांजल दहिया और दिनेश गोलन पर पिक्चराइज किया गया है। दिनेश जहां थानेदार बने हैं वहीं, प्रांजल उनकी लवर के किरदार में हैं। प्रांजल दहिया हरियाणवी म्यूजिक इंडस्ट्री से जुड़ी हुई हैं। वे मॉडल और एक्ट्रेस हैं और म्यूजिक एल्बम के साथ ही फिल्मों में भी सक्रिय हैं। सपना चौधरी के बाद हरियाणा मनोरंजन जगत में प्रांजल इन दिनों सुर्खियों में हैं। उनकी सादगी और क्यूट अंदाज के कारण उनकी फैन फॉलोइंग काफी है। बलम थानेदार गाने में उनके अंदाज ने कुछ दिनों में इस गाने को लोकप्रिय बना दिया था। इसके अलावा प्रांजल पर फिल्माया गया 52 गज का दामन अब भी लोगों के बीच हिट है। इसे रेणुका पंवार ने गाया था। जल्द ही प्रांजल और अमन जाजी का गाना नगाड़ा आने वाला है। शादियों के सीजन को देखते हुए यह गाना जारी किया जा रहा है। बता दें कि बॉलीवुड और पंजाबी गानों का लोगों के बीच खास क्रेज रहता है। इसके साथ ही रीजनल गानों की बात की जाए तो हरियाणवी गाने ऐसे हैं, जो हर किसी को आकर्षित करते हैं।

सूडोकु नवताल- 6246

★☆☆☆☆ सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6245 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 6993

गां	धी	न	ग	र	मा	ज	वा	ज	पे	यी
द	ह	ल	प्रे	व	जी	य	द	ह	कां	रा
वि	स	मा	म	को	ह	पु	म	ल	ख	म
मि	बैं	ग	लो	र	वा	र	ध	श्री	श	दु
श	आ	र	ग	बा	ज	ना	तू	न	झ	प
है	ल	ला	र	दि	द	मुं	ती	ग	घ	ट
द	व	भो	पा	ल	प	ब	ज	र	व	ना
रा	एं	वा	ई	द	ब	ई	डू	ए	श	न्हा
बा	ड	ल	को	ल	का	ता	आ	ग	शी	आ
द	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द
वि	ज	भु	व	ने	श्व	र	त	ब	प	म

शब्दजाल में देश के दस राज्यों की राजधानियां ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

जयपुर,गांधीनगर,बैंगलोर,हैदराबाद, भोपाल, श्रीनगर, पटना, कोलकाता, मुंबई,भुवनेश्वर

शब्दजाल - 6992 का हल

भा	क	ल	पा	कि	स्ता	न	धी	द	ल	ज
र	र	ल	दे	श्री	लं	का	इं	क्षि	ट	वा
त	स	त	ल	र्म	छ	रा	रा	ण	ख	द
आ	स्ट्रे	लि	या	पु	र	न्यू	प	अ	ली	ब
म	गा	दो	ग	ल्ता	लं	जी	तू	फ्री	झ	र्निं
बां	ग	ला	दे	श	न	लैं	ना	का	घ	हा
ल	अ	स	त	या	प	ड	श	ज	ला	लैं
पे	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	ड
स	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
त्ता	पा	ला	ल	के	न्या	दु	र	शा	स्त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	इं	ग्लैं	ड	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5946

	6	1		2		3
7	32	5	31	3	30	1
4				7		
	22	2	40	6	39	
	3			5		
1	34	6	37		28	
	5			1	2	4

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5945 का हल

4	3	2	5	1	7	6
1	28	6	29	4	30	2
5	4	3	6	2	1	7
2	36	7	38	6	25	3
6	5	4	7	3	2	1
7	33	5	36	5	33	4
3	2	1	4	7	6	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

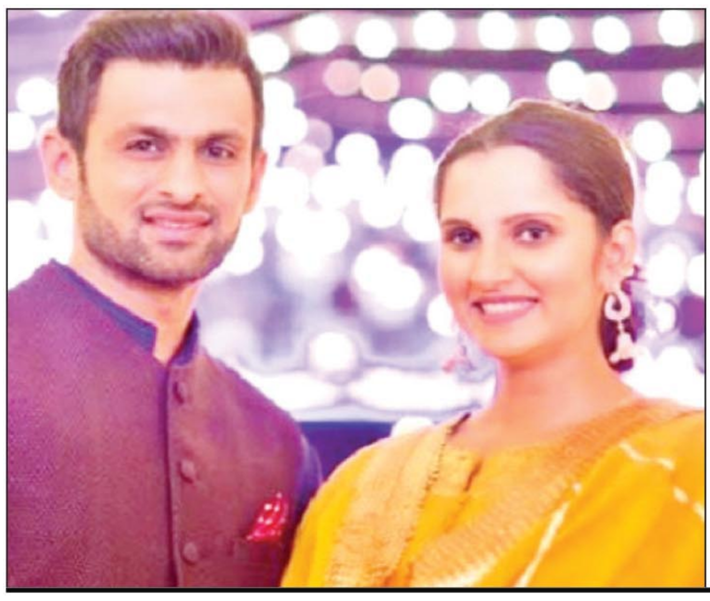

सानिया-शोएब में तलाक हो सकता है: पाकिस्तान मीडिया का दावा-दोनों अलग रह रहे, शोएब धोखेबाज

इस्लामाबाद।

इंडियन टेनिस स्टार सानिया मिर्जा और पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक तलाक की तैयारी कर रहे हैं। ये दावा पाकिस्तान मीडिया कर रहा है। रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि शोएब ने सानिया को धोखा दिया है और अभी दोनों अलग-अलग रह रहे हैं। हैदराबाद में 12 अप्रैल 2010 को सानिया और शोएब की शादी हुई थी। 15 अप्रैल को रिसेप्शन लाहौर में दिया गया था। दोनों का एक बेटा इजहान है। उसका जन्म 2018 में हुआ था। अब 12 साल बाद शोएब-सानिया के तलाक की आशंका जाहिर की जा रही है। इसे सानिया की सोशल मीडिया पोस्ट से और ज्यादा हवा मिल रही है। सानिया ने लेटेस्ट पोस्ट में लिखा है- टूटे दिल कहां जाते हैं 30 अक्टूबर को सानिया और शोएब साथ नजर आए थे। मौका था बेटे इजहान के जन्मदिन का। शोएब ने फोटो पोस्ट की, लेकिन उन्होंने जो लिखा, उससे लोगों के मन में सवाल उठने लगे। शोएब ने लिखा, जब तुम्हारा जन्म हुआ तो हमारे लिए जिंदगी के कुछ खास मायने हो गए। हम भले साथ ना रह पाएं, हर रोज मिल ना पाएं, लेकिन बाबा तुम्हारे और तुम्हारी मुस्कुराहट के बारे में हर पल सोचते रहते हैं। बाबा और मम्मी तुम्हें प्यार करते हैं।

अपने रिश्ते को लेकर अभी तक सानिया या शोएब ने खुलकर कुछ नहीं लिखा है। दोनों की सोशल मीडिया पोस्ट से ही लोग अटकलें लगा रहे हैं। पाकिस्तान का मीडिया कह रहा है कि दोनों अलग-अलग रह रहे हैं। कोशिश कर रहे हैं कि बेटे की परवरिश मिलकर कर सकें। रिपोर्ट्स में बस इतना कहा जा रहा है कि शोएब ने अपने एक टीवी शो के दौरान सानिया को धोखा दिया था। हालांकि इस बारे में और ज्यादा कुछ नहीं लिखा जा रहा है। शोएब किसी और के साथ रिश्ते में हैं रिपोर्ट में इसका भी जिक्र नहीं किया गया है। बस इतना कहा जा रहा है कि दोनों ने तलाक की तैयारियां शुरू कर दी हैं।

शोएब की पहली पत्नी सानिया नहीं, आयशा सिद्दीकी हैं। 2010 में सानिया-शोएब की शादी से पहले आयशा मीडिया में आई थीं, उन्होंने कहा था कि वे शोएब की पत्नी हैं। बिना तलाक दिए शोएब शादी नहीं कर सकते हैं। हैदराबाद की रहने वाली आयशा ने कहा था कि शोएब मोटा होने की वजह से उन्हें पसंद नहीं करते। पहले तो शोएब इस शादी से इनकार करते रहे और तलाक नहीं देने के बात कही, लेकिन विवाद ज्यादा बढ़ जाने के बाद उन्होंने आयशा को तलाक दिया। ये तलाक सानिया से शादी होने के बाद दिया गया था। शोएब शादी से पहले सानिया के घर पर रहे थे। इसे लेकर भी विवाद हुआ। मुस्लिम धर्मगुरुओं ने कहा था कि शादी से पहले दुल्हन के घर रहना इस्लाम के खिलाफ है। तब सानिया के घर के बड़ों ने तय किया कि शोएब शादी से एक दिन पहले होटल में शिफ्ट हो जाएं। ऐसा ही हुआ। मीडिया के चलते शोएब का निकलना मुश्किल हुआ तो सानिया के चाचा ने जोर-जोर से चिल्लाना शुरू कर दिया। लगा कि घर में झगड़ा हो रहा है।

न्यूज ब्रीफ

बेअसर रहे सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीमों के कप्तानः रोहित 5 मैच में 89 रन ही बना पाए, बाबर 50 भी पार नहीं कर सके

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया में चल रहे टी-20 वर्ल्ड कप की सेमीफाइनलिस्ट टीमें तय हो चुकी हैं। भारत और न्यूजीलैंड अपने-अपने ग्रुप में टॉप पर हैं। पाकिस्तान और इंग्लैंड ने दूसरे स्थान पर रहते हुए लीग स्टेज समाप्त किया है। हमने सेमीफाइनल में प्रवेश करने वाली टीमों के कप्तानों के ग्रुप स्टेज के परफॉर्मेंस का एनालिसिस किया। अपनी-अपनी टीमों के बॉस का प्रदर्शन इस टूर्नामेंट में औसत ही रहा। बड़ी बात यह कि इनमें से कोई भी टूर्नामेंट के टॉप-10 स्कोरर में शामिल नहीं हैं। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने सबसे ज्यादा 132 रन बनाए हैं। जबकि इंग्लिश टीम के कप्तान जोस बटलर ने 132.22 के स्ट्राइक रेट से 132 रन बनाए हैं। वहीं, भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने 89 रन जोड़े हैं। पाक कप्तान बाबर आजम तो 39 रन ही बना सके हैं। ग्रुप स्टेज में रोहित शर्मा कुछ खास नहीं कर सके और टूर्नामेंट में एक ही अर्धशतक जमाया। उन्होंने सिडनी में नीदरलैंड के खिलाफ 53 रनों की पारी खेली थी। दो पारियों में तो वे दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर सके। भारतीय कप्तान ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 15, बांग्लादेश के खिलाफ 2, साउथ अफ्रीका के खिलाफ 15, नीदरलैंड के खिलाफ 53 और पाकिस्तान के खिलाफ 4 रन बनाए हैं। न्यूजीलैंड टीम के कप्तान केन विलियमसन सिडनी के विकेट पर संघर्ष करते नजर आए। वहां वे 2 मैचों में 8 और 23 रन ही बना सके। विलियमसन ने आयरलैंड के खिलाफ फिफ्टी जरूर जमाई। लेकिन, उस पारी में विलियमसन की क्लास नहीं दिखी।

चंडीगढ़ में 2 साल बाद लौटा फुटबाल, आल इंडिया यूटी एडमिनिस्ट्रेटर चैलेंज फुटबाल कप में 25 टीमें खेलेंगी

चंडीगढ़। कोविड -19 की वजह से पिछले दो वर्ष से स्थगित हो रहा आल इंडिया यूटी एडमिनिस्ट्रेटर चैलेंज फुटबाल कप इस बार आयोजित हो रहा। राष्ट्रीय स्तर के इस टूर्नामेंट का आयोजन 21 से 29 नवंबर को होगा। पिछली बार इस टूर्नामेंट में अंडर - 17 आयुवर्ग की कुल 25 टीमों ने हिस्सा लिया था। उम्मीद है कि इस बार टूर्नामेंट में टीमों की संख्या बढ़ सकती है। यूटी स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट की तरफ से आयोजित किए जाने वाले इस टूर्नामेंट का आयोजन स्पोर्ट्स कांप्लेक्स सेक्टर- 46 और स्पोर्ट्स कांप्लेक्स सेक्टर- 42 में होगा। स्पोर्ट्स कांप्लेक्स - 7 के इस बार टूर्नामेंट के मुकाबले नहीं होंगे, क्योंकि स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में सिंथेटिक ट्रैक को बिछाने का काम शुरू हो सकता है इसीलिए स्पोर्ट्स कांप्लेक्स- 7 को इस बार इसे वेन्यू लिस्ट में शामिल नहीं किया गया। अधिकारियों की माने तो इस बार आल इंडिया यूटी एडमिनिस्ट्रेटर चैलेंज फुटबाल कप में विजेता टीम को दो लाख रुपये का कैश प्राइज दिया जाएगा। वहीं प्रतियोगिता में उपविजेता रहने वाली टीम को एक लाख रुपये और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को 75 हजार रुपये का इनाम दिया जाएगा। इस बार भी खिलाड़ियों को टूर्नामेंट में हिस्सा लेने से पहले आयु निर्धारण प्रशिक्षण (ऐज डिटर्मनेशन टेस्ट) से गुजरना होगा। टूर्नामेंट में खिलाड़ियों की आयु संबंधी जांच के लिए यूटी स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट ने एक कमेटी बना दी गई है।

फीफा विश्व कप से पहले चोटिल हुए मेसी, टूर्नामेंट से बाहर होने का खतरा

पेरिस। फीफा विश्व कप 2022 की शुरुआत में चंद दिनों का समय बचा हुआ है और इससे पहले अर्जेंटीना की टीम चोट से जूझ रही है। दुनिया के सबसे महान फुटबॉल खिलाड़ियों में से एक और टीम के स्टार फॉरवर्ड लियोनल मेसी भी विश्व कप से ठीक पहले चोटिल हो गए हैं। मेसी से पहले डी मारिया और डिबेला भी चोटिल हो चुके हैं। ऐसे में अर्जेंटीना की टीम फीफा विश्व कप में मुश्किल में फंस सकती है। कतर में होने वाला विश्व कप मेसी का पांचवां फीफा विश्व कप होगा। यह उनका आखिरी विश्व कप भी हो सकता है। ऐसे में मेसी अपनी टीम को विश्व विजेता बनाना चाहेंगे। लियोनल मेसी रविवार को पेरिस सेंट जर्मन और लॉरियंट के मैच में नहीं खेले। उनके पैर की मांसपेशियों में सूजन थी। इस वजह से वह मैच का हिस्सा नहीं थे। हालांकि, पीएसजी ने बयान जारी कर कहा है कि मेसी की चोट ज्यादा गंभीर नहीं है। वह विश्व कप से पहले अपनी टीम के लिए आखिरी लीग मैच में खेल सकते हैं। 13 नवंबर को मेसी ऑक्जेरे के खिलाफ मैच में खेल सकते हैं। हालांकि, मेसी को चोट से बचाने के लिए उनका इलाज जारी रहेगा और वह जल्द ही ट्रेनिंग भी शुरू करेंगे।

सेमीफाइनल में क्या होगी पाक की स्ट्रैटजी

बाबर की जगह हारिस कर सकते हैं ओपनिंग

नई दिल्ली।

सुपर-12 के आखिरी दो मैचों में जीत और नीदरलैंड के हाथों साउथ अफ्रीका की हार के दम पर पाकिस्तान आखिरकार टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंच गया। अब पाकिस्तानी टीम 9 नवंबर को टीम सिडनी में न्यूजीलैंड के खिलाफ उतरेगी। इस स्टोरी में हम जानेंगे कि सेमीफाइनल में दोनों टीमें किस तरह की स्ट्रैटिजी अपना सकती है। हम यह भी जानेंगे कि टॉस जीतने की स्थिति में पाक और न्यूजीलैंड के कप्तान क्या फैसला कर सकते हैं। इसके अलावा हम दोनों टीमों की स्ट्रेंथ और वीकनेस पर भी नजर डालेंगे।

टॉस जीतने वाली टीम बैटिंग चुन सकती है - सिडनी में इस टी-20 वर्ल्ड कप के अब तक 6 मैच खेले गए। 5 बार पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीतीं। सभी मौकों पर टॉस जीतने वाली टीम ने पहले बल्लेबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 बार 180 से ज्यादा का स्कोर बना। ऐसे में न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच होने वाले सेमीफाइनल में टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करना पसंद कर सकती है। ओवरऑल यहां 16 टी-20 इंटरनेशनल मैच हुए। 10 मैच पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम और 6 मैच बाद में बल्लेबाजी करने वाली टीमों ने जीते हैं। इस दौरान फर्स्ट इनिंग का एवरेज स्कोर 172 और सेकेंड इनिंग का एवरेज स्कोर 132 रन रहा है। ऑस्ट्रेलिया में टी-20 वर्ल्ड का 8वां एडिशन जारी है। इससे पहले के 7 एडिशन में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड का 6 बार मुकाबला हुआ। इनमें 4 बार पाकिस्तान और 2 बार न्यूजीलैंड ने जीत हासिल की। 2021 के टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को 5 विकेट से हराया था। ओवरऑल दोनों टीमों के बीच 28 टी-20 इंटरनेशनल खेले गए। 17 में पाकिस्तान और 11 में न्यूजीलैंड को जीत मिली। 14 अक्टूबर 2022 को न्यूजीलैंड में ट्राई सीरीज फाइनल के दौरान दोनों टीमें आखिरी बार भिड़ी थीं। तब पाकिस्तान 5 विकेट से जीता था। आंकड़ों से साफ है कि टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करना चाहेगी। यहां बोर्ड पर बड़ा स्कोर लगाकर प्रतिद्वंद्वी टीम को दबाव में लाया जा सकता है। जहां तक पाकिस्तान का सवाल है तो टीम ओपनिंग जोड़ी में बदलाव, के साथ-साथ पावर-प्ले में स्पिन गेंदबाजी के इस्तेमाल का दांव खेल सकती है।

पाकिस्तान के ओपनर्स मोहम्मद रिजवान और बाबर आजम 2022 के टी-20 वर्ल्ड कप में पूरी तरह फेल रहे हैं। वे 5 मैचों में सिर्फ एक बार 50 रन से ज्यादा की पार्टनरशिप कर सके हैं। साथ ही दोनों बल्लेबाज पावर-प्ले में टीम को तेज शुरुआत नहीं दिला सके हैं। इनमें से किसी एक बल्लेबाज को मिडिल ऑर्डर में भेज कर मोहम्मद हारिस को ओपनिंग करने भेजा जा सकता है। पाकिस्तान के आखिरी 2 मैचों में हारिस ने 203 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की है। उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 11 बॉल में 28 रन और बांग्लादेश के खिलाफ 18 बॉल पर 31 रन की पारी खेली थी। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद आफरीदी ने सोमवार को कहा भी है कि बाबर के फ्लॉप शो को देखते हुए रिजवान के साथ हारिस से ओपन कराना चाहिए। पाकिस्तान की टीम मिडिल ओवर्स में अच्छी बल्लेबाजी कर रही है। लेकिन, फिनिशर्स की कमी के चलते अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में कन्वर्ट नहीं कर पा रही। इसी टी-20 वर्ल्ड कप में टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ 131 रन का टारगेट हासिल नहीं कर सकी थी।

नीदरलैंड के खिलाफ 91 रन का टारगेट उन्होंने 14 ओवर और बांग्लादेश के खिलाफ 128 रन का टारगेट 18 ओवर में हासिल किया था। इससे साफ है कि टीम छोटे टारगेट को हासिल करने में भी पाकिस्तान के पसीने छूट रहे हैं। ऐसे में टीम अपने फिनिशर आसिफ अली को सेमीफाइनल में प्लेइंग-11 में मौका दे सकती है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछले टी-20 वर्ल्ड कप में आसिफ ने 12 बॉल में 27 रन की पारी खेल कर टीम को जीत दिलाई थी। सिडनी में अब तक टी-20 वर्ल्ड के 6 मैच खेले गए। इनमें पेसर्स ने 53 और स्पिनर्स ने 30 विकेट लिए। न्यूजीलैंड के ओपनर फिन एलन लेफ्ट आर्म पेसर्स और स्पिनर्स के सामने स्ट्रगल करते हैं। पाकिस्तान के लिए लेग स्पिनर शादाब ने 5 मैच में 10 विकेट लिए हैं। ऐसे में बाबर आजम पावर-प्ले में ही स्पिनर्स को यूज कर जल्दी विकेट लेने की स्ट्रैटजी अपना सकते हैं। 2021 के टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड सुपर-12 स्टेज में भिड़े थे। तब पाकिस्तान के हारिस रउफ ने 22 रन पर 4 विकेट लिए थे। शाहीन शाह अफरीदी ने 21 रन देकर एक विकेट लिया था। रउफ ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 6 टी-20 मैचों में कुल 14 विकेट लिए हैं। वहीं, शाहीन ने इस वर्ल्ड कप के आखिरी 2 मैच में ही 7 विकेट अपने नाम दर्ज कर लिए। सेमीफाइनल मुकाबले में भी ये दोनों पाकिस्तान के लिए गेम चेंजर साबित हो सकते हैं। किसी वक्त टीम का मजबूती रहे ओपनर्स इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान की सबसे बड़ी कमजोरी नजर आ रहे हैं। टूर्नामेंट में बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान में से किसी ने भी कोई फिफ्टी नहीं जमाई। टीम के बल्लेबाज बाउंसर के खिलाफ स्ट्रगल करते हैं। जिम्बाब्वे ने भी उनके खिलाफ यही स्ट्रेटजी अपनाई थी। प्रेशर सिचुएशन में बिखर जाना टीम की दूसरी बड़ी कमजोरी है।

मोहम्मद हारिस, इफ्तिखार अहमद और शादाब खान की आक्रामक बल्लेबाजी इस वर्ल्ड कप में टीम की ताकत साबित हुई है। वहीं तेज गेंदबाज शाहीन का फॉर्म में लौटना भी पाकिस्तान की स्ट्रेंथ है। रउफ, नसीम और मोहम्मद वसीम की पेस बैटरी शाहीन के साथ मिलकर किसी भी बल्लेबाजी यूनिट को परेशान कर सकती है। इसके अलावा स्पिनर शादाब खान टूर्नामेंट में पार्टनरशिप ब्रेकर के रूप में उभरे हैं। न्यूजीलैंड के ओपनर डेवोन कॉन्वे और कप्तान केन विलियमसन धीमी शुरुआत करते हैं। टीम के आक्रामक बल्लेबाज फिन एलन और ग्लेन फिलिप्स स्पिनर के सामने स्ट्रगल करते हैं। दोनों के आउट होने के बाद टीम फिनिश नहीं कर पाती। उनके फिनिशर डेरिल मिचेल, जिमी नीशम और मिचेल सेंटनर टूर्नामेंट में कुछ खास नहीं कर सके।

पांच बार की चैंपियन ब्राजील की टीम घोषित, 39 साल के दानी एल्वेस को जगह देकर बनाया अनोखा रिकॉर्ड

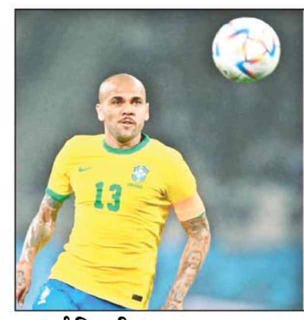

नई दिल्ली।

ब्राजील ने आगामी फुटबॉल वर्ल्ड कप के लिए 26 सदस्यीय टीम का एलान कर दिया है। पांच बार की चैंपियन टीम ने दल में 39 वर्षीय डिफेंडर दानी एल्वेस को भी चुना है। वहीं, इंग्लैंड के क्लब लिवरपूल की ओर से खेलने वाले स्ट्राइकर रोबर्टो फिर्मिनो को बाहर रखा गया है। ब्राजील के कोच टिटे ने टीम की घोषणा की। एल्वेस वर्ल्ड कप टीम में चुने जाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने पूर्व डिफेंडर डालमा सांतोस का रिकॉर्ड तोड़ा। सांतोस जब 1966 में वर्ल्ड कप के लिए चुने गए थे तब उनकी उम्र 37 साल थी। ब्राजील 2002 के बाद से वर्ल्ड कप नहीं जीत पाया है। दानी एल्वेस ने अपने करियर में 44 ट्रॉफी जीते हैं। वह वर्ल्ड कप को भी अपनी झोली में डालना चाहेंगे। स्पेन के क्लब बार्सिलोना के लिए लंबे समय तक खेलने वाले एल्वेस फिलहाल मैक्सिको के क्लब प्यूमास की ओर से खेलते हैं। इस सीजन में वह टीम के लिए 12 मैच खेल चुके हैं। टीम में नहीं चुने जाने वाले रोबर्टो फिर्मिनो इस सीजन में खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं।

उन्होंने लिवरपूल के लिए 12 प्रीमियर लीग मैचों में सिर्फ छह गोल किए हैं। उन्हें पिछली बार ब्राजील के लिए खेलने के लिए सितंबर में चुना गया था। फिर्मिनो के ऊपर आर्सेनल की ओर से खेलने वाले गेब्रियल जेसुस और गेब्रियल मार्टिनेली को तरजीह दी गई है। फिर्मिनो के अलावा एस्टन विला के स्ट्राइकर फिलिप कुटिन्हो को भी नहीं चुना गया है। वह पिछले हफ्ते चोटिल हो गए थे। ब्राजील के पास इस बार पेरिस सेंट जर्मेन के स्टार नेमार जूनियर के साथ टॉटेनहम हॉटस्पर के रिचार्लसन और रियल मैड्रिड के विनीसियस जूनियर की तिकड़ी है। दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों में गिने जाने वाले नेमार इस सीजन में शानदार फॉर्म में हैं। वहीं, रिचार्लसन और विनिसियस अपनी-अपनी टीमों के लिए बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। नेमार ने ब्राजील के लिए 121 मैचों में 75 गोल दागे हैं। वह महान खिलाड़ी पेले के 77 गोल से सिर्फ दो गोल पीछे हैं। इंग्लैंड के क्लब वेस्ट हैम की ओर से खेलने वाले मिडफील्डर लुकस पिक्वेटा को टीम में रखा गया है। उनके साथ-साथ मैनचेस्टर यूनाइटेड को एंटोनी को भी मौका मिला है। कोच टिटे से जब दानी एल्वेस के चयन के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह टीम को कप्तानों में से एक हैं।

कोहली, रोहित और द्रविड़ की गेंदबाजों के लिए कुर्बानीः बॉलर्स पैर फैलाकर बैठ सकें इसके लिए छोड़ दी बिजनेस क्लास की सीट

मेलबर्न।

तेज गेंदबाजों को आराम देने के लिए मेलबर्न से एडिलेड की हवाई यात्रा के दौरान कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और राहुल द्रविड़ ने त्याग करते हुए अपनी बिजनेस क्लास की सीट गेंदबाजों को दे दी। दरअसल, टीम सोमवार को मेलबर्न से एडिलेड की यात्रा कर रही थी। उसे वहां 10 नवंबर को इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबला खेलना है। करीब 3 घंटे की यात्रा में तेज गेंदबाजों को आराम मिल सके और वे तरोताजा रहें, इसलिए कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और कोच राहुल द्रविड़ ने मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह और हार्दिक पंड्या के लिए अपनी बिजनेस-क्लास सीट छोड़ दी और इकोनॉमी क्लास में चले गए। ताकि गेंदबाज आराम से पैर फैलाकर यात्रा कर सकें। टीम ने अपना आखिरी ग्रुप मैच मेलबर्न में जिम्बाब्वे के खिलाफ 6 नवंबर को खेला था। इस मैच में 71 रनों की बड़ी जीत मिलने के बाद टीम इंडिया अपने ग्रुप में टॉप पर काबिज रही। नियमों के मुताबिक, हर टीम को 4 बिजनेस क्लास की सीटें ही मिलती हैं। आमतौर पर टीमें यह सीट कोच, कैप्टन, वाइस कैप्टन या किसी सीनियर खिलाड़ी को देती है। जब टीम मैनेजमेंट को लगा कि तेज गेंदबाजों को आराम देने की जरूरत है, तो यह सीट तेज गेंदबाजों को देने का फैसला किया गया।

एडिलेड पहुंचने के बाद टीम इंडिया के सहयोगी

स्टाफ ने इसकी जानकारी इंडियन एक्सप्रेस को दी। रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारी ने बताया कि हमने तय किया कि तेज गेंदबाजों को आराम देने की ज्यादा जरूरत है। वो यात्रा के दौरान आराम से बैठ सकें, इसलिए कप्तान, कोच और विराट ने अपनी बिजनेस क्लास की सीट छोड़ने का फैसला किया। टी-20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया का कार्यक्रम काफी व्यस्त रहा है। उसेअलग- अगले जगहों पर मैच खेलना पड़ा।

गढ़वाल हीरोज दिल्ली ने जीता हिमालयन कप, हिमाचल प्रदेश एफसी को दी 3-0 से करारी शिकस्त

देहरादून।

हिमालयन कप आल इंडिया फुटबाल टूर्नामेंट में गढ़वाल हीरोज दिल्ली ने हिमाचल प्रदेश एफसी को 3-0 से करारी शिकस्त देकर खिताब अपने नाम किया। समापन समारोह में विजेता टीम को पांच लाख रुपये और उप विजेता टीम को तीन लाख रुपये की धनराशि देकर सम्मानित किया गया। पवेलियन मैदान में चल रहे टूर्नामेंट में सोमवार को गढ़वाल हीरोज और हिमाचल प्रदेश एफसी के बीच फाइनल खेला गया। गढ़वाल हीरोज ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए हिमाचल प्रदेश टीम के खिलाड़ियों पर दबाव बनाया। खेल के 11वें मिनट में गढ़वाल हीरोज को पेनाल्टी किक मिली। फारवर्ड निर्मल सिंह बिष्ट ने मौके को भुनाने में कोई गलती नहीं की और अपनी टीम के लिए पहला गोल किया। दूसरे हाफ में हिमाचल प्रदेश ने बराबरी करने का प्रयास किया। कई बार हिमाचल के खिलाड़ी गोल दागने के करीब पहुंचे, मगर भाग्य ने उनका साथ नहीं दिया। वहीं, 66वें मिनट में हिमाचल प्रदेश के डिफेंडर की चूक का फायदा उठाते हुए गढ़वाल हीरोज के निर्मल सिंह बिष्ट ने डी में मिली गेंद को विपक्षी गोलपोस्ट में डाल दिया।

दो गोल से पिछड़ने के बाद हिमाचल प्रदेश के आक्रमण की धार कम हो गई। जिसका फायदा गढ़वाल हीरोज को मिला। 68वें मिनट में गढ़वाल हीरोज के फारवर्ड जयदीप ने विपक्षी रक्षापंक्ति को छकाते हुए गोल दाग टीम की 3-0 से जीत सुनिश्चित कर दी। निर्मल सिंह बिष्ट को मैन आफ द मैच चुना गया।समापन पर मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विजेता टीम गढ़वाल हीरोज दिल्ली को पांच लाख रुपये और उप विजेता टीम हिमाचल प्रदेश एफसी को तीन लाख रुपये का नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पवेलियन मैदान के जीर्णोद्धार की घोषणा की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं यहां कई बार आ चुका हूं। इस स्टेडियम के जीर्णोद्धार से खिलाड़ियों को लाभ मिलेगा। इस दौरान काबीना मंत्री सुबोध उनियाल, महापौर सुनील उनियाल गामा, विशेष प्रमुख सचिव अभिनव कुमार, संयुक्त निदेशक खेल डा. धर्मेंद्र भट्ट, प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी शबाली गुरुंग, आयोजन समिति के अध्यक्ष सुभाष अरोड़ा, सचिव देवेंद्र बिष्ट, मैच कमीश्नर दीपक नेगी समेत अन्य मौजूद रहे।

4 स्टार्स ने पाकिस्तान को सेमीफाइनल पहुंचाया

बाबर-रिजवान फेल तो शादाब-इफ्तिकार चमके, हारिस का स्ट्राइक रेट 200+

मेलबर्न।

2022 टी-20 वर्ल्ड कप की अंतिम-4 टीमें तय हो चुकी हैं। 9 नवंबर को न्यूजीलैंड बनाम पाकिस्तान और 10 नवंबर को भारत बनाम इंग्लैंड सेमीफाइनल मैच होंगे। भारत, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड का सेमीफाइनल में पहुंचना उम्मीद के मुताबिक रहा लेकिन, पाकिस्तान की टीम बहुत मुश्किल से यहां तक पहुंच पाई है। एक समय क्ष्य को रेस से बाहर माना जाने लगा था। टीम के स्टार खिलाड़ी कप्तान बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान पूरी तरह फेल रहे। मिडिल ऑर्डर में हैदर अली, फखर जमान और आसिफ अली भी कुछ खास नहीं कर सके। यहां से चार खिलाड़ियों ने टीम की नैया पार लगाई। ये चार सितारे बल्लेबाज इफ्तिखार अहमद, ऑलराउंडर शादाब खान, तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी और विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद हारिस हैं। इस स्टोरी में हम जानेंगे कि इन चारों ने कैसे एक समय होड़ से बाहर लग रही पाकिस्तानी टीम को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। 2022 टी-20 वर्ल्ड कप में शादाब खान टीम के बेस्ट परफॉर्मर रहे। उन्होंने ग्रुप स्टेज के 5 मैच में 10 विकेट लिए। महज 6.22 के इकोनॉमी रेट से गेंदबाजी की। जिम्बाब्वे और नीदरलैंड के खिलाफ 3-3 विकेट लिए। बांग्लादेश और साउथ अफ्रीका के खिलाफ पार्टनरशिप ब्रेकर का रोल निभाते हुए उन्होंने अपने पहले ही ओवर में 2-2 विकेट निकाल दिए। इतना ही नहीं साउथ अफ्रीका के खिलाफ अहम मुकाबले में शादाब ने 22 बॉल पर 52 रन की पारी भी खेली। पाकिस्तान मिडिल ऑर्डर की कमान संभालते हुए उन्होंने टूर्नामेंट में 177.27 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। पार्टनरशिप ब्रेकर गेंदबाज हैं। साउथ अफ्रीका और बांग्लादेश के खिलाफ वे इसे दिखा चुके हैं। किफायती गेंदबाजी कर अहम मौकों पर विकेट भी लेते हैं। तेज बल्लेबाजी की खासियत उन्हें एक खतरनाक ऑलराउंडर बनाती है। अगर भारत और पाकिस्तान की टीमें सेमीफाइनल मुकाबला जीतकर फाइनल में पहुंचती है तो शादाब खान टीम इंडिया के लिए चुनौती बन सकते हैं। वे लेग स्पिनर हैं और ज्यादातर तेज गुगली करते हैं।

भारत के टॉप ऑर्डर के बल्लेबाज खासकर विराट कोहली गुगली के सामने परेशान होते हैं। सूर्यकुमार यादव शादाब की काट साबित हो सकते हैं। शादाब की एक बड़ी कमजोरी यह है कि अगर स्पेल की शुरुआत में उन्हें विकेट नहीं मिलते हैं तो फिर वे महंगे होने लगते हैं। भारतीय बल्लेबाज उनकी इस खामी का फायदा उठा सकते हैं। इस टी-20 वर्ल्ड कप में 3 पाकिस्तानी बल्लेबाजों ने मिलकर कुल 4 फिफ्टी लगाईं। इनमें दो फिफ्टी इफ्तिखार अहमद ने जमाए हैं। भारत के खिलाफ टॉप ऑर्डर फेल हो जाने के बाद उन्होंने 34 बॉल पर 51 रन बनाए थे। साउथ अफ्रीका के खिलाफ भी अहम मैच में उन्होंने टीम को शुरुआती झटकों से उबारा था। पहले मोहम्मद नवाज और फिर शादाब खान के साथ पार्टनरशिप कर टीम को 180 रन के पार पहुंचाया। टूर्नामेंट के 5 मैचों में उन्होंने 131.03 के स्ट्राइक रेट से 114 रन बनाए हैं। इफ्तिखार ऑफ-स्पिन बॉलिंग भी कर लेते हैं। बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी लीग मैच में उन्होंने 3 ओवर में 15 रन देकर हाफ सेंचुरी जमाने वाले नजमुल हसन शांतो का विकेट लिया था। न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में वह बैटिंग और बॉलिंग दोनों से इम्पॉर्टेंट साबित होंगे। स्पिनर्स को अटैक करते हैं। सेट होने पर बड़ी हिट लगाते हैं। लेग साइड और स्ट्रेट बाउंड्री की तरफ शॉट लगाना पसंद करते हैं।

नई डिजिटल क्रिप्टो करेंसी...

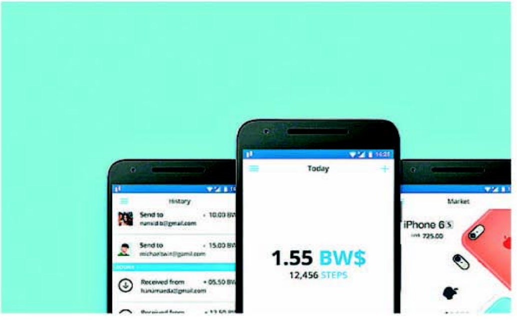

एक नई डिजिटल क्रिप्टो करेंसी लॉन्च की गई है जिससे इंसान पैदल चलकर कमाई कर सकेगा। इस करेंसी का नाम है बिटवॉकिंग डॉलर, जो डिजिटल क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन की तरह ही कंप्यूटर से पैदा होगी। स्मार्ट फोन यूजर फोन पर बिटवॉकिंग ऐप की मदद से रिकॉर्ड करेगा कि वो कितने कदम पैदल चला है। फिर कदमों की गिनती के आधार पर प्रति दस हजार कदमों पर यूजर को लगभग एक बिटवॉक डॉलर मिलेगा। शुरू शुरू में, यूजर को कमाई गई करेंसी ऑनलाइन स्टोर में खर्च करने या उससे नकद कमाने का मौका मिलेगा। संस्थापकों का मानना है यह तकनीक विकासशील और गरीब देशों में फिटनेस उद्योग के विकास में खासी मददगार हो सकती है। इनके अनुमान के अनुसार बिटवॉकिंग योजना गरीब देशों के नागरिकों के जीवन को पूरी तरह से बदलकर रख देगी। प्रोजेक्ट की शुरुआत करने वाले निसान बहार और फ्रेंकी इम्बेसी को इस प्रोजेक्ट के लिए जापानी निवेशकों से शुरुआती दस मिलियन डॉलर की मदद मिली है। जापानी मदद की बदौलत वे ऐसे बैंक और करेंसी की शुरुआत करेंगे जो चले गए कदमों और किसी भी तरह के हस्तांतरण को सत्यापित करेगा। इसके अलावा कुछ जूते बनाने वाली कंपनियां इस करेंसी को अपनाने के लिए अपनी सहमति दे चुकी हैं। वैसे पैदल चलकर बिटवॉकिंग डॉलर कमाने का यह कोई नया प्रयोग नहीं है। कई स्टार्ट-अप समूह, सेहत बनाओ और कमाई करो का विचार पहले लागू कर चुके हैं, लेकिन गति को सही सही मापने में उन्हें सफलता नहीं मिली। क्रिप्टो करेंसी एक ऐसी डिजिटल या वर्चुअल करेंसी है, जिसमें सुरक्षा के लिए क्रिप्?टोग्राफी का इस्तेमाल किया जाता है। दुनिया की सबसे पहली क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन है, जो 2009 में लॉन्च हुई थी।

नाम विदेशी लेकिन देसी ब्रांड

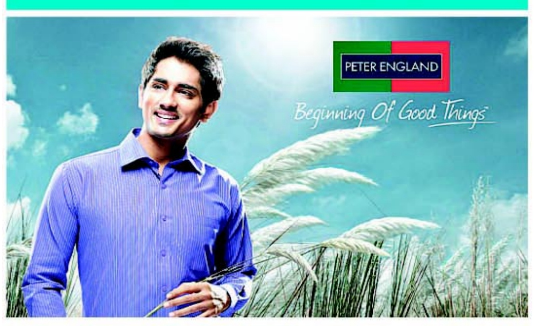

कई ब्रांड ऐसे हैं जिनका नाम सुनकर ऐसा लगता है कि ये विदेशी हैं, लेकिन कई मामलों में ऐसा नहीं है। पीटर इग्लैंड का नाम तो सुना ही होगा और कई बार टीवी पर ऐड भी देखा होगा। नाम सुनकर यह एक विदेशी कपड़ों का ब्रांड लगता है, लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं है। पीटर इंग्लैंड वास्तव में आदित्य बिरला ग्रुप की मदुरा गार्मेंट्स का हिस्सा है। अमेरिकन स्वान का नाम सुना ही होगा। शायद आपको लगा हो कि ये विदेशी कपड़ो का ब्रांड है। जी नहीं! अमेरिकन स्वान भारतीय ब्रांड है। इसे 2013 में अनुराग राजपाल ने लांच किया था। लुई फिलिप भी आदित्य बिरला का हिस्सा है। 1989 में इसकी शुरुआत हुई। एलन सोली आदित्य बिरला ग्रुप का ब्रांड है। वेन ह्यूजन भी आदित्य बिरला ग्रुप से जुड़ा हुआ है। वेस्टसाइड टाटा ग्रुप का एक डिविजन है। फ्लाइंग मशीन की शुरुआत अरविंद ग्रुप ने की। मांटे कार्लो ओसवाल वूलन मिल्स लिमिटेड का हिस्सा है। द मिलानो साहिल मालिक चलाते हैं।

बढ़ती उम्र को रोकें....

रोजमर्रा की भागदौड़ और जिम्मेदारियों को पूरा करने के चक्कर में युवाओं की उम्र कब बढ़ने लगती है पता ही नहीं चलता। लेकिन चेहरे पर आती झुर्रियों को दूर करने के लिए कुछ उपाय अपनाकर इससे बचा जा सकता है। खूब पानी पिएं। पानी पीने से त्वचा नम होती है और इससे झुर्रियां दूर होती हैं। पूरी नींद लें। दिन में कम से कम 7 से 8 घंटें सोएं। माइश्चराइजर का इस्तेमाल करते रहें। सिर्फ सर्दियों में ही नहीं गर्मीयों में भी त्वचा पर क्रीम लगाते रहें। सेहतमंद खाना खाएं। ज्यादा से ज्यादा हरी सब्जियां और फल खाएं। इसके अलावा सूखे मेवे भी फायदेमंद हैं। तनाव से खुद को दूर रखें।

आनलाइन लगेगी छात्रों की हाजिरी

उत्तर प्रदेश में बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों की हाजिरी अब ऑनलाइन लगेगी। इसके लिए बेसिक शिक्षा परिषद ने ऑनलाइन सॉफ्टवेयर तैयार किया है। इस योजना के तहत शिक्षकों को अब सुबह विद्यार्थियों की उपस्थिति के बाद अपने मोबाइल से बेसिक शिक्षा परिषद को मैसेज भेजना होगा, जिससे विभाग की सभी योजनाओं में होने वाले धन के दुरुपयोग को रोका जा सके। बेसिक शिक्षा परिषद के शिक्षकों को उनके क्लास रूम में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की विद्यालय के रजिस्टर में हाजिरी करने के साथ ही परिषद को अपने मोबाइल से एक मैसेज भी भेजना होगा। इस मैसेज के पहुंचते ही परिषद के सॉफ्टवेयर में विद्यार्थियों की हाजिरी लग जाएगी।

दाढ़ी से फायदा या नुकसान...?

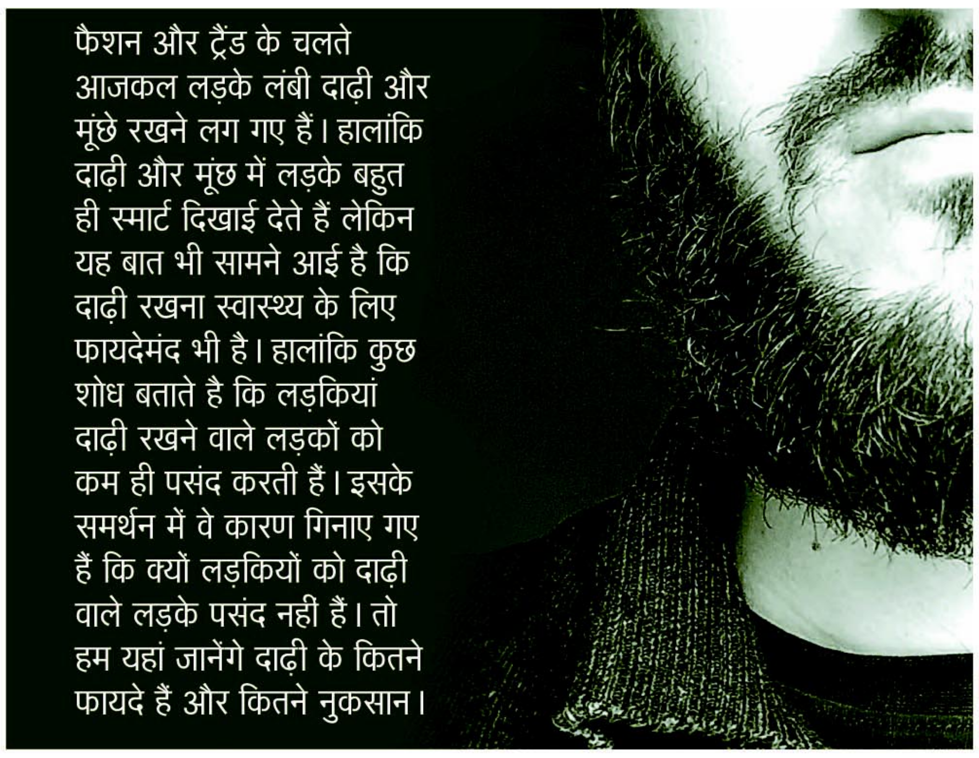

फैशन और ट्रैंड के चलते आजकल लड़के लंबी दाढ़ी और मूंछे रखने लग गए हैं। हालांकि दाढ़ी और मूंछ में लड़के बहुत ही स्मार्ट दिखाई देते हैं लेकिन यह बात भी सामने आई है कि दाढ़ी रखना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद भी है। हालांकि कुछ शोध बताते है कि लड़कियां दाढ़ी रखने वाले लड़कों को कम ही पसंद करती हैं। इसके समर्थन में वे कारण गिनाए गए हैं कि क्यों लड़कियों को दाढ़ी वाले लड़के पसंद नहीं हैं। तो हम यहां जानेंगे दाढ़ी के कितने फायदे हैं और कितने नुकसान।

मूंछ और दाढ़ी रखने वाले युवाओं की पर्सनैलिटी को लोग दो तरीके से जज करते हैं। कुछ लोगों की नजरों में जहां वे हैंडसम और डैशिंग कहलाते हैं, तो वहीं कुछ लोगों को वे आलसी नजर आते हैं। प्रोफेशनल लुक में भी कई बार दाढ़ी और मूंछ प्रॉब्लम खड़ी करती है। लेकिन बहुत ही कम लोग इस बात से वाकिफ होंगे कि चेहरे पर दाढ़ी कई प्रकार की समस्याओं से दूर रखती है। हालांकि, कई बार ज्यादा दाढ़ी इरिटेट भी करती है, लेकिन समय-समय पर इसकी ट्रिमिंग कराकर इरिटेशन से बचा जा सकता है।

स्किन कैंसर से बचाव

रिसर्च से ये बात सामने आई है कि सूर्य से निकलने वाली हानिकारक यूवी किरणों से दाढ़ी बचाव करती है। दाढ़ी के बाल 95 प्रतिशत तक इन हानिकारक यूवी किरणों को रोकते हैं। शरीर के लिए बहुत ज्यादा नुकसानदायक ये किरणें जानलेवा बीमारी कैंसर का कारण भी बन सकती हैं। इन किरणों से बचने के लिए दाढ़ी रखना सेहत और स्टाइल, दोनों लिहाज से अच्छा रहता है।

एलर्जी की समस्या दूर

धूल और पॉल्यूशन के कारण होने वाली एलर्जी और अस्थमा की समस्या को कम करने में भी दाढ़ी के बाल बहुत ही मददगार होते हैं। ये बाल एक प्रकार से फिल्टर का काम करते हैं, जो चेहरे पर किसी भी चीज को डायरेक्ट पहुंचने से रोकते हैं। आंखों की पलकें और नाक के बाल भी यही काम करते हैं। फिल्टर के बाद प्योर ऑक्सीजन बॉडी में पहुंचती है।

बनाए रखे जवां

एजिंग की समस्या को कम करती है दाढ़ी। दाढ़ी पॉल्यूटेड एनवायरन्मेंट से स्किन को बचाती है, जिससे असमय दिखने वाले बुढ़ापे की समस्या भी दूर होती है। चेहरे को पानी से धोने पर नमी बनी रहती है। साथ ही, चेहरे के सेबेसियस ग्लैंड्स भी बिअर्ड से कवर्ड रहते हैं। इनसे नमी को बनाए रखने वाले ऑयल निकलते हैं। स्टाइल के लिए रखी जाने वाली

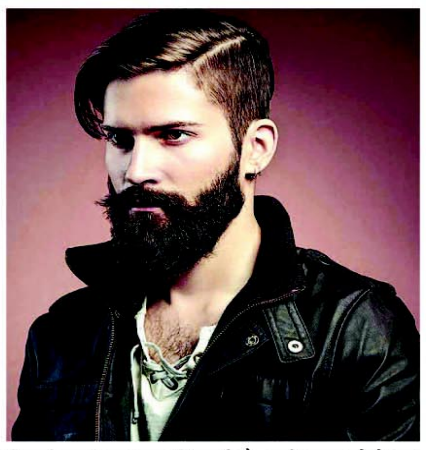

बियर्ड जहां उम्र कम दिखाती है, वहीं कुछ लोगों का ऐसा मानना है कि बियर्ड से उम्र ज्यादा नजर आती है।

बीमार की आशंका कम

गर्मियों में गर्मी से और सर्दियों में सर्दी से बचाने में दाढ़ी कारगर साबित होती है। दाढ़ी सर्दी में चेहरे को गर्म रखने का काम करती है। बाहर की ठंडी हवाएं डायरेक्ट चेहरे तक नहीं पहुंच पाती। पुराने समय में ऋषि-मुनि दाढ़ी-मूंछ रखते थे। संभवतः इसके पीछे उनका मकसद रोगमुक्त होना रहा हो।

इन्फेक्शन से बचाव

दाढ़ी चेहरे पर होने वाले कई सारे बैक्टीरियल इन्फेक्शन्स, फॉलिकल्स और दाग-धब्बों से बचाती है। शेविंग के दौरान स्किन कट जाने से कई प्रकार के इन्फेक्शन्स हो जाते हैं। साथ ही, कई बार ये बड़े घाव तक बन जाते हैं। जो लोग दाढ़ी रखते हैं, उनके साथ ये समस्या नहीं हो सकती।

दाग-धब्बे ऑल क्लीयर

चेहरे के बाल कई प्रकार के दाग-धब्बों, जलने-कटने से बचाने के साथ ही उन्हें छिपाते भी हैं। ये चेहरे के ग्लो को भी बनाए रखते हैं। पुरुषों का दाढ़ी रखना इसलिए भी फायदेमंद माना गया है।

नेचुरल मॉइश्चराइजर

ड्राय स्किन की शिकायत सिर्फ महिलाओं के साथ ही नहीं, पुरुषों के साथ भी हो सकती है। इससे बचने के लिए मॉइश्चराइजर और क्रीम लगाते हैं, लेकिन दाढ़ी भी स्किन को ड्राय होने से बचाती है।

दाढ़ी के नुकसान भी

मर्दों की दाढ़ी को लेकर और दो तरह के अध्ययन किए गए हैं। पहले सर्वे में करीब 100 आदमियों पर अध्ययन किया गया, जिनकी उम्र 18 से 72 साल के बीच थी। ये 100 पुरुष भारत और अमरीका से थे। इन सभी पुरुषों की दाढ़ी अलग-अलग तरह की स्टाइल और लेंथ में थी। इस आधार पर इनके सामने कुछ सवाल रखे गए। इस सर्वे के अनुसार, दाढ़ी रखे 86 प्रतिशत भारतीय मर्द और 65 फीसदी अमरीकी मर्द तुलनात्मक रूप से अधिक रूढ़िवादी पाए गए। एक ऑनलाइन सर्वे द्वारा कराए गए इस सर्वे में पाया गया है कि दाढ़ी रखने वाले पुरुष अपनी पार्टनर के प्रति कम वफादार होते हैं। वहीं एक अन्य रिसर्च में कहा गया है कि ऐसे ज्यादातर पुरुष धोखेबाज होते हैं। हालांकि विशेषज्ञों की मानें तो दाढ़ी रखना काफी नुकसानदेह भी साबित हो सकता है।

क्या सोचती हैं लड़कियां

गुस्सैल दिखना: दाढ़ी वाले युवा गुस्सैल दिखते हैं। एक शोध में यह पाया गया है कि आमतौर पर लड़कियां दाढ़ी रखने वाले युवाओं को गुस्सैल और लड़ाकू समझती हैं।

गुदगुदी होती है: वैसे तो अपने मेल पार्टनर की दाढ़ी में हाथ फेरना कुछ महिलाओं के लिए रोमांटिक हो सकता है, लेकिन कई अध्ययनों से यह साबित हुआ है कि दाढ़ी-मूंछ के चलते महिलाओं को गुदगुदी होती है जिससे उन्हें काफी परेशानी होती है। दाढ़ी चुभने पर महिलाओं का मूड ऑफ हो जाता है।

दाढ़ी से एलर्जी: जाहिर है जिन लोगों की स्किन हाइपर सेंसिटिव है, जिन्हें हल्की दाढ़ी भी चुभती है और फौरन रैशेज निकल आते हैं, उनके करीब जाना खतरों से भरा है।

उम्रदराज दिखते हैं: लड़कियों का मानना है कि क्लीन शेव लड़के यंग दिखते हैं, लेकिन दाढ़ी में वो ज्यादा मैच्योर और उम्रदराज नजर आते हैं।

क्लीन शेव वालों की छवि: जो लड़के क्लीन शेव होते हैं, उनके बारे में धारणा यह है कि वे सफाई पसंद होते हैं और हाइजीन का ख्याल रखते हैं।

स्टाइल स्टेटमेंट बन गए बेल्ट...

बेल्ट, है तो बहुत छोटा परंतु दाम में आपकी किसी पोशाक का मुकाबला कर सकता है। इसे पहले केवल पैंट को कसने के लिए पहना जाता था लेकिन आज यह एक स्टाइल स्टेटमेंट बन चुकी है। यह सुंदर चीज बहुत छोटी है लेकिन बडी स्टाइलिश। जब आप इसे अपनी कमर पर बांधते हैं, ये आपके पूरे रूप को परिवर्तित कर देता है। इसे पुरुष अपनी पतलून के साथ तथा महिलाएं अपनी स्कर्ट के साथ पहनना पसंद करती हैं। इसे पहले इसे केवल चमडे से बनाया जाता था किंतु आज ये कपडे या कृत्रिम चमड़े में भी बनी मिलती है।

चमड़े का बेल्ट: चमड़े का बेल्ट चाहे काले रंग का हो या भूरे रंग का आपको एक फॉर्मल लुक देने में मदद करता है। आप इस बेल्ट को अपनी फॉर्मल पैंट या जीन्स के साथ पहन सकते हैं। चूंकि ये बेल्ट चमड़े के बने होते हैं इन्हें संभालकर रखना बहुत जरूरी है। कमरे में यहां-वहां फैंकने से ये खराब हो सकते हैं।

ब्रैडेड बेल्ट: सुंदर ब्रैडेड बेल्ट के साथ अपने अद्भुत व कूल रूप को प्रकट करें। यदि आप लोगों को अपनी ओर आकर्षित करना चाहते हैं तो ये बेल्ट आपकी इस तमन्ना को पूरा कर सकता है। एक अच्छा लुक पाने के लिए इसे अपनी किसी भी सादी पतलून के साथ पहनें।

नियॉन बेल्ट: रंग-बिरंगे नियॉन बेल्ट आपके होश उडा देंगे। अब तक आप बेल्ट को अपनी पैंट को टिकाए रखने के लिए खरीदते थे। परंतु ये नियॉन बेल्ट एक फैशन स्टेटमेंट बनाने के लिए एवं आपको एक स्टाइलिश लुक प्रदान करने के लिए बनाए गए हैं। हज़ारों की भीड में अपनी एक अलग पहचान बनाने की इच्छा रखने वाले व्यक्ति इस बेल्ट को खरीद सकते हैं। इस बेल्ट को पुरुषों व महिलाओं दोनों द्वारा पहना जा सकता है।

टेक्स्चर्ड बेल्ट: कुछ टेक्स्चर्ड बेल्ट चमड़े के बने होते हैं तो कुछ कपड़े के। दोनों की तुलना में कपड़े के बेल्ट ज्यादा कारगर साबित होते हैं और इसे फाक्स सूड कहा जाता है। सूड बेल्ट काफी आरामदायक होते हैं और ये लेनिन व खाखी कॉम्बो के साथ सही बैठते हैं। हमें इसकी आरामदायक पकड व सुंदरता बेहद पसंद है। इस बेल्ट की खासियत को जानने के लिए इसे एक बार जरूर पहनें।

ट्रैवल बेल्ट: क्या आप अक्सर टुर पर रहते हैं? तथा पैसों के साथ अपने जरूरी दस्तावेजों को संभालना आपके लिए बहुत जरूरी हो जाता है? तो ट्रैवल बेल्ट पर एक नजर डालें। ट्रैवल बेल्ट में मौजूद चोर पाकिट आपके पैसों व कार्ड को संभाले रखने में मदद करता है।

ज्यादा वजन में भी स्मार्ट दिखें...

मर्दों की चाहे कितनी भी उम्र हो जाए, लेकिन लड़कियों की तरह वे भी अपने वजन से कम ही दिखना चाहते हैं। मोटापा युवाओं को उम्र से ज्यादा बड़ा दिखता है और स्टाइल में भी कमी ला देता है, लेकिन अपने पहनावे में कुछ छोटे मोटे बदलाव कर के, पतले और स्मार्ट दिख सकते हैं। जानिए, इसके लिए क्या करने की जरूरत है।

फिटिंग के कपड़े: यह सोचना छोड़ दें कि ढीले ढाले कपंड़ों में आप मोटे नहीं दिखेंगे। ढीले कपड़े मोटापे को और उभारते हैं इसलिए अपनी फिटिंग के ही कपड़े पहनें।

सीधी लाइन वाली शर्ट: ज्यादा वजन वाले युवाओं को सीधी लाइन वाली शर्ट ही पहननी चाहिए। ऐसा करने से उनकी तरफ देखने वाले लोगों की नजर उन रेखाओं पर जाती है यानी ऊपर से नीचे न कि वजन यानी दाएं से बाएं। यह साबित भी हो चुका है कि इंसानी दिमाग पहले सीधी लंबी रेखाओं की तरफ ही जाता है।

शर्ट को टक इन न करें: कोशिश करें हर बार शर्ट या टीशर्ट को पैंट के अंदर टक इन कर के न चलें। टक इन कर ने पर आपका पेट निकला हुआ दिखेगा जो जाहिर है आप नहीं चाहते।

गाढ़े रंग के कपड़े: गाढ़े रंग के कपड़े आप पर ज्यादा फबेंगे। ये भी एक मनोवैज्ञानिक सिद्धांत है कि एक ऊपर से नीचे तक एक जैसा गाढ़ा रंग का कपंड़ा पहनने वाला पतला दिखता है।

दाढ़ी और बाल: अपने बालों और दाढ़ी को इस तरह ही रखें जिससे आपका चेहेरा लंबा दिखे। इससे आप भी पतले दिखेंगे। फ्रेंच स्टाइल दाढ़ी जो ठुड्डी की तरफ लंबी हो, आप पर जमेगी।

HEALTH

सिर्फ नमक का ज्यादा सेवन ही इस बीमारी के लिए जिम्मेदार नहीं

पोटैशियम के कम सेवन से भी हाई ब्लडप्रेशर

उच्च रक्तचाप के लिए ज्यादा नमक ही जिम्मेदार नहीं, बल्कि कम मात्रा में पोटैशियम का सेवन भी आपको इसका मरीज बना सकता है। एक नए शोध में यह खुलासा हुआ है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि आहार में अधिक पोटैशियम ग्रहण करने वाली किशोरियों में बाद में रक्त चाप कम पाया गया।

सोडियम की मात्रा कम करने पर बल देना जरूरी नहीं

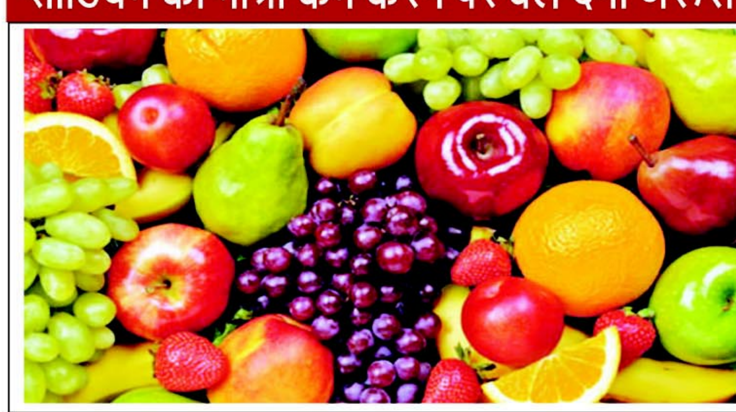

बोस्टन विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ मेडिसिन के लीन मूरे ने कहा कि इसके विपरीत, रक्तचाप पर अकेले सोडियम का कोई प्रभाव नहीं दिखाई पड़ा, जिसके कारण वैश्विक स्तर पर बच्चों तथा किशोरों के आहार में सोडियम की मात्रा कम करने की जरूरत पर बल देने की जरूरत नहीं।

...तो नहीं पड़ता प्रतिकूल प्रभाव

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, जो किशोरियां प्रतिदिन तीन हजार मिलीग्राम नमक का सेवन करती हैं, उनके रक्तचाप पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता, जबकि जो किशोरियां प्रतिदिन 2,400 मिलीग्राम या उससे अधिक पोटैशियम का सेवन करती हैं, तो बाद में उनका रक्त चाप कम होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) लोगों को दो हजार मिलीग्राम से अधिक सोडियम का सेवन नहीं करने की सलाह देता है। शोधकर्ताओं ने किशोरावस्था के अंत में आहार में सोडियम व पोटैशियम का रक्तचाप पर दीर्घावधि तक प्रभाव का अध्ययन किया।

आपसे कुछ चाहता है माइक्रोसॉफ्ट...

दुनिया की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी माइक्रोसॉफ्ट जल्दी ही एंड्रॉयड के लिए ऑफिस प्रोडक्ट लॉन्च करने जा रही है। इससे आप माइक्रोसॉफ्ट वर्ड, एक्सेल और पॉवरपॉइंट जैसे सॉफ्टवेयर अपने स्मार्टफोन और टैबलेट पर इस्तेमाल कर सकेंगे। माइक्रोसॉफ्ट चाहता है कि एंड्रॉयड इस्तेमाल करने वाले लोग उसके इस नए प्रोडक्ट की बीटा टेस्टिंग में उसकी मदद करें। ये बीटा टेस्टिंग वर्ड, एक्सेल, पॉवरपॉइंट, विसिओ, वन नोट, एक्सेस, पब्लिशर और आउटलुक के लिए होंगे।

क्या करना होगा ?

इसके लिए आपको माइक्रोसॉफ्ट के शेयरप्वाइंट वेबसाइट पर जाकर रेजिस्ट्रेशन करना होगा। ये बीटा टेस्टिंग आप होम या बिजनेस यूजर के लिहाज से कर सकते हैं। इसके बाद आपको कई तरह के एप्लीकेशन और सर्विस को समझने का भी मौका मिलेगा। बस एक बात का ध्यान रखना होगा। आपके ऑफिस 365 सॉफ्टवेयर में जो भी सॉफ्टवेयर हैं आप सिर्फ उन्हीं से जुड़े प्रोडक्ट्स के लिए रजिस्टर कर सकते हैं। इसकी फिलहाल कोई गारंटी नहीं है कि आपको ये मौका मिल ही जाएगा, पर अगर आप दुनिया की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी की छोटी मदद कर सकते हैं तो आपके लिए ये बड़ी बात होगी।

माइक्रोसॉफ्ट को क्या फायदा

माइक्रोसॉफ्ट को इससे यह फायदा होगा कि उसे बीटा टेस्टिंग के जरिये लोगों की पसंद-नापसंद का पता चल जाएगा। डेस्कटॉप सॉफ्टवेयर के बाजार में माक्रोसॉफ्ट का 90 फीसदी से भी ज्यादा का हिस्सा है। पिछले दशक में माइक्रोसॉफ्ट ने मोबाइल फोन और स्मार्टफोन की क्रांति पर ध्यान नहीं दिया जिससे बाजार अब गूगल और एप्पल के नाम हो गया है, लेकिन अब मोबाइल सॉफ्टवेर के बाजार में भी माइक्रोसॉफ्ट अपना हिस्सा बढ़ाना चाहता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**